भारतीय रेल

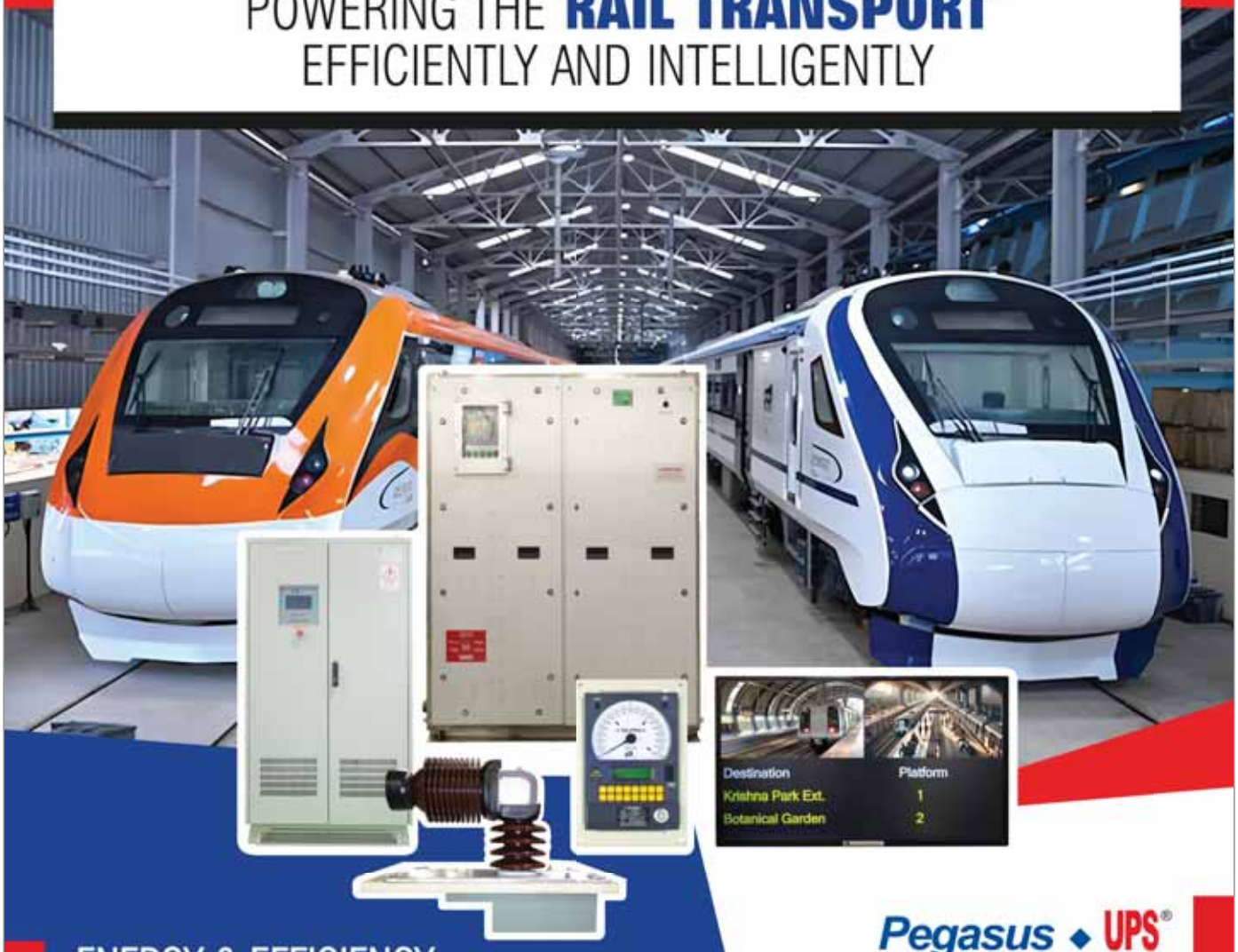
फरवरी 2025

मूल्य ₹ 20



AAL®
Autometers Alliance Ltd

POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY



ENERGY & EFFICIENCY
SAFETY & RELIABILITY

Pegasus ◆ UPS®

Power Electronics & Propulsion System | Traction Switchgear and Panels | Data Acquisition and Control Device

Display and Passenger Information System | Uninterruptible Power Supplies

MAKE IN INDIA COMPANY

ISO 9001:2015 | ISO 14001:2015 | ISO 45001:2018

C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

mktre@autometers.com
www.autometers.com

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका

आरंभ: अगस्त-1960 | वर्ष: 65 | अंक: 07 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | फरवरी-2025 | मूल्य: ₹20

संपादक मंडल

सतीश कुमार
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

रूपा श्रीनिवासन
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

अरुणा नायर
सचिव, रेलवे बोर्ड

दिलीप कुमार
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

शिवाजी मारुती सुतार
निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
ललित कुमार धनकड़
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

आवरण
परिवर्तनकारी बजट वित्त वर्ष 2025-26

फॉलो करें
Twitter :
@bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500
एक प्रति-₹20 वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 **राष्ट्रपति ने भारतीय रेल के खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से किया सम्मानित**

6 **भारतीय रेल को मिला बेस्ट इलेक्ट्रोरल प्रैक्टिसेज अवार्ड-2024-25**

7 **प्रधानमंत्री ने रायगड़ा रेल मंडल भवन की रखी आधारशिला**
तथा नये जम्मू रेल मंडल एवं चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल का किया उद्घाटन

11 **आंध्र प्रदेश में सशक्त होता रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश**
में विभिन्न रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी एवं उद्घाटन किया

17 **प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस का प्रधानमंत्री ने किया शुभारंभ**

19 **केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने गुजरात में महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं**
का किया लोकार्पण

19 **असम के लिए बेहतर रेल संपर्क सुविधा तीन नई रेलगाड़ियों**
तथा रोड ओवर ब्रिज का शुभारंभ

20 **केंद्रीय बजट 2025-26 पूंजीगत व्यय हेतु भारतीय रेल**
को ₹2,52,000 करोड़ का आवंटन

29 **आर्थिक समीक्षा - 2024-25 भारतीय रेल**

32 **भारतीय रेल का ध्यान विकास पर चालू वित्त वर्ष के बजट**
का 76% क्षमता वृद्धि पर खर्च

33 **भारतीय रेल की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि 130 कि.मी. प्रति घंटे की गति के लिए**
23,000 कि.मी. से अधिक ट्रैक हुए तैयार

34 **रेल मंत्री ने अमृत भारत 2.0 का किया निरीक्षण अगले दो वर्षों**
में 50 ट्रेनसेट ट्रैक पर लाने का लक्ष्य

36 **जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का जल्द होगा शुभारंभ माता वैष्णो देवी**
कटरा स्टेशन से बड़गाम स्टेशन तक वंदे भारत एक्सप्रेस का हुआ सफल परीक्षण

38 **वंदे भारत स्लीपर जल्द होगी लाँच 180 कि.मी. घंटा की गति**
का हुआ सफल परीक्षण

39 **महाकुंभ 2025 मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज**
से रिकॉर्ड 364 ट्रेनों का संचालन

42 **रेल मंत्री ने मुंबई बुलेट ट्रेन के निर्माणाधीन अंडरसी टनल का किया अवलोकन**

44 **रेल राज्य मंत्री द्वारा कई रेल बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का शुभारंभ**

46 **भारतीय रेल के विद्युतीकरण के 100 साल** डॉ जयदीप गुप्ता

50 **एलटीसी के तहत अब सरकारी कर्मचारी प्रीमियम ट्रेनों में कर सकेंगे यात्रा**

51 **सभी रेल सेवाओं के हेतु सुपर एप स्वरेल**

54 **विशिष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मी**
राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

56 **भारतीय रेल में उल्लासपूर्ण ढंग से मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह**

58 **क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार**

59 **खेलों में भारतीय रेल**

62 **अमृत भारत स्टेशन योजना**

67 **बजट 2025-26 से भारतीय रेल को मिलेगी**
नयी शक्ति और गति प्रदीप सरदाना

संपादकीय



प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेल मिशन मोड में कार्य करते हुए देशवासियों को तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। रेलवे की इस परिवर्तन यात्रा में नई रेल लाइनों का निर्माण, दोहरीकरण, विद्युतीकरण, विश्वस्तरीय ट्रेन सेट का संचालन और 'कवच 4.0' जैसी अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकों का त्वरित कार्यान्वयन इसकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सामान्य बजट में भारतीय रेल के लिए ₹2,52,000 करोड़ का आवंटन किया गया है, जो रेलवे के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से ₹10,000 करोड़ के प्रावधान के साथ पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बढ़ाकर ₹2,62,000 करोड़ कर दिया गया है। यह राशि परिसंपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण और प्रतिस्थापन के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगी।

इस बजट में निर्भया फंड से ₹200 करोड़ का प्रावधान तथा रेलवे के आंतरिक संसाधनों से ₹3,000 करोड़ जुटाने की योजना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, रणनीतिक लाइनों के संचालन से घाटे की प्रतिपूर्ति के लिए ₹2,739.18 करोड़ निर्धारित किए गए हैं। यह राशि पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान 2024-25 के ₹2,602.81 करोड़ से अधिक है।

भारतीय रेल का यह वित्तीय प्रवाह केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यावहारिक पक्ष भी उतना ही सशक्त है। वित्त वर्ष 2024-25 में रेलवे ने चार जनवरी, 2025 तक अपने बजटीय परिव्यय का 76 प्रतिशत खर्च कर लिया है। इस अवधि में रोलिंग स्टॉक के लिए आवंटित ₹50,903 करोड़ में से ₹40,367 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं, जो कुल आवंटन का 79 प्रतिशत है। सुरक्षा संबंधी कार्यों में ₹34,412 करोड़ के बजटीय आवंटन में से ₹28,281 करोड़ खर्च किए गए, जो आवंटित राशि का 82 प्रतिशत है।

इस निरंतर पूंजीगत व्यय का परिणाम यह है कि आज देश में 136 वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है। नई रेल लाइनों का निर्माण तेज गति से जारी है। इन निवेशों ने न केवल गेज परिवर्तन और ट्रैक के दोहरीकरण को संभव बनाया है, बल्कि यातायात सुविधाओं में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है।

तीन फरवरी, 1925 का दिन भारतीय रेल के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है, जब पहली बार विक्टोरिया टर्मिनस (अब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) से कुर्ला हार्बर के बीच बिजली से संचालित ट्रेन चली। इस ऐतिहासिक यात्रा के सौ वर्षों में रेल विद्युतीकरण ने कई उतार-चढ़ाव देखे। हालांकि, पिछले एक दशक को इस दिशा में क्रांतिकारी प्रगति के लिए याद किया जाएगा, जब विद्युतीकरण कार्य को नई गति मिली। आज ब्रॉड गेज नेटवर्क का लगभग 97 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका है, और शेष कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय रेल में केवल 388 कि.मी. का विद्युतीकरण हुआ था, जो वर्ष 2013-14 तक बढ़कर 21,801 कि.मी. तक पहुँचा। लेकिन 2014 के बाद योजनाबद्ध प्रयासों इस दिशा में अभूतपूर्व विस्तार हुआ। दिसंबर 2024 तक भारतीय रेल के 66,504 कि.मी. ब्रॉड गेज नेटवर्क में से 64,547 कि.मी. का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है।

इन परिवर्तनों से भारतीय रेल देशवासियों को विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान कर रही है और उनके मन में एक नई आशा का संचार कर रही है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल की यह विकास यात्रा, देश के विकास में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएं।

राष्ट्रपति ने भारतीय रेल के खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से किया सम्मानित

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा दिनांक 17 जनवरी, 2025 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। समारोह में भारतीय रेल के खिलाड़ी अमन सहरावत, स्वप्निल सुरेश कुसले, अन्नू रानी और सलीमा टेटे को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया।





अमन सहरावत

कुश्ती (पुरुष) – 57 किग्रा फ्रीस्टाइल

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक और एशियन गेम्स 2022 में कांस्य पदक

स्वप्निल सुरेश कुसले

शूटिंग – 50 मीटर 3पी

पेरिस ओलंपिक 2024 में व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक और एशियाई खेल 2022 में टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक





अन्नू रानी

एथलेटिक्स–भाला फेंक

पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लिया और एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक

सलीमा टेटे

हॉकी

एशियाई खेल 2022 में कांस्य पदक और कामनवेल्थ गेम्स 2022 में कांस्य पदक



ज्योति याराजी

(एथलेटिक्स 100 मीटर बाधा दौड़)

पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लिया और एशियाई खेल 2022 में रजत पदक जीता

(ज्योति प्रशिक्षण के लिए दक्षिण अफ्रीका में होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सकीं)।

सशक्त लोकतंत्र के लिए समर्पित भारतीय रेल
भारतीय रेल को मिला
बेस्ट इलेक्ट्रोरल प्रैक्टिसेज अवार्ड-2024-25



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से पुरस्कार से प्राप्त करते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 25 जनवरी, 2025 को 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेल में मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी के लिए सर्वश्रेष्ठ सरकारी विभाग में 'सर्वश्रेष्ठ चुनावी व्यवहार पुरस्कार 2024-25' से सम्मानित किया। यह पुरस्कार रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने प्राप्त किया। भारतीय रेल को अपने बुनियादी ढाँचे का सर्वोत्तम उपयोग करने और देश भर में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत के चुनाव आयोग के साथ साझेदारी के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह मान्यता लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय रेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है, जहाँ इसने मतदाता जागरूकता और लॉजिस्टिक समर्थन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने और चुनावों में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, भारतीय रेल ने, भारत के चुनाव आयोग के सहयोग से, मतदाता हेल्पलाइन विवरण प्रसारित करने के लिए स्टेशनों, आधिकारिक वेबसाइटों और मोबाइल एप्लिकेशन पर अपने रेल डिस्प्ले नेटवर्क (आरडीएन) का लाभ उठाया। रेलवे स्टेशनों पर पहले से रिकॉर्ड की गई घोषणाएं भी की गईं। इसके अतिरिक्त, युवाओं को चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने और संलग्न करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के समन्वय से कश्मीर घाटी में विशेष ट्रेन, स्वीप एक्सप्रेस संचालित की गई थी। #ChunavKaParv और #DeshKaGarv जैसे हैशटैग के साथ सोशल मीडिया अभियानों ने भागीदारी को बढ़ावा दिया।

रेलवे ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए देश भर में 383 ट्रेनों के माध्यम से 3,74,000 से अधिक अर्ध-सैन्य कर्मियों के सुरक्षित और निर्बाध परिवहन की सुविधा भी प्रदान की। भारतीय रेल ने राष्ट्र के लोकतंत्र को आकार देने में मतदान के महत्त्व पर जोर देते हुए नागरिक भागीदारी को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया।

भारतीय गणतंत्र के जन्म से एक दिन पहले, भारत के चुनाव आयोग के स्थापना दिवस को चिह्नित करने के लिए प्रतिवर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। 2011 से, यह दिन विशेष रूप से नए मतदाताओं के बीच मतदाता नामांकन को प्रोत्साहित करने और चुनावी प्रक्रिया में सूचित भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों, चुनाव आयुक्तों, राजनीतिक प्रतिनिधियों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और युवा मतदाताओं सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति देखी गई।■

प्रधानमंत्री ने रायगड़ा रेल मंडल भवन की रखी आधारशिला

तथा

नये जम्मू रेल मंडल एवं चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल का किया उद्घाटन



वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। इस कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 6 जनवरी, 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नए जम्मू रेलवे मंडल का उद्घाटन किया। उन्होंने पूर्व तट रेलवे के रायगड़ा रेलवे मंडल और तेलंगाना में चर्लपल्ली नए टर्मिनल स्टेशन भवन की आधारशिला भी रखी। पठानकोट-जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला-भोगपुर-सिरवाल-पठानकोट, बटाला-पठानकोट और पठानकोट से जोगिंदर नगर सेक्शनों को मिलाकर 742.1 कि.मी. लंबे जम्मू रेलवे मंडल के स्थापित होने से जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों को काफी लाभ होगा, लोगों की काफी पुरानी लंबित आकांक्षाएं पूरी होंगी और भारत के अन्य हिस्सों से रेल संपर्क में सुधार होगा। इससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे, बुनियादी ढाँचे का विकास होगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र का समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।

तेलंगाना के मेडचल-मलकजगिरी जिले में चर्लपल्ली नए टर्मिनल स्टेशन को लगभग ₹413 करोड़ की लागत से दूसरे प्रवेश मार्ग के प्रावधान के साथ नए कोचिंग टर्मिनल के तौर पर विकसित किया गया है। पर्यावरण अनुकूल इस टर्मिनल में बेहतर यात्री सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। इससे सिकंदराबाद, हैदराबाद और



PMO India
@PMOIndia · Follow

भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं।

पहला- रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण

दूसरा- रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं

तीसरा- रेलवे की देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी

चौथा- रेलवे से रोजगार का निर्माण, उद्योगों को सपोर्ट : PM

काचेगुडा में स्थित शहर के मौजूदा कोचिंग टर्मिनलों पर भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने पूर्व तट रेलवे के रायगड़ा रेलवे मंडल भवन की आधारशिला भी रखी। इससे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और आस-पास के क्षेत्रों में आवागमन संपर्क में सुधार होगा और क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2025 की शुरुआत से ही भारत, कनेक्टिविटी की तेज रफ्तार बनाए हुए है। 5 जनवरी, 2025 को मैंने दिल्ली-एनसीआर में नमो भारत ट्रेन का शानदार अनुभव लिया, दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरुआत की। भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है, हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क, एक हजार कि.मी. से ज्यादा का हो गया है।

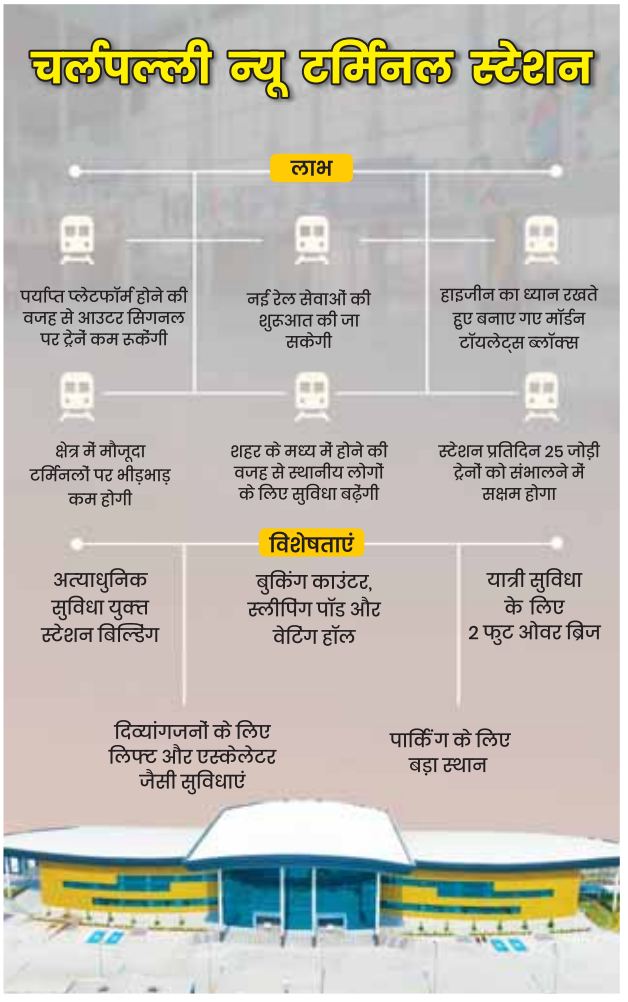
उत्तर में जम्मू कश्मीर, पूरब में ओडिशा, और दक्षिण में तेलंगाना, आज देश के एक बड़े हिस्से के लिए 'new age connectivity' के लिहाज से बहुत बड़ा दिन है। इन तीनों राज्यों में आधुनिक विकास की शुरुआत, ये बताता है कि पूरा देश अब एक साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। और यही 'सबका साथ, सबका विकास' का वो मंत्र है जो विकसित भारत के सपने में विश्वास के रंग भर रहा है। मैं आज इस अवसर पर, इन तीनों राज्यों के लोगों को और सभी देशवासियों को इन प्रोजेक्ट्स की बधाई देता हूँ। आज देश विकसित भारत की संकल्प सिद्धि में जुटा है, और इसके लिए भारतीय रेल का विकास बहुत महत्त्वपूर्ण है। हमने देखा है, पिछला एक दशक भारतीय रेल के ऐतिहासिक ट्रांसफॉर्मेशन का रहा है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक visible change आया है। इससे देश की छवि बदली है, और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है।

भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। पहला- रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण, दूसरा- रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएँ, तीसरा- रेलवे की देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी, चौथा- रेलवे से रोजगार का निर्माण और उद्योगों को सपोर्ट। उन्होंने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में भी इसी विजन की झलक दिखाई देती है। ये नए मंडल, नए रेल टर्मिनल, भारतीय रेल को 21वीं सदी की आधुनिक रेलवे बनाने में अहम योगदान देंगे। इनसे देश में आर्थिक समृद्धि का



चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल पर आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल जिश्नु देव वर्मा, केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, आदि उपस्थित थे

इकोसिस्टम विकसित करने में मदद मिलेगी, रेलवे के संचालन में मदद मिलेगी, निवेश के ज्यादा मौके बनेंगे और नई नौकरियों का सृजन भी होगा।



वर्ष 2014 में हमने भारतीय रेल को आधुनिक बनाने का सपना लेकर काम शुरू किया था। वंदे भारत ट्रेनों की फैसिलिटी, अमृत भारत और नमो भारत रेल की सुविधा, अब भारतीय रेल का नया बेंचमार्क बन रही हैं। आज लोग लंबी दूरी की यात्रा को भी कम समय में पूरा करना चाहते हैं। ऐसे में देश के हर हिस्से में हाई स्पीड ट्रेनों की मांग बढ़ रही है। आज 50 से ज्यादा रूट्स पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। 136 वंदे भारत सेवाएं लोगों की यात्रा को सुखद बना रही हैं। अभी मैं दो-तीन दिन पहले ही एक वीडियो देख रहा था, अपने ट्रायल रन में वंदे भारत का नया स्लीपर वर्जन कैसे 180 कि.मी. प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ रहा है, और ये देखकर मुझे ही नहीं किसी भी हिन्दुस्तानी को अच्छा लगेगा। ये तो शुरुआत हैं, वो समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन भी दौड़ेगी।

हमारा लक्ष्य है कि फर्स्ट स्टेशन से लेकर डेस्टिनेशन तक, भारतीय रेल से यात्रा एक यादगार अनुभव बने। इसके लिए देश में 1,300 से ज्यादा अमृत स्टेशनों का कायाकल्प भी हो रहा है। पिछले 10 वर्षों में रेल कनेक्टिविटी का भी अद्भुत विस्तार हुआ है। वर्ष 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। आज भारत, रेल लाइनों के शत प्रतिशत विद्युतीकरण के करीब है। हमने रेलवे की पहुँच का भी लगातार विस्तार किया है। बीते 10 वर्षों में 30 हजार कि.मी. से ज्यादा नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं, सैकड़ों रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया है। अब ब्रॉड गेज लाइनों पर मानव रहित क्रॉसिंग्स खत्म हो चुकी हैं। इससे दुर्घटनाएं भी कम हुई हैं और यात्रियों की संरक्षा भी बढ़ी है। देश में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जैसे आधुनिक रेल नेटवर्क का काम भी तेजी से पूरा हो रहा है। ये स्पेशल कॉरिडोर बनने से सामान्य ट्रैक पर दबाव कम होगा और हाई स्पीड ट्रेनों को चलाने के अवसर भी बढ़ेंगे।

रेलवे में आज कायाकल्प का जो अभियान चल रहा है, जिस तरह मेड इन इंडिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, मेट्रो के लिए, रेलवे के लिए आधुनिक डिब्बे तैयार किए जा रहे हैं, स्टेशनों को पुनर्विकसित किया जा रहा है, स्टेशनों पर सोलर-पैनल लगाए जा रहे हैं, 'वन स्टेशन, वन प्रोडक्ट' इसके स्टॉल लग रहे हैं, उससे भी रेलवे में रोजगार के लाखों नए अवसर बन रहे हैं। पिछले 10 साल में रेलवे में लाखों युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी मिली है। हमें याद रखना है, जिन कारखानों में नई ट्रेनों के डिब्बे बनाए जा रहे हैं, उसके लिए कच्चा माल दूसरी फैक्ट्रियों से आ रहा है। वहाँ डिमांड बढ़ने का मतलब है, रोजगार के ज्यादा अवसर। रेलवे से जुड़ी विशेष स्किल को ध्यान में रखते हुए देश की पहली गति-शक्ति यूनिवर्सिटी की भी स्थापना की गई है।

आज जैसे-जैसे रेलवे नेटवर्क का विस्तार हो रहा है, उसी हिसाब से नए हेडक्वार्टर और मंडल भी बनाए जा रहे हैं। जम्मू मंडल का लाभ जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और पंजाब के कई शहरों को भी होगा। इससे लेह-लद्दाख के लोगों को भी सुविधा होगी।



जम्मू में आयोजित समारोह में जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, उपस्थित थे

नया जम्मू रेल मंडल

लाभान्वित रेल खंड

कुल रूट कि.मी. **742.10**

- ☑ पठानकोट-जम्मू-उधमपुर (शहीद कप्तान तुषार महाजन)-श्रीनगर-बारामुला (423 रूट कि.मी.)
- ☑ भोगपुर सिरवाल-पठानकोट (87.21 रूट कि.मी.)
- ☑ बटाला-पठानकोट (68.17 रूट कि.मी.)
- ☑ पठानकोट-जोगिन्दर नगर (अंजी खंड) (163.72 रूट कि.मी.

लाभ

जम्मू और कश्मीर को भारत से जोड़ने वाली USBRL परियोजना के लिए लाभकारी।

चिनाब ब्रिज और अंजी खंड ब्रिज को कवर करेगा।

स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन।

क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

लाभान्वित राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश एवं सम्बन्धित शहर

जम्मू-कश्मीर
(जम्मू शहर, श्रीनगर, कटरा, उधमपुर, कठुआ, राजौरी, पुंछ, अनंतनाग, शोपियां, पुलवामा और कुपवाड़ा)

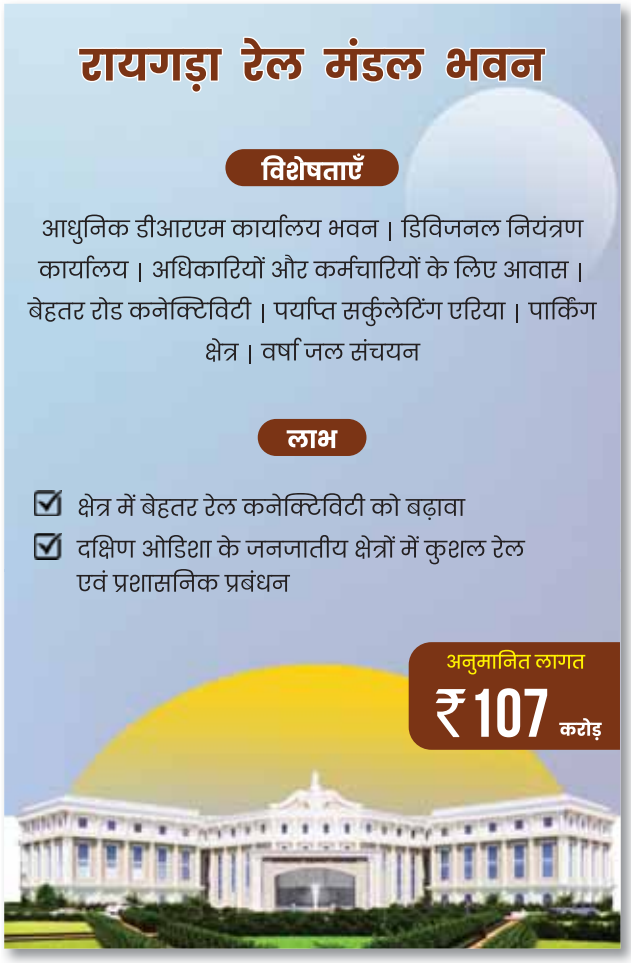
हिमाचल प्रदेश
(चम्बा, धर्मशाला, काँगड़ा, मंडी)

पंजाब (पठानकोट),

लद्दाख

हमारा जम्मू-कश्मीर आज रेल इंफ्रास्ट्रक्चर में नए रिकॉर्ड बना रहा है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन इसकी चर्चा आज पूरे देश में है। ये परियोजना जम्मू-कश्मीर को भारत के अन्य हिस्सों के साथ और बेहतरी से जोड़ देगी। इसी परियोजना के तहत दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज, चिनाब ब्रिज का काम पूरा हुआ है। अंजी खड्ड ब्रिज, जो देश का पहला केबल आधारित रेल ब्रिज है, वो भी इसी परियोजना का हिस्सा है। ये दोनों इंजीनियरिंग के बेजोड़ उदाहरण हैं। इनसे इस क्षेत्र में आर्थिक प्रगति होगी और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से हमारे ओडिशा के पास प्राकृतिक संसाधनों का भंडार है। इतना बड़ा समुद्री तट मिला है। ओडिशा में इंटरनेशनल ट्रेड की प्रबल संभावनाएं हैं। आज ओडिशा में रेलवे के नए ट्रैक से जुड़े अनेकों प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। इन पर ₹70 हजार करोड़ से अधिक का निवेश हो रहा है। राज्य में 7 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू किए गए हैं, जो व्यापार और उद्योगों को बढ़ावा दे रहे हैं। आज भी ओडिशा में जिस रायगड़ा रेल मंडल का शिलान्यास किया गया है, इससे प्रदेश का रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत होगा। इससे ओडिशा में पर्यटन, व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। खास तौर पर, इसका बहुत लाभ उस दक्षिण ओडिशा को मिलेगा, जहाँ जनजातीय परिवारों की संख्या ज्यादा है। हम जनमन योजना के तहत





रायगड़ा में आयोजित कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बुट्टू, केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार *तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।*

अति-पिछड़े आदिवासी इलाकों का विकास कर रहे हैं, ये इंफ्रास्ट्रक्चर उनके लिए वरदान साबित होगा।

मुझे तेलंगाना के चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन के उद्घाटन का भी अवसर मिला है। इस स्टेशन के आउटर रिंग रोड से जुड़ने से क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी। स्टेशन पर आधुनिक प्लेटफॉर्म, लिफ्ट, एस्केलेटर जैसी सुविधाएँ हैं। एक और खास बात है कि ये स्टेशन सोलर ऊर्जा से संचालित हो रहा है। ये नया रेलवे टर्मिनल, शहर के मौजूदा टर्मिनल्स जैसे सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचिगुड़ा पर प्रेशर को बहुत कम करेगा। इससे लोगों के लिए यात्रा और सुविधाजनक होगी। यानि ease of living के साथ-साथ ease of doing business को भी बढ़ावा मिलेगा।

देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण का महायज्ञ चल रहा है। भारत के एक्सप्रेसवे, वॉटरवे, मेट्रो नेटवर्क का तेज गति से विस्तार हो रहा है। देश के एयरपोर्ट्स पर सबसे बेहतरीन सुविधाएँ मिल रही हैं। वर्ष 2014 में देश में एयरपोर्ट्स की संख्या 74 थी, अब इनकी संख्या बढ़कर 150 के पार हो चुकी है। 2014 तक सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो की सुविधा थी, आज 21 शहरों में मेट्रो है। इस स्केल और स्पीड को मैच करने के लिए भारतीय रेल को भी लगातार अपग्रेड किया जा रहा है।

ये सभी विकास कार्य विकसित भारत के उस रोडमैप का हिस्सा हैं, जो आज हर देशवासी के लिए एक मिशन बन चुका है। मुझे विश्वास है, हम सब साथ मिलकर इस दिशा में और भी तेज गति से आगे बढ़ेंगे। मैं एक बार फिर इन परियोजनाओं के लिए देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

इस कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, तेलंगाना के राज्यपाल जिश्नु देव वर्मा, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।■

आंध्र प्रदेश में सशक्त होता

रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर

प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश में विभिन्न रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी एवं उद्घाटन किया



विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मंच पर उपस्थित हैं आंध्र प्रदेश के राज्यपाल अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू नागरिक उड्डयनन मंत्री आर. नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण

शिलान्यास

दक्षिण तट रेलवे मुख्यालय,

वडलापुडि–गेट जंक्शन केबिन के मध्य तीसरी एवं चौथी रेल लाइन सहित गंगवरम बंदरगाह–विशाखापट्टणम स्टील प्लांट के मध्य टाई लाइन

दुव्वाडा–सिम्हाचलम उत्तर के मध्य तीसरी और चौथी रेल लाइन

विशाखपट्टणम–गोपालपट्टणम के मध्य तीसरी और चौथी रेल लाइन

गुत्ती–पेंडेकल्लु रेल लाइन के दोहरीकरण

गुंटूर–बीबीनगर रेल लाइन के दोहरीकरण

महबूबनगर–डोन रेल लाइन के दोहरीकरण व विद्युतीकरण

राष्ट्र को समर्पण

गुत्ती–धर्मवरम रेल लाइन के दोहरीकरण

विजयवाड़ा–गुडिवाड़ा–भीमवरम–नरसापुर, गुडिवाड़ा–मचिलीपट्णम, भीमवरम–निडदवोलु रेल लाइन के दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण

गिद्दलूर–दिगुवामेट्टा रेल लाइन के दोहरीकरण

"नए विशाखापट्टनम शहर में दक्षिण तट रेलवे मुख्यालय की आधारशिला रखी। आंध्र प्रदेश के विकास के लिहाज से ये बहुत महत्त्वपूर्ण है। लंबे समय से, एक अलग क्षेत्रीय रेलवे की मांग हो रही थी। आज ये स्वप्न साकार हो रहा है। दक्षिण तट रेलवे का मुख्यालय बनने के बाद इस पूरे क्षेत्र में कृषि और व्यापार से जुड़ी गतिविधियों का विस्तार होगा। इसके अलावा पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी प्रगति के नए अवसर मिलेंगे। यहाँ हजारों करोड़ रुपये की कनेक्टिविटी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी हुआ है। रेलवे के क्षेत्र में आंध्र प्रदेश उन राज्यों में शामिल है, जहाँ 100% विद्युतीकरण हो चुका है। आंध्र प्रदेश के 70 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश के लोगों की यात्रा को आसान के लिए 7 वंदे–भारत ट्रेनें और अमृत भारत ट्रेन भी चलाई जा रही हैं।"

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

दिनांक 8 जनवरी, 2025

दक्षिण तट रेलवे मुख्यालय

मुख्य विशेषताएं

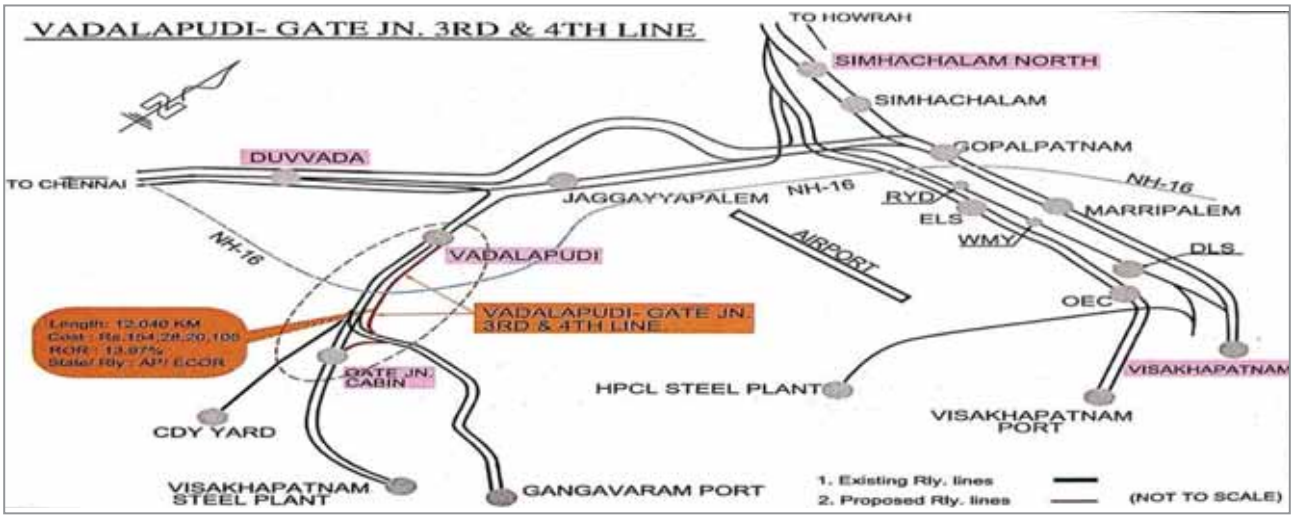
- **स्वीकृत लागत :** ₹149 करोड़।
- **मुख्यालय :** विशाखापत्तनम

लाभ

- आंध्र प्रदेश और पड़ोसी राज्यों में रेल नेटवर्क पर केंद्रित प्रशासन।
- क्षेत्रीय विकास के लिए रेलवे के बुनियादी ढाँचे में वृद्धि।
- रोज के अवसरों का सृजन।
- क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों के लिए वरदान।
- महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं का तेजी से निष्पादन।
- यात्रियों और उद्योग के साथ करीबी संपर्क।



गंगावरम पोर्ट और विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के बीच टाई लाइन सहित वडलापुडी - गेट जंक्शन केबिन के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन (12.04 कि.मी.)



मुख्य विशेषताएं

- **परियोजना लागत :** ₹154 करोड़
- **राज्य/जिला :** आंध्र प्रदेश (विशाखापत्तनम)
- **लाइन की लंबाई :** 12.04 कि.मी.
- **अनुमोदित तिथि :** अप्रैल, 2023

लाभ

- राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) और गंगावरम पोर्ट, जो विशाखापत्तनम में दो ऐतिहासिक उद्योग हैं, वडलापुडी स्टेशन के माध्यम से चेन्नई हावड़ा ट्रंक मार्ग से जुड़े हुए हैं। टाई-लाइन के साथ तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण से विशाखापत्तनम परिसर में रेलगाड़ियों की भीड़ कम हो जाएगी।
- प्रतिदिन 13 से अधिक ट्रेन घंटे की रोक को समाप्त कर देगा।
- क्षेत्र में इन उद्योगों की बढ़ती लॉजिस्टिक आवश्यकताओं को पूरा करेगा, जिससे देश के विभिन्न हिस्सों में उनके उत्पादों की आवाजाही की सुविधा होगी। टाई लाइन से आरआईएनएल से गंगावरम पोर्ट तक सीधी कनेक्टिविटी भी उपलब्ध होगी।

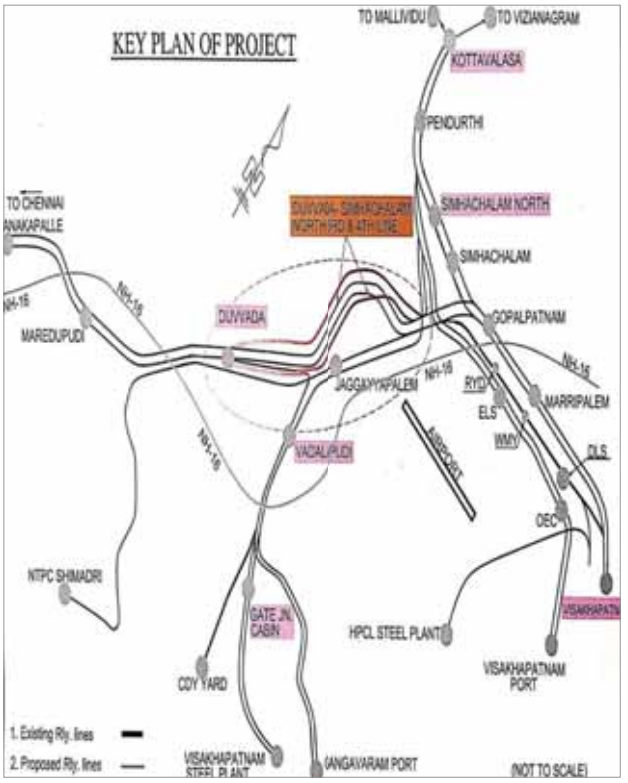
दुव्वाडा - सिम्हाचलम उत्तर के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन (20.54 कि.मी.)

मुख्य विशेषताएं

- **परियोजना लागत** : ₹302 करोड़
- **राज्य/जिला** : **आंध्र प्रदेश** (विशाखापत्तनम)
- **लाइन की लंबाई** : **20.54** कि.मी.
- **अनुमोदित तिथि** : अप्रैल, 2023

लाभ

- दुव्वाडा में अधिक ट्रेनों को संभालने की क्षमता की कमी के परिणामस्वरूप वाल्टेयर परिसर में प्रवेश करने के बाद कोचिंग और मालगाड़ियों की भारी रोक होती है। वर्तमान लाइनों का अधिक उपयोग किया जा रहा है, इसलिए सिम्हाचलम से दुव्वाडा लाइन तक तीसरी और चौथी लाइन का निर्माण करके क्षमता बढ़ाई जा सकती है।
- मिश्रित यातायात से बचते हुए माल ढुलाई परिचालनों को पूरा करेगा और इस प्रकार स्वचालित सिगनल के उपयोग में वृद्धि करेगा।
- विशाखापत्तनम क्षेत्र में सतह क्रॉसिंग से बचने के लिए रेल-अंडर-रेल (आरयूआर) क्रॉसिंग भी शामिल है, जिससे दक्षिण भारत के लिए विशाखापत्तनम से ट्रेनों को संभालने की क्षमता बढ़ जाती है।



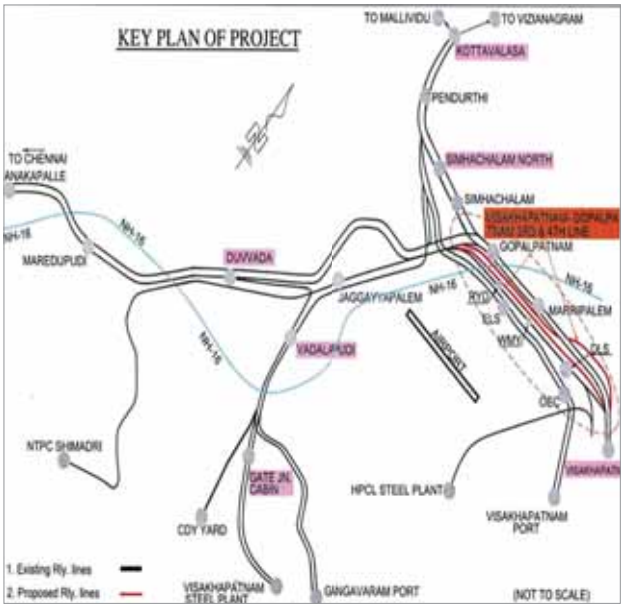
विशाखापत्तनम-गोपालपट्टनम के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन (15.31 कि.मी.)

मुख्य विशेषताएं

- **परियोजना लागत** : ₹159 करोड़
- **राज्य/जिला** : आंध्र प्रदेश (विशाखापत्तनम)
- **लाइन की लंबाई** : 15.31 कि.मी.
- **अनुमोदित तिथि** : अप्रैल, 2023

लाभ

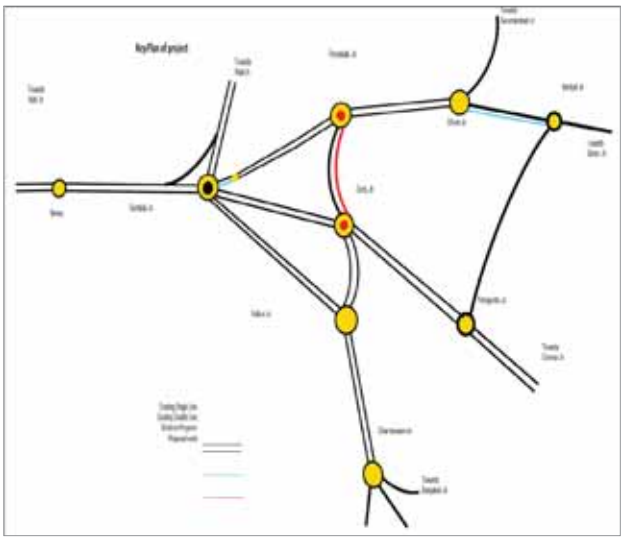
- लाइन क्षमता उपयोग पहले ही संतृप्ति तक पहुँच गया है, जिसके परिणामस्वरूप खंड में ट्रेनों को ज्यादा रुकना पड़ता है। चौथी लाइन होने से, अनुभाग क्षमता में काफी वृद्धि होगी।
- ट्रेनों के निर्बाध आवागमन के लिए मार्ग प्रदान करेगा और इस क्षेत्र में नई ट्रेनों की शुरुआत की सुविधा भी प्रदान करेगा।
- हर दिन कोचिंग ट्रेनों के 12 से अधिक ट्रेन घंटों की रोक को समाप्त कर देगा, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को लाभ होगा।
- हावड़ा और विजयवाड़ा दिशाओं के लिए दोहरी लाइनों के अलग-अलग सेट की सुविधा भी प्रदान करेगा, जिससे यातायात की ये धाराएं की सतह पर एक दूसरे को पार नही करेंगी।



गूटी – पेंडेकल्लू के बीच रेलवे लाइन का दोहरीकरण (29.22 कि.मी.)

मुख्य विशेषताएं

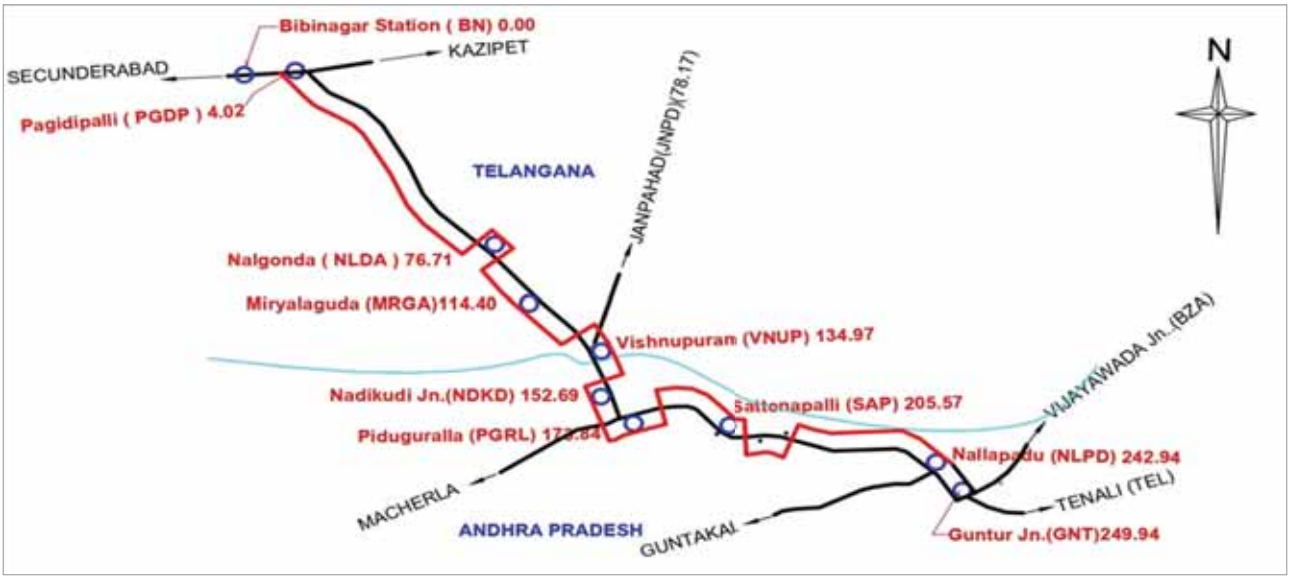
- **परियोजना लागत** : ₹352 करोड़
- **राज्य/जिले** : आंध्र प्रदेश (अनंतपुर, कुरनूल)
- **लाइन की लंबाई** : 29.225 कि.मी.
- **अनुमोदित तिथि** : मार्च, 2023



लाभ

- सीमेंट, उर्वरक, खाद्यान्न आदि का परिवहन करने वाला महत्त्वपूर्ण मालवाहक मार्ग।
- यह इकहरी लाइन एक मिसिंग लिंक है, जिसके चारों ओर दोहरी लाइन खंड हैं और दोहरीकरण से निर्बाध दोहरी लाइन संपर्क प्राप्त होता है।
- चेन्ने और बेंगलुरु से हैदराबाद/सिंदराबाद और विशाखापत्तनम विजयवाड़ा/गुंटूर की ओर आने-जाने वाली ट्रेन को भीड़भाड़ वाले गुंतकल स्टेशन जाये बिना एक वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। आने वाली ट्रेनों के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा।

गुंटूर - बीबीनगर के बीच रेलवे लाइन का दोहरीकरण (239 कि.मी.)



मुख्य विशेषताएं

- **अनुमानित लागत** : ₹2853 करोड़
- **राज्य/जिले** : आंध्र प्रदेश (गुंटूर, पलनाडु), तेलंगाना (नलगोंडा, यादाद्री, भुवनगिरी)
- **लाइन की लंबाई** : 239 कि.मी.
- **अनुमोदित तिथि** : अगस्त, 2023

लाभ

- सिकंदराबाद से गुंटूर/विजयवाड़ा तक यह सबसे छोटा मार्ग है और इस खंड के दोहरीकरण से गतिशीलता में सुधार होता है।
- यह लाइन सिकंदराबाद और विजयवाड़ा के बीच काजीपेट, वारंगल और खम्माम के रास्ते अत्यधिक भीड़-भाड़ और दबाव वाले मार्ग से बचते हुए एक वैकल्पिक मार्ग है।

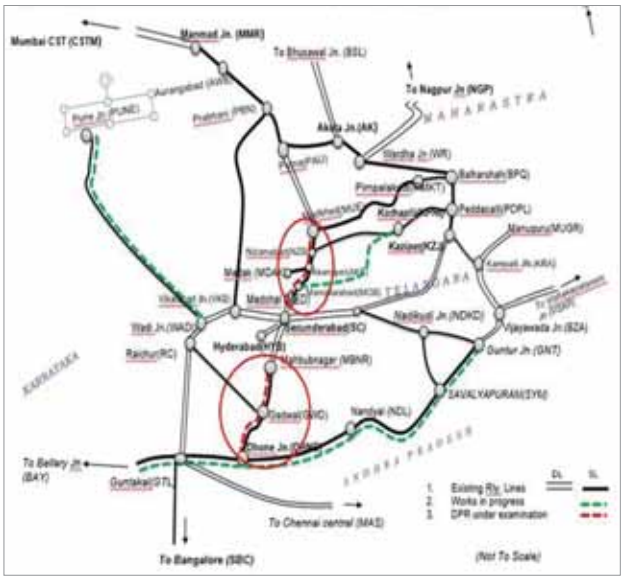
महबूबनगर-धोन के बीच विद्युतीकरण के साथ रेलवे लाइन का दोहरीकरण (197 कि.मी.)

मुख्य विशेषताएं

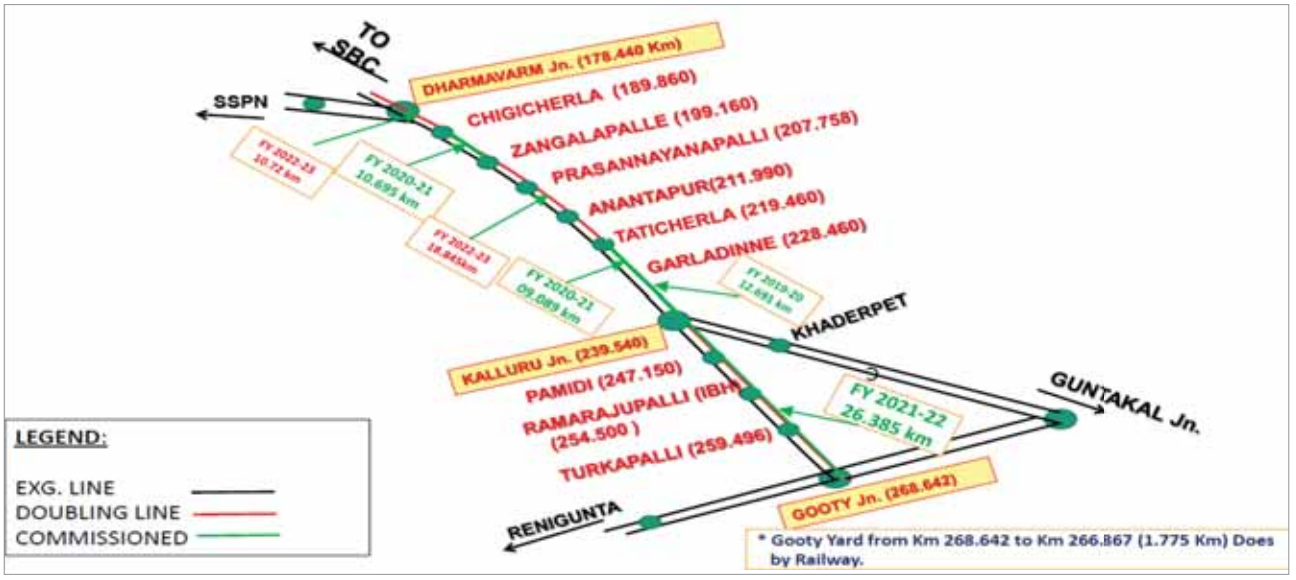
- **परियोजना लागत** : ₹2208 करोड़
- **राज्य/जिले** : आंध्र प्रदेश (कुरनूल, नंदयाल), तेलंगाना (जोगुलंबा गडवाल, वानापर्थी, महबूबनगर)
- **लाइन की लंबाई** : 196.80 कि.मी.
- **अनुमोदित तिथि** : अगस्त, 2023

लाभ

- महबूबनगर–धोन के रास्ते सिकंदराबाद से गुंतकल तक यह सबसे छोटा रूट है और इस खंड के दोहरीकरण से गतिशीलता में सुधार होता है।
- यह लाइन सिकंदराबाद से बेंगलुरु और हैदराबाद से चेन्नई तक का सबसे छोटा रूट है, जो अत्यधिक व्यस्त रूट से बचता है।



गुत्ती-धर्मावरम के बीच रेलवे लाइन का दोहरीकरण (90 कि.मी.)



मुख्य विशेषताएं

- **परियोजना लागत** : ₹998 करोड़
- **राज्य/जिले** : आंध्र प्रदेश (अनंतपुर, श्री सत्य साईं)
- **लाइन की लंबाई** : 90.20 कि.मी.
- **कार्य पूर्ण** : फरवरी 2023

लाभ

- मालगाड़ियों के आवागमन को अधिक कुशल और सुविधाजनक बनाना और समय पर माल के परिवहन को सुनिश्चित करके औद्योगिक विकास में मदद करना।
- रेलवे लाइन के दोहरीकरण के चालू होने के साथ, भीड़ कम हो जाती है, जिससे यात्री और मालगाड़ियों दोनों के लिए खंड की लाइन क्षमता बढ़ जाती है।
- पर्यटन और स्थानीय यात्रा को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्र को समर्पण

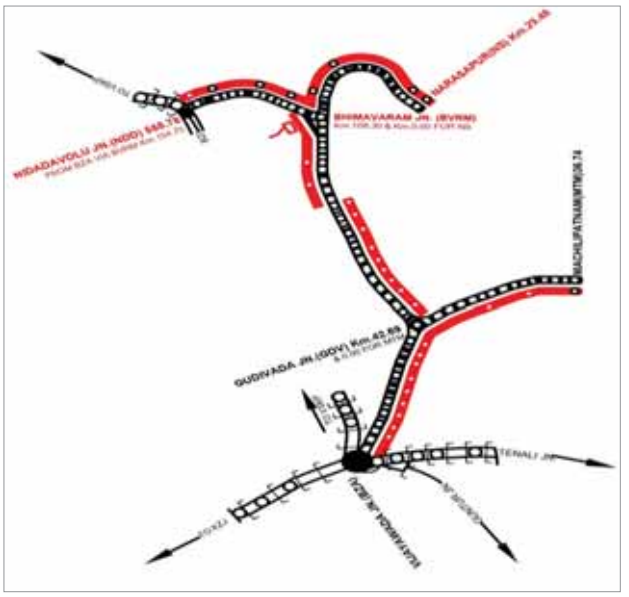
विद्युतीकरण के साथ रेलवे लाइन का दोहरीकरण : विजयवाड़ा - गुडीवाड़ा - भीमावरम - नरसापुर; गुडीवाड़ा – मछलीपट्टनम; भीमावरम - निदादावोलु (कुल 221 कि.मी.)

मुख्य विशेषताएं

- **परियोजना लागत** : ₹4612 करोड़
- **राज्य/जिले** : आंध्र प्रदेश (एनटीआर, पश्चिम गोदावरी, पूर्वी गोदावरी, एलुरु, कृष्णा)
- **लाइन की लंबाई** : 221 कि.मी.
- **कार्य पूर्ण** : अक्टूबर, 2022

लाभ

- इस खंड के दोहरीकरण से मौजूदा इकहरी लाइन खंड में भीड़-भाड़ कम हुई और समग्र प्रचालनिक निष्पादन में सुधार हुआ।
- इसके परिणामस्वरूप यात्रा के समय में कमी आई और यात्रियों के लिए मार्ग को अधिक सुविधाजनक बना दिया, जिससे संभावित रूप से पर्यटन और स्थानीय यात्रा को बढ़ावा मिला।
- क्षेत्र में व्यापार और वाणिज्य बढ़ाने में मदद की।



गिद्दलूर – दिगुवामेट्टा रेल लाइन का दोहरीकरण (12 कि.मी.)



मुख्य विशेषताएं

- **परियोजना लागत** : ₹108 करोड़
- **राज्य/जिले** : आंध्र प्रदेश (प्रकाशम)
- **लाइन की लंबाई** : 12 कि.मी.
- **कमीशनिंग की तिथि** : 20 सितंबर, 2024

लाभ

- भीड़ को कम करेगा और अधिक संख्या में यात्री और मालगाड़ियों को चलाने में सक्षम बनाएगा
- गुंटूर-गुंतकल दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा होने के नाते, यह गुंटूर-गुंतकल और बेंगलुरु के बीच यात्रा के समय को काफी कम कर देता है।■





प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस का प्रधानमंत्री ने किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 9 जनवरी, 2025 को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह भारतीय प्रवासियों के लिए एक विशेष पर्यटक ट्रेन है, जो दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से रवाना होगी और तीन सप्ताह की अवधि के लिए भारत में पर्यटन और धार्मिक महत्त्व के कई स्थलों की यात्रा कराएगी।



प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मंच पर उपस्थित ओडिशा के राज्यपाल, डॉ. हरि बाबू कंभमपति, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, रेल मंत्री, अश्विनी वैष्णव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय राज्य मंत्री जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति

"भारत में विरासत स्थलों से जुड़े अपने स्थानों को कनेक्ट करने के लिए भी हमने अनेक कदम उठाए हैं। जैसे भगवान राम और सीता माता से जुड़े स्थानों के दर्शन के लिए स्पेशल रामायण एक्सप्रेस ट्रेन है। भारत गौरव ट्रेनें भी, देश के महत्त्वपूर्ण विरासत स्थलों को जोड़ती हैं। अपनी सेमी हाईस्पीड, वंदे भारत ट्रेन्स से भी हमने देश के बड़े विरासत केंद्रों को जोड़ा है। एक विशेष प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने का अवसर मुझे मिला है। इसमें करीब 150 लोग, पर्यटन और आस्था से जुड़े सत्रह स्थलों का भ्रमण करेंगे। यहाँ ओडिशा में भी अनेक स्थान हैं, जहाँ आपको जरूर जाना चाहिए। प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो रहा है। ये मौका लाइफ में बार-बार नहीं मिलता। वहाँ भी आप जरूर होकर आएँ।"

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
दिनांक 9 जनवरी, 2025



प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस यात्रा का रूट

अयोध्या - पटना - गया - वाराणसी - महाबलीपुरम - रामेश्वरम - मदुरै - कोच्चि - गोवा - एकता नगर - अजमेर - पुष्कर - आगरा

धार्मिक और पारंपरिक मूल्य

प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस की यात्रा का उद्देश्य भारत के धरोहरों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्धि के दर्शन कराना है।



- तीर्थ यात्रा से जुड़ाव : यात्रा के माध्यम से भारतीय मूल के निवासियों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना है।
- सांस्कृतिक अनुभव : यात्रियों को भारतीय सांस्कृतिक विविधता एवं समृद्ध धरोहरों का अनुभव मिलेगा।
- भारत का गौरवशाली इतिहास : हर पड़ाव पर यात्रियों को भारत के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया जाएगा।

एक अनोखी यात्रा : प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस

'प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस' विशेष रूप से विदेश मंत्रालय की 'प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना' के अंतर्गत आयोजित एक कुशल पहल है। इसका उद्देश्य 45-65 वर्ष के निम्न आय वर्ग के भारतीय मूल के निवासियों को उनकी जड़ों से जोड़ना है। यह यात्रा अयोध्या के भगवान श्री राम से जुड़े धार्मिक महत्त्व, वाराणसी की गंगा आरती और काशी विश्वनाथ मंदिर की आध्यात्मिक शांति तथा रामेश्वरम की पौराणिक गाथाओं और शिव भक्ति का अनुभव कराते हुए यात्रियों को भारत के विभिन्न विरासतों एवं धरोहरों से जोड़ने का कार्य करेगी।

सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव

'प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस' एक अभिनव प्रयास है, जो भारत की समृद्ध परंपराओं, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों को विश्वभर में बसे भारतीय मूल निवासियों तक पहुँचाएगी। यह यात्रा भारत की विविधता, समृद्ध इतिहास और आधुनिकता का संगम है, जो एक यादगार अनुभव के साथ हर प्रवासी भारतीय के दिल में अपने देश के प्रति गर्व और जुड़ाव की भावना को और प्रबल करेगी।

इतिहास और सांस्कृतिक महत्त्व

प्रवासी भारतीय दिवस के लिए 9 जनवरी की तारीख का महत्त्व भारतीय इतिहास में निहित है। दरअसल, वर्ष 1915 में इसी दिन यानि 9 जनवरी को महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटकर स्वतंत्रता संग्राम के एक नए अध्याय की शुरुआत की थी। इस दिन को यादगार बनाते हुए, प्रवासी भारतीय दिवस पर यह एक्सप्रेस ट्रेन न केवल यात्रियों को धार्मिक स्थलों की यात्रा कराएगी, बल्कि उन्हें भारत की विविधता, समृद्ध परंपराओं और धरोहरों का अनुभव भी प्रदान करेगी।

भारत गौरव ट्रेन

प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस की प्रेरणा

भारतीय रेल द्वारा भारत गौरव ट्रेन का भी संचालन किया जाता है, भारत की समृद्ध विरासत और ऐतिहासिक स्थलों को प्रदर्शित करने की दिशा में एक प्रभावशाली पहल है। इस थीम-आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेन का उद्देश्य देश के अनदेखे लेकिन सांस्कृतिक रूप से महत्त्वपूर्ण खजानों को लोगों तक पहुँचाना है। बेहतर क्वालिटी वाले एलएचबी कोचों और रियायत नीति के माध्यम से यह पहल घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी उत्पन्न कर रही है। इसकी 365 ट्रिप्स संचालित की जा चुकी है। जिसने 33 सर्किट कवर करते हुए लगभग 2,15,922 यात्रियों को अपनी उत्तम यात्रा सेवा का अनुभव दिया है।■



केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने गुजरात में महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का किया लोकार्पण



कलोल में नवनिर्मित लिमिटेड हाइट सबवे का लोकार्पण करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दिनांक 15 जनवरी, 2025 को कलोल में नवनिर्मित लिमिटेड हाइट सबवे का तथा दिनांक 23 जनवरी, 2025 को पर साबरमती में रोड अंडर ब्रिज का लोकार्पण किया। सैज गाँव, कलोल में खोडियार-कलोल रेल खंड के लेवल क्रॉसिंग नंबर 233 पर नवनिर्मित लिमिटेड हाइट सबवे परियोजना की लागत ₹7.25 करोड़ है और इसका बैरल 25 मीटर लंबा है। यह सबवे कलोल और सेरथा-सैज गाँव के बीच निर्बाध यातायात सुनिश्चित करेगा। साबरमती-खोडियार रेल खंड के लेवल क्रॉसिंग नंबर 243 पर डी-कैबिन, साबरमती में ₹11.31 करोड़ की लागत से बने 40 मीटर बैरल लंबे रोड अंडर ब्रिज डी-कैबिन को कालीगाम से जोड़ता है।

कलोल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री हर्ष संघवी, विधायक लक्ष्मणजी ठाकोर एवं साबरमती में आयोजित कार्यक्रम में महापौर प्रतिभाबेन जैन, विधायक डॉ. हर्षदभाई पटेल, मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद सुधीर कुमार शर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।■

असम के लिए बेहतर रेल संपर्क सुविधा तीन नई रेलगाड़ियों तथा रोड ओवर ब्रिज का शुभारंभ





गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से तीन नई रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा विदेश एवं कपड़ा मंत्रालय के राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा

दिनांक 3 जनवरी, 2025 को गुवाहाटी से तीन नई रेलगाड़ियों गुवाहाटी-न्यू बोंगाईगांव-गुवाहाटी पैसेंजर, तिनसुकिया-नाहरलागुन-तिनसुकिया त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस और गुवाहाटी-उत्तर लखीमपुर-गुवाहाटी द्वि-साप्ताहिक जन शताब्दी एक्सप्रेस को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि वित्त वर्ष 2009-14 की अवधि की तुलना में चालू वर्ष के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे अवसंरचनात्मक विकास कार्य के लिए बजटीय आवंटन में पांच गुना से अधिक वार्षिक वृद्धि की गई है।

इसके अतिरिक्त, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा तेतेलिया स्टेशन यार्ड पर निर्मित एक नया रोड ओवर ब्रिज भी समारोह के दौरान आम जनता के इस्तेमाल के लिए समर्पित किया गया। ₹72 करोड़ की लागत से इस आरओबी का निर्माण किया गया है, जो तेतेलिया स्टेशन यार्ड में लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या एसटी-22 के स्थान पर बनाया गया है।■

केंद्रीय बजट 2025-26

पूंजीगत व्यय हेतु भारतीय रेल को ₹2,52,000 करोड़ का आवंटन

"अद्भुत है केंद्रीय बजट; संरक्षा पर जोर देते हुए रेलवे को लगातार बड़ी राशि आवंटित करने के लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को धन्यवाद"

- रेल मंत्री



बजट के पश्चात् रेल से सम्बन्धित हुई घोषणाओं की विस्तृत जानकारी मीडिया प्रतिनिधियों से साझा करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय बजट में बड़े आवंटन की बदौलत भारतीय रेल देश भर में सभी के लिए तेज, सुरक्षित और आरामदायक रेल यात्रा का विस्तार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश को अगले दो से तीन वर्षों में 200 नई वंदे भारत ट्रेनें, 100 अमृत भारत ट्रेनें, 50 नमो भारत रैपिड रेल और 17,500 सामान्य नॉन एसी कोच मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय बजट को 'अद्भुत' बताते हुए केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लगातार दूसरी बार रेल मंत्रालय को सकल बजटीय सहायता के रूप में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹2,52,000 करोड़ की बड़ी धनराशि आवंटित करने के लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि नई ट्रेनें और आधुनिक कोच निम्न और मध्यम वर्ग के लोगों की सेवा करने में बहुत मददगार साबित होंगे।

अगले 3 वर्षों में बनेगी

200
नई वंदे भारत ट्रेनें





100
नई अमृत भारत ट्रेनें

50
नई नमो भारत रैपिड रेल





17,500
नये सामान्य नॉन एसी कोच

वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय बजट विकसित भारत के लिए रोडमैप है। इस वर्ष के बजट में रेलवे की बुनियादी ढाँचा विकास परियोजनाओं के लिए चार लाख साठ हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। संरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए बजट में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से भारतीय रेल की संरक्षा बढ़ाने के लिए इस वर्ष व्यय के लिए एक लाख सोलह हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश किए जाने के बाद रेल भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस बजट में न केवल निवेश के माध्यम से रोजगार सृजन का प्रयास किया गया है, बल्कि आयकर के बोझ को कम करके मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी गई है।

इससे पहले, सरकार ने भारतीय रेल को पिछले वित्त वर्ष की तरह ही ₹2,52,000 करोड़ आवंटित करने के अलावा, इसके खर्चों को पूरा करने और इसे आधुनिक बनाने के लिए अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से ₹10,000 करोड़ का प्रावधान किया है, जिससे पूंजीगत व्यय, कैपेक्स बढ़कर ₹2,62,000 करोड़ हो गया है। इसका मतलब है कि परिसंपत्तियों, अधिग्रहण, निर्माण और प्रतिस्थापन (रिप्लेसमेंट) पर होने वाले खर्च को न केवल सकल बजटीय सहायता (रेलवे संरक्षा कोष और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष

परिवर्तनकारी

पूंजीगत व्यय 2025-26

रोलिंग स्टॉक

2009-14 ₹16,029 करोड़
औसत वर्ष

2025-26 ₹57,693 करोड़

आमान परिवर्तन

₹3,088 करोड़ 2009-14
औसत वर्ष

₹4,550 करोड़ 2025-26

आरओबी/आरयूबी

2009-14 ₹916 करोड़
औसत वर्ष

2025-26 ₹7,000 करोड़

नई लाइनें

₹5,075 करोड़ 2009-14
औसत वर्ष

₹32,235.25 करोड़ 2025-26

दोहरीकरण

2009-14 ₹2,461 करोड़
औसत वर्ष

2025-26 ₹32,000 करोड़



सहित) से, बल्कि भारतीय रेल के सामान्य राजस्व से भी पूरा किया जाएगा। बजट में निर्भया फंड से ₹200 करोड़ का प्रावधान भी किया गया है। रेलवे अपने आंतरिक संसाधनों से अतिरिक्त ₹3,000 करोड़ जुटाएगा।

बजट अनुमान वित्त वर्ष 2025-26 में रणनीतिक लाइनों के संचालन पर घाटे की प्रतिपूर्ति हेतु ₹2739.18 करोड़ रख गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान में यह ₹2602.81 करोड़ था। राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए बाजार उधारी के ऋण सेवा के लिए इस वित्त वर्ष में ₹706 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई है। इसके साथ ही, इस वर्ष के बजट अनुमान में भारतीय रेल का शुद्ध राजस्व व्यय ₹3,02,100 करोड़ रखा गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान में यह ₹2,79,000 करोड़ था। इस वित्त वर्ष का सकल बजटीय समर्थन वित्त वर्ष 2013-14 के ₹28,174 करोड़ से लगभग 9 गुना अधिक है।

रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल इस वित्त वर्ष के अंत तक 1.6 बिलियन टन कार्गो के आंकड़े को छूकर दूसरी सबसे बड़ी माल ढुलाई वाला रेलवे बनने के लिए तैयार है। हाई स्पीड ट्रेनों के संबंध में उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य 2047 तक 250 कि.मी. प्रति घंटे की गति का समर्थन करने वाला 7,000 कि. मी. हाई स्पीड रेल नेटवर्क बनाना है। स्थिरता के बारे में बात करते हुए, रेल मंत्री ने उल्लेख किया कि भारतीय रेल वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के काम को पूरा कर लेगी। इसके अलावा, बजट में गैर जीवाश्म ऊर्जा के स्रोत के रूप में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों की घोषणा की गई है, इस संबंध में भारतीय रेल हमारे विद्युतीकरण प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय बजट

वित्त वर्ष 2025-26

भारतीय रेल को मिला उल्लेखनीय बजट














हरियाणा
3416
करोड़
315
करोड़
11x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 984% अधिक
*लगभग


हिमाचल प्रदेश
2716
करोड़
108
करोड़
25x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 2415% अधिक
*लगभग


झारखंड
7306
करोड़
457
करोड़
16x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 1498% अधिक
*लगभग


कर्नाटक
7564
करोड़
835
करोड़
9x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 806% अधिक
*लगभग


केरल
3042
करोड़
372
करोड़
8x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 718% अधिक
*लगभग


मध्य प्रदेश
14,745
करोड़
632
करोड़
23x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 2233% अधिक
*लगभग


महाराष्ट्र
23,778
करोड़
1171
करोड़
20x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 1931% अधिक
*लगभग


ओडिशा
10,599
करोड़
838
करोड़
13x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 1165% अधिक
*लगभग


पंजाब
5421
करोड़
225
करोड़
24x*
औसत परिव्यय
2009-14
कुल परिव्यय
2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 1909% अधिक
*लगभग


राजस्थान
9960
करोड़
682
करोड़
15x*
औसत परिव्यय
2009-14
कुल परिव्यय
2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 1360% अधिक
*लगभग


तमिलनाडु
6626
करोड़
879
करोड़
8x*
औसत परिव्यय
2009-14
कुल परिव्यय
2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 654% अधिक
*लगभग


तेलंगाना
5337
करोड़
886
करोड़
6x*
औसत परिव्यय
2009-14
कुल परिव्यय
2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 502% अधिक
*लगभग


उत्तर प्रदेश
19,858
करोड़
1109
करोड़
18x*
औसत परिव्यय
2009-14
कुल परिव्यय
2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 1691% अधिक
*लगभग


उत्तराखंड
4641
करोड़
187
करोड़
25x*
औसत परिव्यय
2009-14
कुल परिव्यय
2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 2382% अधिक
*लगभग


पश्चिम बंगाल
13,955
करोड़
4380
करोड़
3x*
औसत परिव्यय
2009-14
कुल परिव्यय
2025-26
2009-14 में आवंटित बजट की तुलना में 219% अधिक
*लगभग

भारतीय रेल का संशोधित अनुमान 2024-25 तथा बजट अनुमान 2025-26

संशोधित अनुमान 2024-25

यातायात थ्रूपुट :

- माल लदान का अनुमान 1635 मीट्रिक टन लगाया गया है, जबकि 2023-24 में 1588.06 मीट्रिक टन माल लदान किया गया था।
- फ्रेट नेट टन कि.मी. (NTKMs) बजट अनुमान 2024-25 के 930 बिलियन के मुकाबले संशोधित अनुमान 2024-25 बढ़कर 938 बिलियन हो गया।
- संशोधित अनुमान में प्रारंभिक यात्री लक्ष्य 2023-24 में प्राप्त किए गए 6805.45 मिलियन की तुलना में 7269.78 मिलियन रखा गया है
- संशोधित अनुमान 2024-25 में मूल यात्रियों की संख्या 2023-24 की तुलना में 6.8% अधिक है।
- संशोधित अनुमान 2024-25 में यात्री कि.मी. 2023-24 में 1065 बिलियन के मुकाबले 1204 बिलियन होने का अनुमान है।

	2023-24	बजट अनुमान 2024-25	संशोधित अनुमान 2024-25
लदान (मीट्रिक टन में)	1588.06	1650	1635
एनटीकेएम (बिलियन में)	974	930	938
मूल यात्री (मिलियन में)	6805.45	7466.3	7269.78
पीकेएम (बिलियन में)	1065	1239	1204

राजस्व प्राप्तियां :

- यात्री राजस्व का लक्ष्य 13.2% की वृद्धि के साथ ₹80,000 करोड़ रखा गया है।
- माल राजस्व लक्ष्य को ₹1,80,000 करोड़ पर बनाए रखा गया है जो 2023-24 की तुलना में 7% अधिक है।
- अन्य कोचिंग लक्ष्य को ₹7,500 करोड़ बनाए रखा गया है, जबकि विविध राजस्व लक्ष्य को बजट अनुमान 2024-25 में रखे गए ₹10,500 करोड़ से बढ़ाकर ₹11,000 करोड़ कर दिया गया है।
- सकल यातायात प्राप्तियां बजट अनुमान 2024-25 से ₹500 करोड़ बढ़कर ₹2,78,600 करोड़ हो गई है, जो वर्ष 2023-24 के ₹23,327.36 करोड़ की तुलना में अधिक हैं।
- विविध प्राप्तियां ₹400 करोड़ रुपये बनाए रखी गई हैं।
- **संशोधित अनुमान 2024-25 में भारतीय रिजर्व की कुल प्राप्तियां ₹2,79,000 करोड़ (वर्ष 2023-24 की तुलना में 8.9% की वृद्धि) है।**

मद वार आय :

(₹करोड़ में)

	वास्तविक 2023-24	बजट अनुमान 2024-25	संशोधित अनुमान 2024-25
मुसाफिर	70,693.33	80,000.00	80,000.00
अन्य कोचिंग	6,727.25	7,500.00	7,500.00
माल	168,293.29	180,000.00	180,000.00
विविध अन्य राजस्व	9,652.44	10,500.00	11,000.00
सकल यातायात प्राप्तियां	255,272.64	278,100.00	278,600.00
विविध प्राप्तियां	820.78	400.00	400.00
कुल प्राप्तियां	256,093.42	278,500.00	279,000.00

राजस्व व्यय :

- संशोधित अनुमान में साधारण परिचालन व्यय (ओडब्ल्यूई) प्रावधान को बजट अनुमान की तुलना में ₹3,000 करोड़ बढ़ाकर ₹2,08,000 करोड़ कर दिया गया है। यह संरक्षा संबंधी रखरखाव मदों के तहत व्यय में 2023-24 की तुलना में 8.8% की वृद्धि को दर्शाता है।
- राजस्व से डीआरएफ का विनियोग ₹800 करोड़ रखा गया है।
- पेंशन व्यय को पूरा करने के लिए पेंशन निधि में विनियोग ₹66,358.69 करोड़ है।
- संशोधित अनुमान 2024-25 में, कोविड से सम्बन्धित संसाधनों के अंतर के लिए वित्त मंत्रालय द्वारा 2020-21 में दिए गए ऋण के ब्याज के भुगतान के लिए ₹1358.69 करोड़ का प्रावधान भी किया गया है।
- विविध व्यय ₹2,500 करोड़ होने का अनुमान है।
- **भारतीय रेल का कुल राजस्व व्यय ₹2,77,658.69 करोड़ अनुमानित है जबकि बजट अनुमान प्रावधान ₹2,75,700 करोड़ था।**

शुद्ध राजस्व और परिचालन अनुपात :

- संशोधित अनुमान 2024-25 में शुद्ध राजस्व ₹1341.31 करोड़ है।
- संशोधित अनुमान 2024-25 में परिचालन अनुपात 98.90% है।
- कोविड ऋण से सम्बन्धित ब्याज के भुगतान के बिना परिचालन अनुपात 98.41% होता और निवल राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान में ₹2,700 करोड़ होता।

संशोधित अनुमान 2025-26

बजट अुनमान 2025-26 की मुख्य विशेषताएं

यातायात थ्रूपुट :

- बजट अनुमान 2025-26 में माल लदान का लक्ष्य 1700 मीट्रिक टन है, जो संशोधित अनुमान 2024-25 की तुलना में 65 मीट्रिक टन की वृद्धिशील लोडिंग अर्थात 4% अधिक है।
- बजट अनुमान 2025-26 में अनुमानित एनटीकेएम 967 बिलियन है, जबकि संशोधित अनुमान 2024-25 में यह 938 बिलियन है।
- आरई 2024-25 में 7270 मिलियन की तुलना में मूल यात्रियों की संख्या 7,574 मिलियन रखी गई है।
- पीकेएम 2024-25 के संशोधित अनुमान 1,204 बिलियन से बढ़कर 1,311 बिलियन होने का अनुमान है।

	2023-24	बजट अनुमान 2024-25	संशोधित अनुमान 2024-25	बजट अनुमान 2025-26
लदान (मीट्रिक टन में)	1588.06	1650	1635	1700
एनटीकेएम (बिलियन में)	974	930	938	967
मूल यात्री (मिलियन में)	6805.45	7466.3	7269.78	7573.56
पीकेएम (बिलियन में)	1065	1239	1204	1311

राजस्व प्राप्तियां :

- यात्री राजस्व ₹92,800 करोड़ अनुमानित है, जो संशोधित अनुमान 24-25 की तुलना में ₹12,800 करोड़ अधिक है।
- 2025-26 में माल राजस्व 4.4% बढ़कर ₹1,88,000 करोड़ होने का अनुमान है।
- अन्य कोचिंग और विविध अन्य राजस्व क्रमशः ₹8,500 करोड़ और ₹12,000 करोड़ रखे गए है।
- सकल यातायात प्राप्तियां ₹3,01,400 करोड़ रखी गई हैं।
- विविध प्राप्तियां ₹700 करोड़ रखी गई हैं।
- **इस प्रकार संशोधित अनुमान 2024-25 की तुलना में 8.3% की वृद्धि पर भारतीय रेल की कुल प्राप्तियां ₹3,02,100 करोड़ रखी गई हैं।**

मद वार आय नीचे दी गई है :

(₹करोड़ में)

	वास्तविक 2023-24	संशोधित अनुमान 2024-25	बजट अनुमान 2025-26
मुसाफिर	70,693.33	80,000.00	92,800.00
अन्य कोचिंग	6,727.25	7,500.00	8,500.00
माल	168,293.29	180,000.00	188,000.00
विविध अन्य राजस्व	9,652.44	11,000.00	12,000.00
सकल यातायात प्राप्तियां	255,272.64	278,600.00	301,400.00
विविध प्राप्तियां	820.78	400.00	700.00
कुल प्राप्तियां	256,093.42	279,000.00	302,100.00

राजस्व व्यय :

- बजट अनुमान 2025-26 में साधारण संचालन व्यय (ओडब्ल्यूई) ₹2,26,256 करोड़ रखा गया है जिसमें एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए प्रावधान शामिल है।
- राजस्व से डीआरएफ का विनियोग संशोधित अनुमान 2024-25 के ₹800 करोड़ से बढ़ाकर बजट अनुमान 2025-26 में ₹1,500 करोड़ कर दिया गया है।
- आगामी वित्त वर्ष में पेंशन निधि में ₹68602.69 करोड़ के विनियोजन का प्रावधान।
- विविध व्यय ₹2,700 करोड़ रखा गया है।
- **इस प्रकार भारतीय रेल के कुल राजस्व व्यय का अनुमान ₹2,99,059 करोड़ लगाया गया है।**

शुद्ध राजस्व और परिचालन अनुपात :

- बजट अनुमान 2025-26 में शुद्ध राजस्व ₹3041.31 करोड़ है।
- बजट अनुमान 2025-26 में परिचालन अनुपात 98.43% है।
- कोविड ऋण से सम्बन्धित ब्याज के भुगतान के बिना परिचालन अनुपात 97.98% होता और बजट अनुमान 2025-26 में शुद्ध राजस्व ₹4400 करोड़ होता।

पूंजीगत व्यय

संशोधित अनुमान 2024-25 और बजट अनुमान 2025-26 में पूंजीगत व्यय प्रावधान निम्नानुसार है :

(₹करोड़ में)

मूल	संशोधित अनुमान 2024-25	बजट अनुमान 2025-26
जीबीएस	2,52,200	2,52,200
आंतरिक संसाधन	3,000	3,000
ईबीआर (पीपीपी)	10,000	10,000
कुल	2,65,200	2,65,200

जीबीएस का खंड-वार वितरण निम्नानुसार है :

(₹करोड़ में)

मूल	संशोधित अनुमान 2024-25	बजट अनुमान 2025-26
क्षमता वृद्धि	113544	109939
संरक्षा संबंधी कार्य	38972	39456
ग्राहक सुविधाएँ	12884	12004
रोलिंग स्टॉक और इन्वेंटरी	56859	56943
अन्य योजना शीर्ष	29941	33858

- पूंजीगत व्यय के लिए मुख्य फोकस क्षेत्रों में संरक्षा, क्षमता संवर्धन, ग्राहक सुविधाएँ और चल स्टॉक उन्नयन शामिल हैं।
- **संरक्षा :** संरक्षा भारतीय रेल के लिए प्राथमिकता है। संरक्षा पर व्यय विभिन्न स्रोतों अर्थात जीबीएस, आंतरिक संसाधनों और राजस्व व्यय से किया जाता है। संरक्षा संबंधी गतिविधियों पर व्यय संशोधित अनुमान 24-25 में ₹1,14,062 करोड़ और बजट अनुमान 25-26 में ₹1,16,514 करोड़ है।
- भारतीय रेल सालाना लगभग 4,000 कि.मी. जोड़कर नेटवर्क विस्तार में महत्त्वपूर्ण प्रगति कर रही है। भारतीय रेल ने पिछले 10 वर्षों के दौरान 31,180 कि.मी. नए ट्रैक बिछाए हैं।
- **विद्युतीकरण :** भारतीय रेल 2025 में 100% विद्युतीकरण हासिल करने के लिए तैयार है, जो भारतीय रेल पर विद्युतीकरण की शुरुआत से शताब्दी वर्ष के अवसर पर होगा।
- **स्टेशन पुनर्विकास :** अगले 4 वर्षों के दौरान 1,300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। ये स्टेशन दोनों किनारों से शहर को एकीकृत करेंगे, इनमें पर्याप्त पार्किंग सुविधाएँ, मल्टी-मॉडल एकीकरण, बेहतर सतहों के साथ उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म और प्लेटफॉर्म कवर होंगे। इन स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्केलेटर के साथ-साथ दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त सुविधाएँ होंगी।
- **कवच :** भारतीय रेल ने 2020 में स्वदेशी रूप से विकसित कवच को राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया है। कवच संस्करण 4.0 के लिए विनिर्दिष्ट स्वदेशी विकास के बाद जुलाई 2024 में मंजूरी दी गई थी। 10,000 इंजनों पर कवच लगाने का काम शुरू हो चुका है। नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-कोलकाता के 3,000 कि.मी. मार्ग पर कवच संस्करण 4.0 के लिए ट्रैक साइड उपकरण लगाने का काम दिसंबर, 2025 तक पूरा हो जाएगा और शेष खंड पर काम चल रहा है।

रोलिंग स्टॉक :

- **गैर-एसी कोचों की क्षमता में वृद्धि :** निम्न आय वर्ग के लोगों की यात्रा की क्षमता बढ़ाने के लिए, रेलवे ने 17,500 गैर एसी सामान्य और स्लीपर कोच बनाने की योजना बनाई है। भारतीय रेल द्वारा सस्ती यात्रा के लिए उन्नत सुविधाओं के साथ गैर-एसी अमृत भारत ट्रेनें शुरू की गई हैं। ऐसी 100 रेलगाड़ियों का विनिर्माण किया जा रहा है।
- **एलएचबी कोच :** पारंपरिक आईसीएफ कोचों को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित एलएचबी कोचों द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है। यात्रियों की संरक्षा बढ़ाने के लिए अगले 5 वर्षों में सभी शेष आईसीएफ कोचों को एलएचबी कोचों से बदलने की योजना है।
- **वंदे स्लीपर ट्रेनें :** वंदे स्लीपर संस्करण का पहला रेक परीक्षण के अधीन है। इसके अलावा, 2025-26 और 2026-27 में 24-कार कॉन्फिगरेशन में 50 स्लीपर संस्करण रेक बनाने की योजना है। भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में प्रौद्योगिकी भागीदारों को शामिल करके 200 रेकों के विनिर्माण की योजना बनाई गई है।
- **नमो भारत रैपिड रेल :** रोजाना कम दूरी की आवाजाही के इंटरसिटी के साथ-साथ उपनगरीय यात्रियों के लिए वंदे भारत की विशेषताओं का उपयोग करने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है।
- **उन्नत खानपान के लिए बेस किचन :** भोजन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए लगभग 900 बेस किचन स्थापित किए जा रहे हैं। अब तक 600 से अधिक बेस किचन चालू किए जा चुके हैं।

कुंभ मेला :

- भारतीय रेल लाखों तीर्थयात्रियों की निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे 10,100 नियमित सेवाओं के अलावा 3,100 छोटी और लंबी दूरी की विशेष ट्रेनें चला रहा हैं।
- महाकुंभ-2025 की तैयारियों के लिए भारतीय रेल ने बुनियादी ढाँचे के उन्नयन के लिए ₹4000 करोड़ से अधिक व्यय किए है।

संशोधित अनुमान 2024-25 और बजट अनुमान 2025-26 के लिए भौतिक क्षमता वृद्धि लक्ष्य

मूल	संशोधित अनुमान 2024-25	बजट अनुमान 2025-26
नई लाइनों का निर्माण (रूट कि.मी.)	700	700
आमान परिवर्तन (मार्ग कि.मी.)	200	200
लाइनों का दोहरीकरण (रूट कि.मी.)	2900	2600
रोलिंग स्टॉक		
a. (i) डीजल रेल इंजन	100	100
a. (ii) विद्युत रेल इंजन	1600	1600
b. डिब्बे	7910	9423
c. वैगन (वाहन इकाइयां)	30000	38000
ट्रैक नवीनीकरण (ट्रैक कि.मी.)	5000	5500

रेल बजट : संशोधित अनुमान 2024-25 एवं बजट अनुमान 2025-26

बजट एक नजर में

(₹करोड़ में)

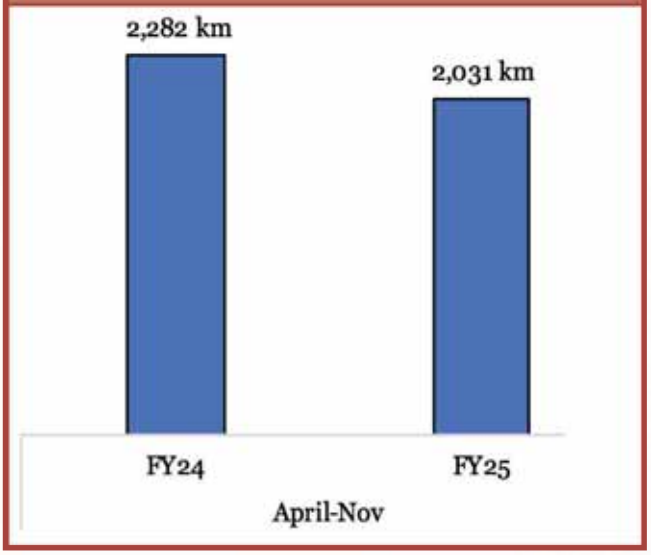
क्र.सं.	वास्तविक 2022-23	वास्तविक 2023-24		बजट अनुमान 2024.25	संशोधित अनुमान 2024.25	बजट अनुमान 2025.26
	63,416.85	70,693.33	(a) यात्री	80,000.00	80,000.00	92,800.00
	5958.32	6727.25	(b) अन्य कोचिंग	7500.00	7500.00	8500.00
	162,262.90	168,293.29	(c) माल लदान	180,000.00	180,000.00	188,000.00
	8498.60	9652.44	(d) अन्य सन्ड्री राजस्व	10,500.00	11,000.00	12,000.00
	240,136.67	**255,366.31**	**कुल यातायात राजस्व**	**278,000.00**	**278,500.00**	**301,300.00**
	-154.11	-93.67	यातायात बकाया से निकासी	100.00	100.00	100.00
1	**239,982.56**	**255,272.64**	**कुल यातायात प्राप्तियाँ**	**278,100.00**	**278,600.00**	**301,400.00**
2	194.40	820.78	विविध प्राप्तियाँ	400.00	400.00	700.00
3	**240,176.96**	**256,093.42**	**कुल प्राप्तियाँ [1 + 2]**	**278,500.00**	**279,000.00**	**302,100.00**
4	180,255.78	191,093.62	साधारण संचालन कार्य व्यय	205,000.00	208,000.00	226,256.00
5	54,700.00	59,000.00	पेंशन फंड में विनियोग	67,000.00	66,358.69	68,602.69
6	700.00	800.00	डीआरएफ में विनियोग	1000.00	800.00	1500.00
7	**235,655.78**	**250,893.62**	**कुल संचालन व्यय [4+5+6]**	**273,000.00**	**275,158.69**	**296,358.69**
8	2003.80	1940.12	विविध व्यय	2700.00	2500.00	2700.00
9	**237,659.58**	**252,833.74**	**कुल व्यय [7 + 8]**	**275,700.00**	**277,658.69**	**299,058.69**
10	**2517.38**	**3259.68**	**विनियोजन [3 - 9]**	**2800.00**	**1341.31**	**3041.31**
11	शुद्ध राजस्व का विनियोजन					
	1,000.00	1,500.00	विकास निधि का विनियोजन	1,000.00	421.31	1041.31
	1517.38	1,759.68	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष का विनियोजन	1,800.00	920.00	2000.00
12	**98.10%**	**98.43%**	**परिचालन अनुपात**	**98.22%**	**98.90%**	**98.43%**

आर्थिक समीक्षा - 2024-25

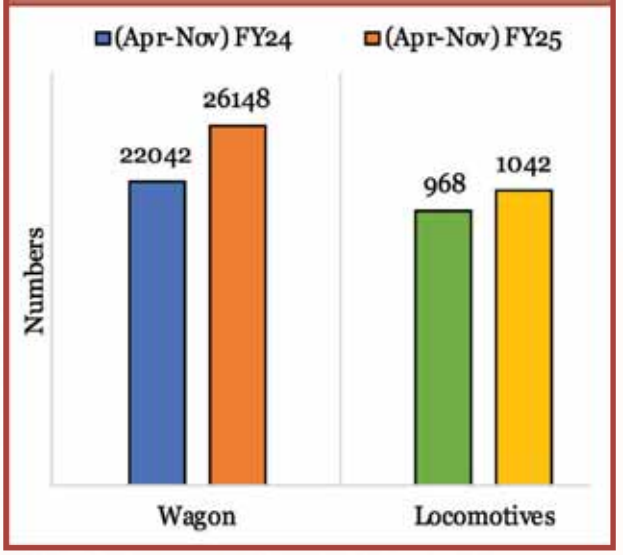
भारतीय रेल

वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान अब तक, रेलवे लाइन नेटवर्क के विस्तार में प्रगति पिछले वर्ष के बराबर स्तर पर ही रही, जबकि रोलिंग स्टॉक में भी काफी वृद्धि हुई। अप्रैल और अक्टूबर 2024 के बीच, वंदे भारत ट्रेनों की 17 नई जोड़ी नेटवर्क में शामिल की गईं और 228 कोचों का निर्माण किया गया। प्रमुख रेलवे परियोजनाओं में प्रगति का विवरण निम्नलिखित है।

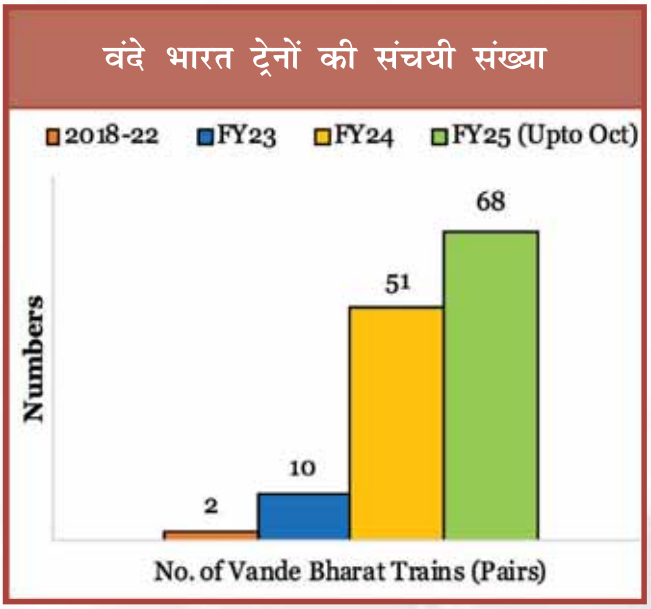
रेलवे नेटवर्क की शुरुआत



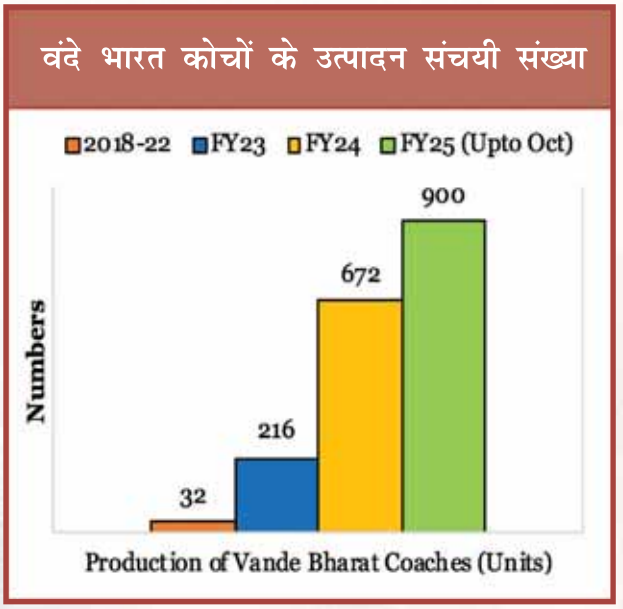
वैगनों और इंजनों के उत्पादन में वृद्धि



वंदे भारत ट्रेनों की संचयी संख्या



वंदे भारत कोचों के उत्पादन संचयी संख्या



स्रोत : रेल मंत्रालय

भारतीय रेल में नव गतिविधियाँ

रेल प्रणाली में हालिया पहल

- **गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) :** दिनांक 31 अक्टूबर, 2024 तक 91 जीसीटी चालू कर दिए गए है और 234 स्थानों को मंजूरी दे दी गई है।
- **निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन :** भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2029-30 तक 30 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य रखा है, जिसमें अक्टूबर 2024 तक 375 मेगावाट सौर और 103 मेगावाट पवन ऊर्जा चालू हो जाएगी।
- **प्रमुख आर्थिक कॉरीडोर :** तीन रेलवे कॉरीडोर के अंतर्गत ₹11.17 लाख करोड़ मूल्य की 434 परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिन्हें पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर मैप किया गया है।
- **सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) :** पीपीपी मॉडल के तहत 17 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं (₹16,434 करोड़) और 8 परियोजनाएं चल रही हैं (₹16,614 करोड़)।

प्रमुख परियोजनाएँ

- **मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना :** दिसंबर 2015 में स्वीकृत, जापान द्वारा समर्थित 508 कि.मी. की इस परियोजना की संशोधित लागत ₹1.08 लाख करोड़ है। अक्टूबर 2024 तक, इसने ₹67,486 करोड़ के व्यय के साथ 47.17 प्रतिशत भौतिक प्रगति हासिल कर ली है।
- **समर्पित मालवाहक कॉरीडोर (डीएफसी) :** नवंबर 2024 तक, योजनाबद्ध 2,843 कि.मी. डीएफसी नेटवर्क में से 2,741 कि.मी. (96.4 प्रतिशत) चालू हो चुके हैं। डीएफसी ने यात्री ट्रेन के हस्तक्षेप के बिना माल ढुलाई की मात्रा में वृद्धि की सुविधा देकर भारत में लॉजिस्टिक्स को बदल दिया है।

रेलवे स्टेशन के अवसंरचना और इंजनों तथा कोच स्टॉक के आधुनिकीकरण पर ध्यान देने से रेलवे क्षेत्र में यात्री सुविधाओं में सुधार हुआ है।

भारतीय रेल में यात्री सुविधाएँ बढ़ाने के लिए कदम

भारतीय रेल यात्रियों के अनुभव और स्टेशन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई पहलें कर रही हैं। प्रमुख परियोजनाओं में मुख्य रूप से स्टेशन पुनर्विकास, किफायती स्वास्थ्य सेवा, खानपान सेवाओं में सुधार और स्थानीय कारीगरों को समर्थन देना शामिल है।

- **अमृत भारत स्टेशन योजना :** रेलवे स्टेशन सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल के तहत पुनर्विकास के लिए 1,337 स्टेशनों की पहचान की गई है; उनमें से 1,197 में काम शुरू हो गया है।
- **प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (पीएमबीजेके) :** रेलवे स्टेशनों से गुजरने वाले यात्रियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ाने के उद्देश्य से, रेलवे स्टेशन परिसर में 50 पीएमबीजेके शुरू किए गए। इसके अलावा दिनांक 13 नवंबर, 2024 को 18 नए पीएमबीजेके का उद्घाटन किया गया, जो रेलवे स्टेशनों पर सस्ती दवाएं और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे।
- **खाद्य एवं खानपान सेवाएं :** गतिशील खानपान के प्रबंधन के लिए एक नई नीति दिनांक 14 नवंबर, 2023 को शुरू की गई। इसके परिणामस्वरूप दिनांक 23 नवंबर, 2024 तक 468 जोड़ी ट्रेनों को सेवा प्रदान करने वाले 557 बेस किचन स्थापित हो चुके हैं।
- **एक स्टेशन एक उत्पाद योजना :** यह योजना 1,900 स्टेशनों पर प्रचालित है, जिसमें 2,163 आउटलेट हैं जो 79,380 स्थानीय शिल्पकारों को उनके उत्पादों की बिक्री के अवसर प्रदान करके लाभान्वित करते हैं।
- **यात्री सुविधाएँ :** 1,351 स्टेशनों पर ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, 866 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस सिस्टम तथा 6,112 स्टेशनों पर वाई-फाई की उपलब्धता प्रदान की गई है, जिससे यात्रियों को बेहतर अनुभव प्राप्त हुआ है।

रेलवे में सिग्नलिंग प्रणाली में सुधार के लिए प्रमुख पहलें नीचे दी गई हैं।

भारतीय रेल में सिग्नलिंग प्रणाली में सुधार के लिए प्रमुख पहल

भारतीय रेल अपने विशाल नेटवर्क में प्रचालनात्मक दक्षता और संरक्षा बढ़ाने के लिए अपनी सिग्नलिंग और संरक्षा प्रणालियों का आधुनिकीकरण कर रही है। प्रमुख अपडेट नीचे दिए गए हैं

- **मैकेनिकल सिग्नलिंग का उन्मूलन :** भारतीय रेल मैकेनिकल सिग्नलिंग को इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम से बदल रही है। वित्त वर्ष 2025 में, 62 लंबित स्टेशनों में से 25 को इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में अपग्रेड किया गया है, जबकि 9 क्षेत्रीय रेलवे अब मैकेनिकल सिग्नलिंग से मुक्त हैं।
- **कवच :** इस स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन संरक्षा प्रणाली में ₹1,547 करोड़ का निवेश किया गया है (नवंबर 2024 तक)। दिनांक 16 जुलाई, 2024 को विनिर्देशन संस्करण 4.0 को मंजूरी दी गई थी।
- **इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग :** वित्त वर्ष 2025 में 227 स्टेशनों पर ईआई सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे कवरेज बढ़कर कुल 3,576 स्टेशनों तक पहुँच गया है। पहला डायरेक्ट ड्राइव इंटरलॉकिंग सिस्टम नवंबर 2024 में ताजपुर स्टेशन पर चालू किया गया था।
- **स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) :** उच्च घनत्व वाले मार्गों पर क्षमता बढ़ाने के लिए एबीएस स्थापित किया जा रहा है। इस वित्तीय वर्ष में 720 मार्ग कि.मी. पूरे हो चुके हैं, जिससे कवरेज बढ़कर कुल 4,906 कि.मी. हो गयी है।

- **इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के लिए सिग्नल डिज़ाइन ऑटोमेशन टूल :** यह टूल स्टेशन यार्ड के लिए रूट कंट्रोल चार्ट जनरेशन को स्वचालित करता है। दिनांक 19 सितंबर, 2024 को संस्करण 5.0 जारी किया गया था।

लॉजिस्टक्स और फिजिकल कनेक्टिविटी-आधारित सेवाओं में प्रगति

भारतीय रेल : विकास को पटरी पर लाना

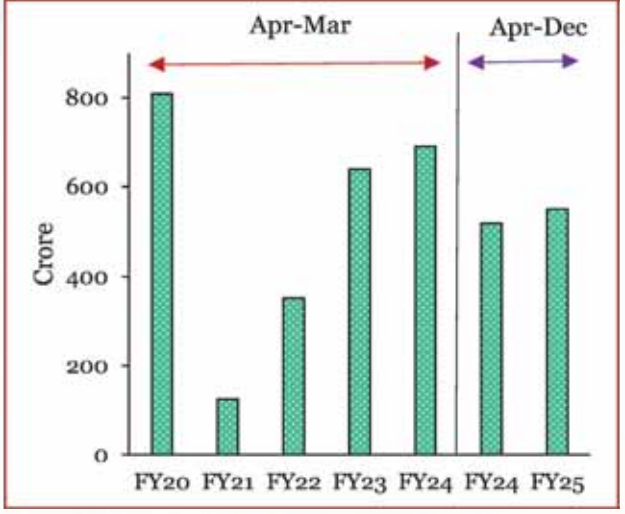
भारतीय रेल विश्व का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। भारतीय रेल से उत्पन्न पैसेंजर ट्रैफिक में पिछले वर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2024 में राजस्व अर्जित करने वाली माल ढुलाई में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बढ़ते पैसेंजर ट्रैफिक को देखते हुए, सरकार यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठा रही है। नवंबर 2024 तक देश भर के कुल 7,325 रेलवे स्टेशनों में से 1351 स्टेशनों पर ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, 866 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस सिस्टम, 5605 स्टेशनों पर डिजिटल घड़ियाँ और 6071 स्टेशनों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम उपलब्ध करा दिए गए हैं। अब तक 6112 स्टेशनों पर वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। वर्ष 2023 में मोबाइल कैटरिंग सेवाओं के प्रबंधन के लिए एक नई नीति की शुरुआत की गई। अब तक 468 जोड़ी ट्रेनों में खानपान के लिए 557 बेस किचन चालू किए जा चुके हैं।

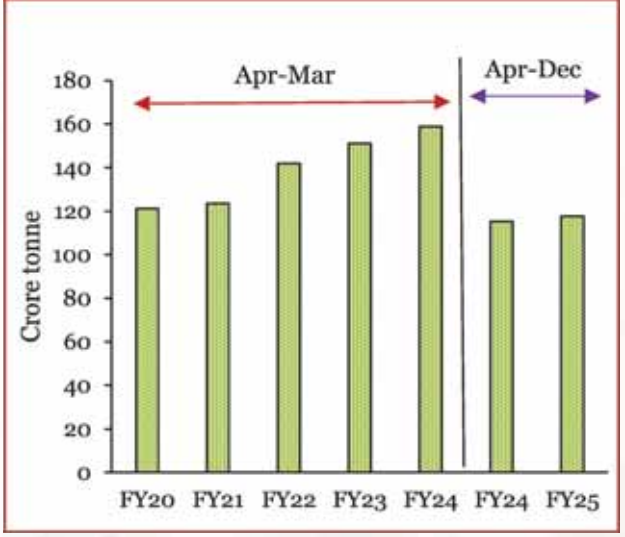
भारतीय रेल में डिजिटलीकरण की दिशा में बढ़ते कदम के परिणामस्वरूप, अक्तूबर 2024 तक आरक्षित क्षेत्र में ई-टिकटिंग का प्रतिशत 86 प्रतिशत तक पहुँच गया है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में अनारक्षित क्षेत्र में डिजिटल माध्यम से टिकटिंग 28 प्रतिशत से बढ़कर अक्तूबर 2024 में लगभग 33 प्रतिशत हो गई है। भारतीय रेल ने लगभग 98 प्रतिशत मामलों में उपयुक्त मामलों में 24 घंटे के भीतर रिफंड सक्षम करने के लिए रिफंड प्रक्रिया को भी बदल दिया है। सभी काउंटरों पर डायनामिक क्यूआर कोड-आधारित भुगतान सक्षम किया गया है। क्लाउड-नेटिव तकनीकों का उपयोग करके यात्री आरक्षण प्रणाली का पुनर्विकास किया जा रहा है। नए एप्लिकेशन में उच्च मापनीयता, उच्च प्रदर्शन, उच्च उपलब्धता, उच्च स्तर की संरक्षा, प्रचालन में सुगमता और उच्च क्रियाशीलता जैसी विशेषताएं होंगी।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, भारत गौरव ट्रेनों को थीम आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेनों के रूप में पेश किया गया है जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थलों को प्रदर्शित करती हैं। इस योजना के तहत, सेवा प्रदाता को भोजन, आवास, परिवहन, दर्शनीय स्थल, टूर गाइड आदि सहित व्यापक टूर सेवाएं प्रदान करनी हैं। अब तक, भारत गौरव ट्रेनों ने विभिन्न पर्यटन स्थलों पर 1,91,033 पर्यटकों को ले जाने के लिए कुल 325 यात्राएं संचालित की हैं।■

रेलवे पैसेंजर ट्रैफिक में प्रगति



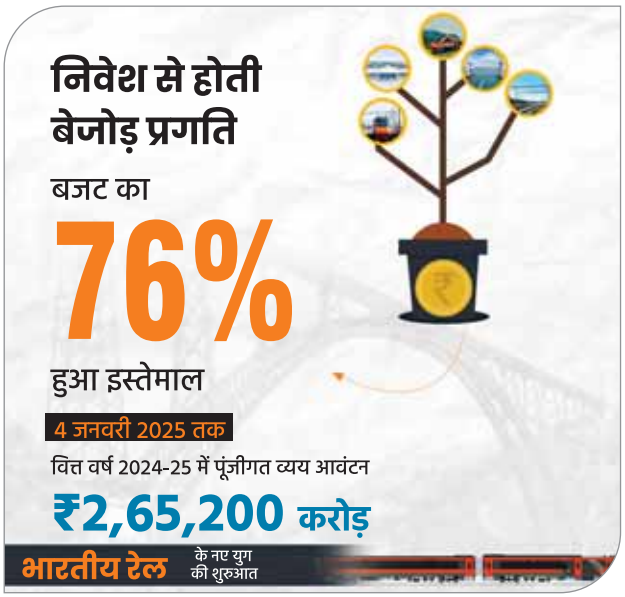
रेलवे माल यातायात में प्रगति



भारतीय रेल
पत्रिका

अब
सोविनियर शॉप
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

भारतीय रेल का ध्यान विकास पर
चालू वित्त वर्ष के बजट का 76% क्षमता वृद्धि पर खर्च



करोड़ों भारतीयों को कम लागत पर तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान करना कोई आसान काम नहीं है लेकिन भारतीय रेल भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से विविधतापूर्ण भारत की जरूरतों के अनुरूप खुद को बदलकर मिशन मोड में कार्य कर रही है। भारतीय रेल ने चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने और 4 दिनों में अपने बजटीय परिव्यय का 76 प्रतिशत खर्च कर दिया है।

दिनांक 5 जनवरी, 2025 तक भारतीय रेल की नवीनतम व्यय रिपोर्ट के अनुसार, भारत में रेल यात्रा को विश्वस्तरीय रूप देने के उद्देश्य से क्षमता वृद्धि में भारी निवेश किया गया है। पिछले एक दशक से लगातार पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) का ही परिणाम है कि आज 136 वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है, ब्रॉड गेज के लगभग 97 प्रतिशत का विद्युतीकरण हुआ है और नई लाइनें बिछाई गई हैं। इसी निवेश के फलस्वरूप गेज परिवर्तन, ट्रैक के दोहरीकरण, यातायात सुविधाओं में वृद्धि, पीएसयू और महानगरीय परिवहन में निवेश संभव हुआ है। इस पूंजीगत व्यय ने करोड़ों भारतीयों को कम लागत पर तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव कराया है। अभी वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का स्पीड टेस्टिंग और संरक्षा प्रमाणन कार्य चल रहा है और रेल यात्रियों को बहुत जल्द लंबी दूरी की यात्रा के लिए विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव मिलने वाला है। यह समग्र यात्रा अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भारतीय रेल का यह परिवर्तन, विकसित भारत की दूरदर्शी सोच और भारतीय रेल द्वारा आधुनिकीकरण परियोजनाओं में मिशन मोड में खर्च करके इसके त्वरित निष्पादन के बिना संभव नहीं होता।

भारत, अपनी विशाल भौगोलिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता के साथ सबसे अधिक आबादी वाला देश होने जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारतीय रेल एक नया, आधुनिक और एकीकृत भारत बनाने के लिए परिवर्तनकारी शासन के दृष्टिकोण को लागू कर रही है। यह बुनियादी ढाँचे, प्रौद्योगिकी और टिकाऊ व्यवस्थाओं में निवेश करके एक समावेशी भारत बनाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रही है। इस तरह, भारतीय रेल यह सुनिश्चित कर रही है कि आज बोए गए प्रगति के बीज हमारी भावी पीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम फल दें। भारत की विविधताओं को देखते हुए, रेलवे के लिए वर्तमान भार को पूरा करना और साथ ही अपने भविष्य के निर्माण में भारी निवेश करना आसान काम नहीं है। लेकिन इस कैलेंडर वर्ष के पहले चार दिनों में ₹1,198 करोड़ के पूंजीगत व्यय के साथ, भारतीय रेल का कुल पूंजीगत व्यय लगभग तीन महीने शेष रहते 76 प्रतिशत पर है।

वित्त वर्ष 2024-25 में रेलवे के लिए कुल पूंजीगत व्यय ₹2,65,200 करोड़ है, जिसमें सकल बजटीय सहायता ₹2,52,200 करोड़ है। इसमें से ₹1,92,446 करोड़ पहले ही खर्च किए जा चुके हैं। रोलिंग स्टॉक के लिए बजटीय प्रावधान ₹50,903 करोड़ का था। इसमें से 5 जनवरी तक ₹40,367 करोड़ खर्च किए गए, जो रोलिंग स्टॉक के लिए आवंटित बजट का 79 प्रतिशत है। संरक्षा संबंधी कार्यों में ₹34,412 करोड़ के बजटीय आवंटन में से ₹28,281 करोड़ खर्च किए गए, जो आवंटित राशि का 82 प्रतिशत है। सरकार ने भारतीय रेल को विश्वस्तरीय इकाई में बदलने को प्राथमिकता दी है, जो प्रतिदिन औसतन 2.3 करोड़ भारतीयों को किफायती लागत पर देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक पहुँचाती है। विकास के इस मार्ग पर आगे बढ़ते हुए भारतीय रेल आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा विकसित करने के लिए पूंजीगत व्यय में करदाताओं के पैसे को लगा रही है और इस प्रकार हम सभी विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ते हुए भविष्य के लिए तैयार भारतीय रेल में योगदान दे रहे हैं।■



भारतीय रेल की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि

130 कि.मी. प्रति घंटे की गति के लिए 23,000 कि.मी. से अधिक ट्रैक हुए तैयार

भारतीय रेल ने 130 कि.मी. प्रति घंटे तक की ट्रेन गति को संभालने के लिए भारतीय रेल नेटवर्क के 23,000 से अधिक ट्रैक कि.मी. (टीकेएम) को अपग्रेड करके एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय प्रगति रेलवे के बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण, कनेक्टिविटी में सुधार और देश भर में लाखों यात्रियों के लिए यात्रा के समय को कम करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। भारत के रेलवे नेटवर्क का लगभग पाँचवाँ हिस्सा अब उच्च गति के लिए सुसज्जित है, ये प्रगति आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम और रणनीतिक बाड़ लगाने जैसे मजबूत संरक्षा उपायों से संभव हुई है, यह ट्रेन यात्रा में दक्षता और विश्वसनीयता के एक नए युग की शुरुआत दिखाती है।

ट्रैक इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में व्यापक उन्नयन शामिल है, जिसमें उच्च गति के संचालन के लिए स्थिरता और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए पटरियों को मजबूत करना, सटीक संचार और सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए उन्नत सिग्नलिंग सिस्टम का कार्यान्वयन और संरक्षा बढ़ाने और जोखिमों को कम करने के लिए कमजोर स्थानों पर बाड़ लगाने जैसे संरक्षा उपायों की स्थापना शामिल है। ये प्रयास भारतीय रेल के लक्ष्य सुरक्षित और कुशल रेलवे नेटवर्क को बढ़ावा देने के अनुरूप है, जो यात्री और माल ढुलाई दोनों की जरूरतों को पूरा करता है।

उन्नयन में स्वर्णिम चतुर्भुज और स्वर्णिम विकर्ण नेटवर्क के खंड प्रमुख रूप से शामिल हैं, जो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ने वाले महत्त्वपूर्ण गलियारे हैं। ये मार्ग, जिससे भारत का यात्री और माल यातायात का महत्त्वपूर्ण हिस्सा संचालित होता है, तेज पारगमन और बेहतर रसद को सुनिश्चित करते हुए अब उच्च गति को संभालने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं।

इसके अतिरिक्त, लगभग 54,337 टीकेएम पटरियों को 110 कि.मी. प्रति घंटे तक की गति का समर्थन करने के लिए अपग्रेड किया गया है। यह व्यवस्थित वृद्धि विभिन्न क्षेत्रों में निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है और भारतीय रेल की समग्र परिचालन दक्षता को बढ़ाती है।

भारतीय रेल की प्रमुख सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन, वंदे भारत एक्सप्रेस, इन बुनियादी ढाँचे में सुधार की सफलता का उदाहरण है। 160 कि.मी. प्रति घंटे तक की गति प्राप्त करने में सक्षम, वंदे भारत एक्सप्रेस भारतीय रेल यात्रा में एक नए युग का प्रतीक है, जो यात्रियों को तेज, अधिक आरामदायक और प्रीमियम यात्रा का अनुभव प्रदान करती है। ऐसी गति को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए, भारतीय रेल ने हाई-स्पीड ट्रैक सेक्शन के साथ संरक्षा बाड़ लगाने को प्राथमिकता दी है। ये उपाय न केवल ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हैं बल्कि दुर्घटनाओं के जोखिम को भी कम करते हैं। पिछले वर्ष की तुलना में, पीक डिमांड की अवधि के दौरान विशेष ट्रेन सेवाओं में 54% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 57,169 सेवाओं तक पहुँच गई।

पहलू	विवरण
राजस्व में वृद्धि	वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल से दिसंबर के बीच आय में 4% की वृद्धि हुई है, जिससे माल ढुलाई से ₹1.26 लाख करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। यात्री खंड की आय में 6% की वृद्धि हुई है, जो ₹55,988 करोड़ तक पहुँच गई है।
उच्चतर पूंजीगत व्यय	वित्त वर्ष 2024-25 में 2% अधिक पूंजीगत व्यय, जहाँ चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पूंजी निवेश बढ़कर ₹1.92 लाख करोड़ हो गया, यह बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
उन्नत माल ढुलाई दक्षता	जनवरी 24 से नवम्बर 24 की अवधि के दौरान भारतीय रेल पर राजस्व अर्जित करने वाली माल ढुलाई 1,473.05 मीट्रिक टन रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.86% की वृद्धि दर्ज करती है।



रेल मंत्री ने अमृत भारत 2.0 का किया निरीक्षण

अगले दो वर्षों में 50 ट्रेनसेट ट्रैक पर लाने का लक्ष्य



आई.सी.एफ में अमृत भारत 2.0 का अवलोकन करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्री को नई अमृत भारत की विशेषाताएं बताते हुए आई.सी.एफ के महाप्रबंधक यू सुब्बाराव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 10 जनवरी, 2025 को सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) का दौरा किया और यात्री आराम और संरक्षा की बेहतर सुविधाओं के साथ अमृत भारत कोचों के संशोधित संस्करण का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आईसीएफ द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पर्यटक स्पेशल ट्रेन में इस्तेमाल होने वाली विस्टाडोम वातानुकूलित डाइनिंग कार का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक आईसीएफ यू सुब्बाराव ने अमृत भारत कोच और विस्टाडोम डाइनिंग कार की विशेषताओं की जानकारी दी।

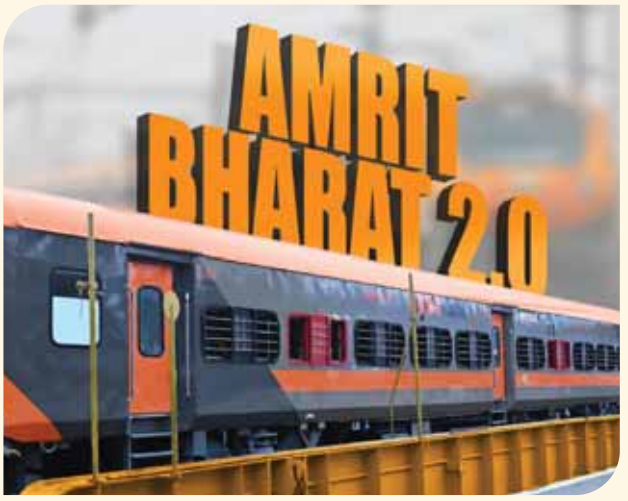
मीडिया से बात करते हुए, अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अमृत भारत 2.0 के 50 ट्रेन सेट का निर्माण आने वाले 2 वर्षों में किया जाएगा। हम लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को बहुत सस्ती सेवाएं प्रदान करेंगे। बहुत कम आय वाले लोगों के लिए यह बहुत सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करेगा। पूरी ट्रेन में 12 बड़े सुधार हुए हैं।

अमृत भारत 2.0 ट्रेनसेट में दोनों सिरों पर लोकोमोटिव के साथ 22 कोच रेक फॉर्मेशन हैं। इसमें डाइनिंग कार और स्लीपर सुविधाओं का प्रावधान है। अमृत भारत में रेक 130 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से चलने के लिए फिट हैं। इसमें उच्च त्वरण और यात्रा के लिए दोनों सिरों पर लोको के साथ पुश-पुल ऑपरेशन के लिए एंड वॉल पर कंट्रोल कप्लर्स हैं, झटका मुक्त यात्रा और आसान कनेक्शन के लिए सेमी-ऑटोमैटिक कप्लर्स हैं।

अमृत भारत 2.0 में यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं का प्रावधान है जैसे फोल्डेबल स्नैक टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर, इम्प्रूव्ड सीट और बर्थ, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, तेजस टाइप गैंगवे, 160 केएन एयर स्प्रिंग बोगी, प्रत्येक कोच में इलेक्ट्रो न्यूमेटिक प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम के साथ 2 इंडियन 2 वेस्टर्न स्टाइल टॉयलेट, एफआरपी मॉड्यूलर टॉयलेट में ऑटोमैटिक हाइजीन गंध कंट्रोल सिस्टम, स्वचालित-साबुन डिस्पेंसर, सुव्यवस्थित-एलईडी लाइट फिटिंग, शौचालयों और बिजली के क्यूबिकल्स में एयरोसोल-आधारित अग्नि शमन प्रणाली, स्लीपर कोच में एक दिव्यांगजन शौचालय, प्रत्येक यात्री के लिए मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, शौचालय संकेत प्रकाश, सार्वजनिक पता और यात्री सूचना प्रणाली (पीएपीआईएस), एल्यूमिनियम कम्पोजिट पैनलों के साथ बेहतर स्क्रूलेस इंटीरियर पैनलिंग।

अमृत भारत में अतिरिक्त सुविधाएँ

- आसान लगाव और टुकड़ी के लिए अर्ध-स्थायी के बजाय अर्ध-स्वचालित कप्लर्स।
- क्रैशवर्थी विशेषताएं।
- त्वरित ब्रेक आवेदन के लिए इलेक्ट्रो वायवीय सहायता प्राप्त ब्रेक सिस्टम
- त्वरित युग्मन और decoupling के लिए पूरी तरह से सील गैंगवे
- वंदे भारत के समान वैक्यूम निकासी प्रणाली
- रखरखाव के अनुकूल और बेहतर सौंदर्य के लिए एसएमसी (शीट मोल्डिंग कंपाउंड) सामग्री के साथ शौचालय।
- स्लीपर कोच में एक दिव्यांगजन शौचालय।
- शौचालय संकेत प्रकाश।
- एफआरपी मॉड्यूलर शौचालय में स्वचालित स्वच्छता गंध नियंत्रण प्रणाली।
- व्हील एंड बेयरिंग की वास्तविक समय निगरानी के लिए ऑन-बोर्ड स्थिति निगरानी प्रणाली (OBCMS)।
- आईओटी आधारित जल स्तर संकेतक- पानी के स्टेशन और ऑन-बोर्ड कर्मचारियों की मदद करने के लिए इंटरनेट आधारित जल स्तर संकेतक।
- पटरी से उतरने और दुर्घटनाओं जैसी आपातकालीन स्थितियों



के दौरान बुनियादी प्रकाश प्रदान करने के लिए बाहरी आपातकालीन रोशनी
- चार्जिंग सॉकेट- यूएसबी ए और सी टाइप पोर्ट
- एसएस ग्रिल वाले पंखे
- सुव्यवस्थित- एलईडी लाइट फिटिंग
- सार्वजनिक पता और यात्री सूचना प्रणाली
- तेजस टाइप गैंगवे
- शौचालय और बिजली के क्यूबिकल्स में एयरोसोल आधारित अग्नि शमन प्रणाली

विस्टाडोम डाइनिंग कार की मुख्य विशेषताएं

- सीटिंग कैपेसिटी- 28
- भोजन क्षेत्र (पारंपरिक गद्दीदार कुर्सियों और तालिकाओं के साथ)- 18 स्कैट्स।
- लाउंज क्षेत्र (गद्दीदार सोफा और टेबल- 4 नंबर)
- खिड़की के माध्यम से देखने के साथ बजरा क्षेत्र। (5 मल)
- सजावटी ग्राफिक फिल्म के साथ सौंदर्यपूर्ण रूप से डिज़ाइन किया गया एफआरपी इंटीरियर पैनलिंग
- चित्र (गुजरात की कला और संस्कृति का चित्रण)
- सजावटी रंगीन एलईडी लाइट्स
- 49 एलईडी डिस्प्ले मेनू के साथ सेवा काउंटर डेस्क
- मिरर के साथ कॉर्नर सिरेमिक टेबल टॉप वॉश बेसिन
- यात्री बार कोड स्कैन करके मेनू देख सकते हैं और भोजन ऑर्डर कर सकते हैं
- पेंट्री रूम विथ रेफ्रिजरेटर, बॉटल कूलर, हॉट केस, माइक्रोवेव ओवन
- क्रॉकरी के साथ कॉफी मेकर के लिए विस्तारित पेंट्री
- व्यापक शरीर की ओर खिड़कियाँ और विद्युत नियंत्रित ओपेलेसेंस छत
- मनोरम दृश्य के लिए कांच की खिड़कियाँ
- दोनों तरफ स्वचालित इंटरकम्युनिकेशन स्लाइडिंग दरवाजे
- बायो टैंक के साथ प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम के साथ मॉड्यूलर पश्चिमी प्रकार के शौचालय
- जीपीएस आधारित सार्वजनिक पता और यात्री सूचना प्रणाली
- वाई-फाई का उपयोग करने वाले यात्रियों के व्यक्तिगत गैजेट्स में भी मांग पर सामग्री प्रदर्शित की जाएगी
- एलईडी गंतव्य बोर्ड
- सीसीटीवी निगरानी प्रणाली
- अलार्म सिस्टम के साथ फायर डिटेक्शन
- आपातकालीन खिड़कियाँ और आपातकालीन रोशनी।

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का जल्द होगा शुभारंभ

माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन से बड़गाम स्टेशन तक वंदे भारत एक्सप्रेस का हुआ सफल परीक्षण



चिनाब ब्रिज पर से गुजरजी वंदे भारत एक्सप्रेस का मनोरम दृश्य

जम्मू-कश्मीर में यात्रा को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस का पहला परीक्षण दिनांक 25 जनवरी, 2025 को श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन से बडगाम तक सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह अत्याधुनिक ट्रेन 247 कि.मी. की दूरी 85 कि.मी. प्रति घंटे की गति से तय कर केवल साढ़े तीन घंटे में बडगाम पहुँची। प्रस्थान से पहले सुबह 8 बजे एक औपचारिक प्रार्थना का आयोजन किया गया और स्टेशन 'जय माता दी' और 'भारत माता की जय' के देशभक्ति नारों से गूंज उठा।

ट्रेन कटरा से प्रस्थान कर सुबह 11 बजे बडगाम पहुँची। इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान ट्रेन ने कई महत्त्वपूर्ण इंजीनियरिंग अजूबों को पार किया, जिनमें भारत का पहला रेलवे केबल-स्टे ब्रिज अंजीखड और विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे पुल चिनाब ब्रिज (359 मीटर ऊँचा) शामिल हैं। मार्ग के अन्य महत्त्वपूर्ण स्टेशन और सुरंगें जैसे संगलदान, सुम्बड, बनिहाल और श्रीनगर भी इस यात्रा का हिस्सा रहे। श्रीनगर में संक्षिप्त ठहराव के बाद ट्रेन ने बडगाम तक अपनी यात्रा पूरी की।

विभिन्न स्टेशनों पर बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक ट्रायल रन को देखने के लिए एकत्र हुए। स्थानीय निवासियों ने ट्रेन का गर्मजोशी से स्वागत किया।

111 कि.मी. लंबे बनिहाल-कटरा सेक्शन पर सफल परीक्षण ने जम्मू और कश्मीर के बीच बेहतर रेल कनेक्टिविटी की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह सेक्शन एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, जिसमें 97 कि.मी. की सुरंगें और 7 कि.मी. की दूरी चार प्रमुख पुलों से कवर की गई है।

यहाँ पर उल्लेखनीय है कि हाल ही में रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस), उत्तरी सर्कल द्वारा कटरा और रियासी के बीच ट्रैक फिट प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया था। इसके पश्चात ही वंदे भारत एक्सप्रेस का परीक्षण किया गया। इस परिवर्तन के साथ, जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित रेल कनेक्टिविटी का सपना साकार होने जा रहा है। इसके साथ ही जम्मू स्टेशन को भी आठ प्लेटफॉर्म और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है।



एंटी फ्रीजिंग सुविधाओं से लैस जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस

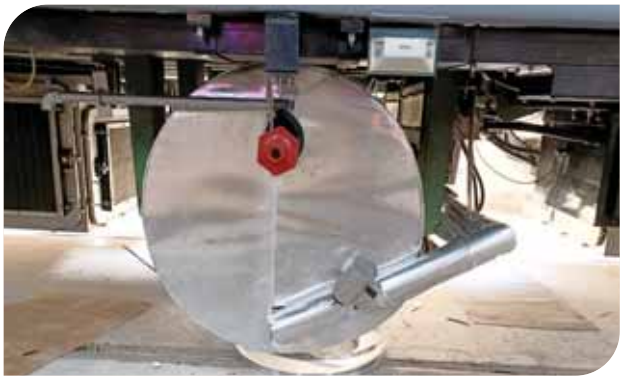
प्रतिकूल मौसम में भी आरामदायक सफर का आनंद ले सकेंगे यात्री

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को खास तौर पर एंटी-फ्रीजिंग सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया गया है। बर्फ हटाने वाली ट्रेन, यात्री और मालगाड़ियों से आगे बढ़ते हुए यह सुनिश्चित करेगी कि इस रणनीतिक मार्ग पर ट्रेनें पूरे साल, दिन और रात चलती रहें। इससे दोनों क्षेत्रों के बीच हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित हो पाएगा। यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव देने के लिए, रेलवे ने परियोजना में एंटी-वाइब्रेशन भूकंपीय उपकरणों का उपयोग किया है, क्योंकि यह क्षेत्र संवेदनशीलता के लिहाज से जोन-V भूकंप की श्रेणी में आता है। ये डैम्पर्स हिमालयी इलाके में झटकों को सहने में सक्षम हैं और इनकी वजह से यात्रियों का सफर तेज रफ्तार वाला और सुरक्षित हो सकेगा।

जम्मू और कश्मीर संचालन के लिए विशेष विशेषताएँ

1. उन्नत हीटिंग सिस्टम

- **सिलिकॉन हीटिंग पैड्स :** पानी और जैव-शौचालय टैंकों को जमने से रोकते हैं। ओवरहीट संरक्षा सेंसर से संरक्षा सुनिश्चित होती है।
- **हीटेड प्लंबिंग पाइपलाइंस :** स्व-नियंत्रित हीटिंग केबल्स पानी के जमने को रोकते हैं, जिससे सब-जीरो तापमान में भी संचालन निर्बाध रहता है।



पाइपों की स्वचालित जल निकासी व्यवस्था

- **भारतीय शौचालयों में हीटर :** वैक्यूम सिस्टम और शौचालयों के लिए गर्म हवा प्रदान करते हैं।
- **ऑटो-ड्रेनिंग मैकेनिज्म :** प्लंबिंग लाइनों में पानी जमने से रोकने के लिए ड्रेनेज सिस्टम उपलब्ध है।

2. ड्राइवर के लिए बढ़ी हुई सुविधा और संरक्षा

- **विंडशील्ड में एम्बेडेड हीटिंग एलिमेंट्स :** सर्दियों में साफ दृश्यता सुनिश्चित करने के लिए डिफ्रॉस्टिंग हीटिंग एलिमेंट्स।
- **एंटी-स्पॉल लेयर :** मौसम की चरम स्थितियों या अप्रत्याशित घटनाओं के दौरान ड्राइवर को संरक्षा प्रदान करती है।

3. तकनीकी उन्नयन

- **एयर ड्रायर सिस्टम हीटिंग :** ब्रेक सिस्टम को जमने से बचाता है।
- **ब्रांच एचवीएसी डक्ट्स :** शौचालयों तक गर्म हवा के लिए विशेष नलिकाएं।



एयर ड्रायर प्रणाली के लिए ताप व्यवस्था

- **5 केवीए ट्रांसफार्मर :** क्रिटिकल कंपोनेंट्स के हीटिंग सिस्टम के लिए।

4. यात्रियों के लिए प्रमुख सुविधाएँ

- पूर्णतः वातानुकूलित कोच, 160 कि.मी./घंटा तक की गति क्षमता।
- चौड़े गैलरी, ऑटोमैटिक प्लग दरवाजे, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी।

कश्मीर घाटी पर प्रभाव

कश्मीर घाटी में वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन क्षेत्र में रेल यात्रा का स्वरूप बदलने वाला है। इस सेवा से :

- **सभी मौसमों में निर्बाध कनेक्टिविटी :** बर्फबारी और अत्यधिक ठंड के बावजूद रेल सेवा अब बिना रुके चलेगी।
- **बेहतर यात्री सुविधा :** आधुनिक सुविधाओं और जलवायु-विशिष्ट अनुकूलन के साथ विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव।
- **क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा :** घाटी को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से अधिक प्रभावी ढंग से जोड़कर भारत की भौगोलिक और आर्थिक अंतराल को कम करने की प्रतिबद्धता।■

वंदे भारत स्लीपर जल्द होगी लाँच

180 कि.मी. घंटा की गति का हुआ सफल परीक्षण

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट का जनवरी माह में अलग-अलग रूट पर अलग अलग गति पर परीक्षण किया गया। जनवरी के प्रथम सप्ताह में इस ट्रेन सेट ने कई परीक्षणों में 180 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की जल्द ही देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह ट्रेन विश्व-स्तरीय यात्रा के लिए उपलब्ध कराई जाएगी।



कोटा मंडल में सफल परीक्षण का एक वीडियो साझा करते हुए, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में इसकी गति का उल्लेख किया।

वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक मोबाइल के बगल में पानी से भरा गिलास दिखाया गया है। वीडियो में पानी का स्तर स्थिर देखा जा सकता है। चलती ट्रेन 180 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम और स्थिर गति प्राप्त करती है। हाई-स्पीड रेल यात्रा में वंदे भारत यात्रियों को आराम का अनुभव कराती है। यह पोस्ट 3 दिनों के सफल परीक्षणों के बाद आयी है, जो दिनांक 2 जनवरी, 2025 को समाप्त हुआ, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी भरी हुई स्थिति में अधिकतम गति प्राप्त की।

राजस्थान के बूंदी जिले में कोटा और लबान के बीच 30 कि.मी. लंबे ट्रायल रन के दौरान ट्रेन ने 180 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। वर्ष 2025 के पहले दिन रोहल खुर्द से कोटा के बीच 40 कि.मी. लंबे ट्रायल रन में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने 180 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। इसी दिन कोटा-नागदा और रोहल खुर्द-चौमहला सेक्शन पर 170 कि.मी. प्रति घंटे और 160 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। एक माह चले ट्रायल की निगरानी आरडीएसओ द्वारा की गई।

वंदे भारत : गति और सुखद यात्रा के साथ लंबी दूरी की रेल यात्रा में बदलाव

इन वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को स्वचालित दरवाजे, बेहद आरामदायक बर्थ, ऑन बोर्ड वाई-फाई और विमान जैसी सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया गया है। देश में यात्री पहले से ही मध्यम और छोटी दूरी पर चलने वाली 136 वंदे भारत ट्रेनों (चेयरकार) के माध्यम से विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव का आनंद ले रहे हैं।

इस ट्रेन के सफल परीक्षणों के साथ, रेल यात्री कश्मीर से कन्याकुमारी, दिल्ली से मुंबई, हावड़ा से चेन्नई और कई अन्य मार्गों जैसे लंबी दूरी की यात्राओं में विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें यात्रा का समय काफी कम होने से लाभ होगा। मुंबई-दिल्ली लंबी दूरी की यात्रा की वर्तमान औसत गति 90 कि.मी./घंटा है, जिसमें तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए अधिकतम स्वीकार्य गति 140 कि.मी./घंटा है, जो देश में सभी राजधानी ट्रेन सेवाओं में सबसे तेज है।

वंदे भारत ट्रेनें अब कई शताब्दी ट्रेन मार्गों पर उपलब्ध हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे तेज ट्रेन है और 180 कि.मी./घंटा तक की गति तक पहुँचने में सक्षम है। अब तक, यह दिल्ली और वाराणसी जैसे छोटे और मध्यम दूरी के प्रमुख शहरों को जोड़ती है और एक शानदार यात्रा अनुभव प्रदान करती है। वंदे भारत ट्रेनें गति और आराम का एक सहज मिश्रण प्रदान करती हैं। यह केवल यात्रा का एक तरीका नहीं है, बल्कि आधुनिक भारतीय इंजीनियरिंग का एक अनुभव है।■



महाकुंभ 2025

मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज से रिकॉर्ड 364 ट्रेनों का संचालन

23 भाषाओं में पॉकेट बुक का विमोचन तथा रेलवे बोर्ड में वॉर रूम का रेल मंत्री ने किया उद्घाटन

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 12 जनवरी, 2025 को महाकुंभ 2025 के परिप्रेक्ष्य में प्रयागराज क्षेत्र के 9 रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से रेलवे बोर्ड द्वारा की जाने वाली मॉनिटरिंग व्यवस्था की शुरुआत की। उन्होंने 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में यात्रियों को सूचना देने के लिए तैयार की गई बुकलेट को भी जारी किया। साथ ही प्रयागराज स्टेशन पर 12 भारतीय भाषाओं में होने वाली उद्घोषणा के शुरू होने की घोषणा की।



रेल भवन में आयोजित कार्यक्रम में 22 भारतीय भाषाओं की पॉकेट बुकलेट का विमोचन करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार एवं अन्य उच्च अधिकारीगण

इस अवसर पर वैष्णव ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति का महा आयोजन है। संगम में स्नान के लिए प्रयागराज जाने वाले यात्रियों के लिए प्रयागराज क्षेत्र के सभी 9 स्टेशनों पर व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि पूरे महाकुंभ अवधि में भारतीय रेल द्वारा 10,000 नियमित ट्रेनों के अलावा 3,100 से अधिक विशेष ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। स्पेशल ट्रेनों की संख्या पिछले कुंभ की तुलना में साढ़े चार गुना होगी।

उन्होंने कहा कि लगभग 1,200 सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से सभी स्टेशनों पर नजर रखी जाएगी। सभी स्टेशनों पर विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं और इसकी निगरानी रेलवे बोर्ड स्तर पर वार रूप से की जाएगी। जहाँ राउंड द क्लॉक सीनियर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि

मौनी अमावस्या पर रिकॉर्ड ट्रेनों का संचालन

मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के बाद श्रद्धालुओं की वापसी के लिए भारतीय रेल ने प्रयागराज से 364 बाहरी ट्रेनों का संचालन कर नया रिकॉर्ड बनाया। यह प्रयागराज महाकुंभ के दौरान एक ही दिन में सबसे अधिक ट्रेनों के संचालन का कीर्तिमान है। इसके अलावा 77 इनवर्ड ट्रेनें भी चलाई गईं, जिनमें 142 नियमित और 222 महाकुंभ मेला विशेष ट्रेनें शामिल थीं।

नई दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि रेलवे भवन के वॉर रूम से पूरी स्थिति की रियल-टाइम निगरानी की जा रही है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ सहित तीनों रेलवे जोनों के जीएम मेला प्रशासन और राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाकर श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा सुनिश्चित कर रहे हैं। उत्तर मध्य रेलवे ने मौनी अमावस्या के दिन सबसे अधिक 280 ट्रेनों का संचालन किया, जिनमें 157 विशेष ट्रेनें शामिल थीं। उत्तर पूर्व रेलवे ने 73 और उत्तरी रेलवे ने 88 ट्रेनें चलाईं।

पूरे मेला अवधि के दौरान भारतीय रेल ने लगभग 13,450 ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है, जिनमें 3,400 से अधिक विशेष ट्रेनें शामिल हैं। अब तक 1,900 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए कुछ मार्गों में परिवर्तन किया गया है और कुछ ट्रेनों का टर्मिनल स्टेशन प्रयागराज की जगह सुबेदारगंज कर दिया गया है।



सीसीटीवी रूम का दृश्य

महाकुंभ के लिए आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल द्वारा गंगा पुल के निर्माण के साथ-साथ बनारस-माधोसिंह-प्रयागराज लाइन और फाफामऊ-जंघई लाइन का दोहरीकरण किया गया है। यात्रियों के लिए डायरेक्शन वाइस कलर कोडेड होल्डिंग एरिया बनाया गया है और अलग-अलग दिशा के लिए अलग-अलग रंग के टिकट जारी करने की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल महाकुंभ के लिए बार कोडेड यूटीएस प्रणाली भी लॉन्च की गई है।

रेलवे बोर्ड वार रूम

प्रयागराज मेला क्षेत्र के सभी 9 स्टेशनों पर भारतीय रेल द्वारा लगभग 1,200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिसे प्राप्त फीड की मॉनिटरिंग और विश्लेषण की पांच स्तरीय व्यवस्था की गई है। हर प्लेटफॉर्म की गतिविधि की मॉनिटरिंग मेला परिसर में स्थापित कंट्रोल रूम से की जा रही है। स्टेशन पर स्थापित कंट्रोल रूम से स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म और सर्कुलेटिंग एरिया की मॉनिटरिंग की जा रही है। क्षेत्रीय रेलवे स्तर पर भी राउंड द क्लॉक मॉनिटरिंग हेतु अधिकारियों की टीम निगरानी कर रही है, ऐसे ही व्यवस्था क्षेत्रीय रेलवे स्तर पर भी की जा रही है। रेलवे बोर्ड में स्थापित वार रूम में ऑपरेटिंग, कमर्शियल, सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और रेल संरक्षा बल की टीमें तैनात हैं, जो महाकुंभ के लिए संचालित सभी ट्रेनों और प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों की मॉनिटरिंग करेगी। स्टेशनों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यात्री सुविधाओं के सुचारू संचालन और आवश्यकतानुसार विस्तार के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा।

विदित हो कि प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती नदी के संगम पर दिनांक 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित हो रहा महाकुम्भ-2025 अपनी दिव्यता एवं भव्यता से सबको आकर्षित कर रहा है। 12 वर्ष के समय-अंतराल पर आयोजित होने वाले प्रयाग महाकुम्भ में इस वर्ष 40 करोड़ से अधिक लोगों के संगम में स्नान करने की उम्मीद है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के लोग तो शामिल होंगे ही, संयुक्त राज्य



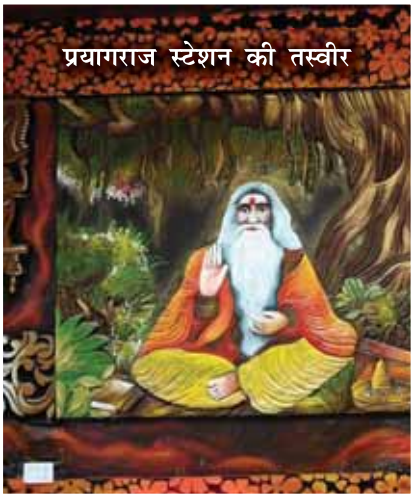
दिनांक 22 जनवरी, 2025 को केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति, राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर महाकुंभ-2025 के लिए किए गए व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, उपेन्द्र चंद्र जोशी

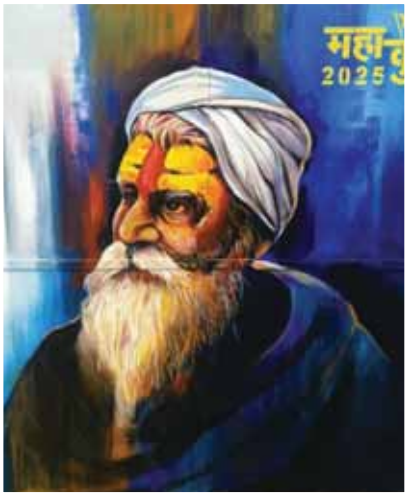
अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, मलेशिया, इंडोनेशिया, कनाडा, मेक्सिको सहित 100 से अधिक देशों के श्रद्धालुओं की भी भागीदारी रहेगी।

महाकुम्भ 2025 को सफल बनाने में भारतीय रेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका

यात्रियों की सेवा एवं सुविधा के लिए प्रयाग क्षेत्र के 9 रेलवे स्टेशनों को विशेष तौर पर तैयार किया गया है। इन स्टेशनों में प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, प्रयागराज संगम, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन, प्रयागराज रामबाग स्टेशन और झूंसी स्टेशन शामिल हैं।

प्रयागराज जंक्शन पर अनरिजर्व्ड क्लास के यात्रियों के प्रवेश हेतु भी अलग-अलग द्वार निर्धारित किए गए हैं, जबकि रिजर्व क्लास के यात्रियों को गेट संख्या 5 से स्टेशन में प्रवेश दिया जा रहा है। होल्डिंग एरिया की कलर कोडिंग और अलग-अलग दिशा में जाने वाले यात्रियों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार की व्यवस्था दूसरे स्टेशनों पर भी की गई है।







सात नए प्लेटफॉर्मों के निर्माण के साथ प्रयागराज एरिया के सभी नौ स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म की कुल संख्या बढ़कर 48 हो गई है। प्रयागराज एरिया के सात नए स्टेशनों पर सेकेंड एंट्री का डेवलपमेंट किया गया है।



प्रयागराज स्टेशन के सैटेलाइट स्टेशन के रूप में सूबेदारगंज स्टेशन का विकास

महाकुम्भ 2019 के दौरान कुल यात्रियों के 45 प्रतिशत का आगमन प्रयागराज जंक्शन पर हुआ था। अधिक स्टेशनों को चलाने के उद्देश्य से प्रयागराज, फाफामऊ, रामबाग और झूँसी यार्ड की री-मॉडलिंग की गई है। प्रयागराज के सभी स्टेशनों को जोड़ने वाली सड़कों को अधिक चौड़ा किया गया है। वर्ष 2025 के महाकुम्भ को लक्ष्य में रखते हुए 17 नए अस्थाई यात्री आश्रय का निर्माण किया गया है, जिसके साथ ही प्रयाग क्षेत्र में रेलवे आश्रय स्थलों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। आश्रय स्थलों की होल्डिंग कैपेसिटी 21,000 से बढ़कर 1,10,000 हो गई है।

प्रयाग क्षेत्र के सभी लेवल क्रॉसिंग गेट को बंद करते हुए 21 नए ROBs और RUBs का निर्माण किया गया है, जिससे रेल परिचालन अधिक सुगम हो गया है।

भारतीय रेल द्वारा प्रतिदिन 10 लाख से अधिक टिकट जारी करने की व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रियों को टिकट लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। डिजिटल महाकुम्भ को लक्षित करते हुए बारकोड आधारित UTS सिस्टम पर टिकट लेने की व्यवस्था की गई है। सभी प्लेटफॉर्म पर फर्स्ट एड बूथ की स्थापना की गई है और सभी स्टेशन पर मेडिकल ऑब्जरवेशन रूम बनाया गया है जहाँ राउंड द क्लॉक डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की तैनाती रहेगी।



पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित तरीके से संपादित करने हेतु रेलवे द्वारा 13,000 से अधिक कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा राजकीय रेल पुलिस के लगभग 10,000 जवान भी रेलवे स्टेशन और रेलवे परिसर में यात्रियों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे।

यात्रियों की सहायता के लिए 1,000 से अधिक स्वयंसेवकों की सेवाएं भी रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। 1,000 से अधिक स्वच्छता प्रहरी स्टेशन और स्टेशनों की सफाई को सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात सेवा दे रहे है।

स्टेशन नंबर आने वाले यात्रियों को कुंभ की भव्यता के आलोक में स्टेशनों की दीवारों पर 20,000 स्क्वायर मीटर से अधिक एरिया में कुम्भ आधारित पेंटिंग कराई गई है।

यात्रियों को सुविधा के लिए सभी स्टेशनों पर नए फुट ओवर ब्रिज शौचालय रैंप इत्यादि का निर्माण कराया गया है। प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को निकास द्वार की ओर ले जाने हेतु कलर्ड फुट मार्कर की व्यवस्था की गई है।■

भारतीय रेल
Indian Railways

पत्रिका की सदस्यता तथा पत्रिका न मिलने की शिकायत हेतु
संपर्क करें
011-47845089

सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक)
bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com

रेल मंत्री ने मुंबई बुलेट ट्रेन के निर्माणाधीन अंडरसी टनल का किया अवलोकन



रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया तथा वहाँ काम कर रहे कर्मियों से बातचीत कर उनका उत्साह भी बढ़ाया

मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्टेशन बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और महाराष्ट्र राज्य के शिलफाटा के बीच 21 कि.मी. लंबी भारत की पहली भूमिगत/समुद्री सुरंग का निर्माण चल रहा है। दिनांक 18 जनवरी, 2025 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया तथा उन्होंने वहाँ काम कर रहे कर्मियों से बातचीत कर उनका उत्साह भी बढ़ाया। 21 कि.मी. सुरंग निर्माण कार्य में से 16 कि.मी. टनल बोरिंग मशीनों के माध्यम से तथा शेष 5 कि.मी. एनएटीएम के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक पर 7 कि.मी. की समुद्र के नीचे सुरंग भी शामिल है।

अतिरिक्त संचालित मध्यवर्ती सुरंग (एडीआईटी) पोर्टल : 394 मीटर लंबी एडीआईटी सुरंग मई 2024 (रिकॉर्ड समय 6 महीने) में पूरी हो चुकी है। इससे शिलफाटा के अतिरिक्त उत्खनन कार्य के लिए दो अतिरिक्त एनएटीएम फेस की सुविधा मिल गई है। इस अतिरिक्त पहुँच के कारण 1,111 मीटर (बीकेसी/एन1टीएम की ओर 1,562 मीटर में से 622 मीटर और अहमदाबाद/एन2टीएम की ओर 1,628 मीटर में से 489 मीटर) सुरंग बनाने का काम पूरा हो चुका है।

11 मीटर X 6.4 मीटर आयाम वाला एडीआईटी निर्माण और संचालन के दौरान मुख्य सुरंग तक वाहनों की सीधी पहुँच प्रदान करेगा और आपातकालीन स्थिति में निकासी प्रक्रिया के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

मुंबई एचएसआर स्टेशन निर्माण स्थल पर शाफ्ट 1 : शाफ्ट की गहराई 36 मीटर, खुदाई का काम अभी चल रहा है

विखरोली में शाफ्ट 2 : 56 मीटर की गहराई का शाफ्ट पूरा हो गया है।

इस शाफ्ट का उपयोग दो सुरंग खोदने वाली मशीनों को दो अलग-अलग दिशाओं में उतारने के लिए किया जाएगा, एक बीकेसी की ओर और दूसरी अहमदाबाद की ओर से।

सावली में शाफ्ट 3 (घंसोली के पास) : 39 मीटर की शाफ्ट गहराई पूरी कर ली गई है।

शिलफाटा में सुरंग पोर्टल : यह सुरंग का एनएटीएम छोर है। पोर्टल का काम पहले ही पूरा हो चुका है और 1,628 मीटर (एन3टीएम) में से 602 मीटर सुरंग का काम अब तक पूरा हो चुका है।

सुरंग खुदाई कार्यों के दौरान बरती जा रही सावधानियाँ

- सुरंग के अंदर पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित किया जा रहा है,

जिससे सुरंग स्थलों के अंदर सुरक्षित और हवादार कार्यबल सुनिश्चित किया जा रहा है।

- सभी उत्खनन सामग्री का निपटान राज्य सरकार के निर्देशानुसार किया जा रहा है।
- सुरंग स्थलों के आसपास की संरचना/इमारतों की लगातार मॉनिटरिंग की जाती है।
- झुकाव, अवसादन, कंपन, दरारें और विरूपण की मॉनिटरिंग के लिए निर्माण स्थलों पर और उसके आसपास विभिन्न प्रकार के भू-तकनीकी उपकरण जैसे कि इनक्लिनोमीटर, कंपन मॉनिटर, ग्राउंड सेटलमेंट मार्कर, टिल्ट मीटर आदि स्थापित किए गए हैं। ये उपकरण यह सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि न तो चल रहे भूमिगत कार्यों जैसे कि खुदाई और सुरंग निर्माण, और न ही साइट के आसपास की संरचनाओं को कोई खतरा हो।

सुरंग लाइनिंग के लिए कास्टिंग यार्ड :

16 कि.मी. टीबीएम हिस्से के लिए सुरंग लाइनिंग की ढलाई के लिए एक डेडिकेटेड कास्टिंग यार्ड महापे में पहले से ही चालू है। 7,700 रिंग बनाने के लिए 77,000 खंडों को ढाला जाएगा। सुरंग की लाइनिंग के लिए विशेष रिंग खंड ढाले जा रहे हैं, प्रत्येक रिंग में नौ घुमावदार खंड और एक प्रमुख खंड शामिल हैं, प्रत्येक खंड 2 मीटर चौड़ा और 0.5 मीटर (500 मिमी) मोटा है।

बेहतर संरचनात्मकता और दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए उच्च श्रेणी एम70 ग्रेड कंक्रीट का उपयोग किया जा रहा है। कास्टिंग और स्टैकिंग यार्ड, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के महापे में 11.17 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यार्ड में साँचे के नौ सेट होंगे, प्रत्येक में दस टुकड़े होंगे।

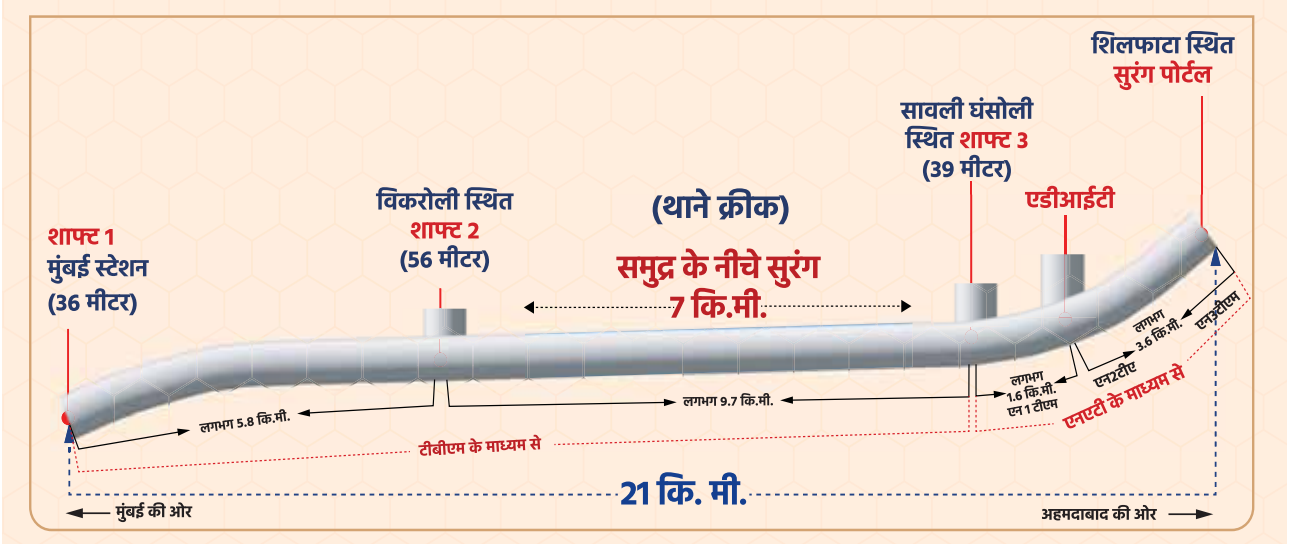
अन्य विवरण :

- सेगमेंट की कास्टिंग के बाद स्टीम क्योरिंग की व्यवस्था। क्योरिंग कंपाउंड के साथ अंतिम क्योरिंग।



- प्रत्येक रिंग में स्टील रीइन्फोर्समेंट की मात्रा : 4.368 मीट्रिक टन।
- प्रत्येक रिंग में कंक्रीट की मात्रा : 39.6 घन मीटर।
- किनारों पर दरार को नियंत्रित करने के लिए जीएफआरपी (ग्लास फाइबर रीइनफोर्समेंट पॉलीमर) बार का उपयोग।
- यार्ड में बैचिंग प्लांट : 3, प्रत्येक की क्षमता : 69 घन मीटर/घंटा।
- यार्ड में अत्याधुनिक क्यूए-क्यूसी प्रयोगशाला में स्थायित्व पैरामीटर की जाँच करने की सुविधाएँ हैं।

यार्ड में कास्टिंग कार्यों को स्वचालित और मशीनीकृत करने के लिए विभिन्न क्रेन, गैंट्री और मशीनें लगी हुई हैं, जिससे सेगमेंट की कास्टिंग और स्टैकिंग के दौरान उच्च गुणवत्ता का आश्वासन सुनिश्चित होता है। इसके अतिरिक्त, इस सुविधा में कास्टिंग शेड, स्टैकिंग क्षेत्र, बैचिंग प्लांट और स्टीम क्योरिंग क्षेत्र शामिल होंगे।■



रेल राज्य मंत्री द्वारा कई रेल बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का शुभारंभ



रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने दिसम्बर 2024 एवं जनवरी 2025 में कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में रेलवे अवसंरचना से जुड़ी कई महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया एवं समीक्षा बैठकें कीं।



हुब्बल्लि-धारवाड़ रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

प्रह्लाद जोशी, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री वी. सोमन्ना, रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री, और संतोष लाड, श्रम मंत्री, कर्नाटक ने दिनांक 8 दिसम्बर, 2024 को रेल सौधा हुब्बल्लि में हुब्बल्लि-धारवाड़ क्षेत्र में रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, सांसद, उत्तर कर्नाटक, विधायक महेश तेंगिंनकाई, अरविंद बेलाड, एम.आर. पाटिल, दिव्या प्रभु, जिला आयुक्त, धारवाड़, जनरल बैठक के दौरान दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव उपस्थित थे।

यशवंतपुर-चिक्कमगलुरु एक्सप्रेस को अतिरिक्त ठहराव के साथ हरी झंडी

दिनांक 4 जनवरी, 2025 को वी. सोमन्ना ने यशवंतपुर-चिक्कमगलुरु एक्सप्रेस को अरालगुप्पे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव की सुविधा के साथ हरी झंडी दिखाई।

पेनुकोंडा में रोड ओवर ब्रिज का लोकार्पण

दिनांक 5 जनवरी, 2025 को वी. सोमन्ना ने पेनुकोंडा में लेवल क्रॉसिंग 83 के स्थान पर नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) को राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर मंत्री एस. सवीथा (बीसी



कल्याण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण, और हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री, आंध्र प्रदेश), बी.के. पार्थसारथी (सांसद, हिंदुपुर), पल्ले सिंधुरा रेड्डी (विधायक, पुट्टापर्थी) और एस. मंगम्मा (एमएलसी) उपस्थित थे।

कोप्पल में रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन

दिनांक 14 जनवरी, 2025 को वी. सोमन्ना ने कोप्पल में लेवल क्रॉसिंग 66 के स्थान पर नवनिर्मित रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में कुश्तगी के विधायक और विपक्ष के मुख्य सचेतक डोड्डनगौड़ा एच. पाटिल, कोप्पल सांसद के. राजशेखर हितनाल, कोप्पल विधायक के. राघवेंद्र हितनाल, गंगावती विधायक जी. जनार्दन रेड्डी, हेमलता नायक (एमएलसी), अमजद पटेल (कोप्पल नगर परिषद अध्यक्ष), हुबली की मंडल रेल प्रबंधक बेला मीना मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) मौजूद रहे।



प्रमुख रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा

इसी दिन, वी. सोमन्ना ने कोप्पल से गडग होते हुए कज्जिडोनी तक नई रेलवे लाइन और गडग-होटगी रेलवे लाइन दोहरीकरण सहित कई महत्त्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) अजय शर्मा, हुबली के मंडल रेल प्रबंधक बेला मीना और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।■

हजरत निजामुद्दीन- केएसआर बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस अब यादगिर स्टेशन पर रुकेगी, रेल राज्य मंत्री ने किया शुभारंभ

दिनांक 28 जनवरी, 2025 को रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने हजरत निजामुद्दीन–केएसआर बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस को यादगिर रेलवे स्टेशन पर ठहराव की सुविधा के साथ वीडियो लिंक के माध्यम से हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर रायचूर के सांसद जी. कुमार नाइक भी वीडियो लिंक के माध्यम से जुड़े। साथ ही यादगिर रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में गुरमिटकल के विधायक शरणगौड़ा कंदकुर, यादगिर के विधायक चन्नारेड्डी पाटिल तुन्नूर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सोमन्ना ने कहा कि राजधानी एक्सप्रेस के यादगिर स्टेशन पर ठहराव के साथ, लोगों की एक लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि यादगिर और आसपास के क्षेत्रों के लोग मुख्य रूप से विभिन्न स्थानों की यात्रा के लिए रेल परिवहन पर निर्भर हैं और बड़ी संख्या में लोग विभिन्न कार्यों के लिए बेंगलुरु जाते हैं। राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन इस क्षेत्र के लोगों के लिए दिल्ली और बेंगलुरु की यात्रा के लिए एक सुविधाजनक विकल्प प्रदान करती है।



मंत्री ने यह भी बताया कि इस क्षेत्र के तीन प्रमुख रेलवे स्टेशन–यादगिर, रायचूर और बीदर को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कलबुर्गी–एसएमवीटी बेंगलुरु के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को भी यादगिर स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।■

सांसदों ने दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के साथ प्रमुख रेल विकास कार्यों पर की चर्चा



दक्षिण पूर्व रेलवे की मंडल समितियों के सांसदों ने 9 जनवरी को कोलकाता और 13 जनवरी, 2025 को टाटानगर में अनिल कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे से रेलवे मुद्दों और बुनियादी ढाँचे के विकास पर चर्चा की।

इन बैठकों में खड़गपुर, आद्रा, चक्रधरपुर और रांची मंडल शामिल थे और इन्हें क्रमशः सांसद शत्रुघ्न प्रसाद सिन्हा और विद्युत बरण महतो ने सभापति के रूप में संबोधित किया। कुल 20 सांसदों ने इस बैठक में भाग लिया, जिनमें कालिपदा सरें, जूने मालिया, अभिमन्यु सेठी, अभिजीत गांगोपाध्याय, चंद्रप्रकाश चौधरी, ज्योतिर्मय सिंह महतो, अरुप चक्रवर्ती, ढुलू महतो, प्रदीप कुमार वर्मा, आदित्य प्रसाद, दीपक प्रकाश, जोबा मांझी, सुखदेव भगत, काली चरण सिंह, काली चरण मुंडा, मनीष जायसवाल और टांकधर त्रिपाठी शामिल थे।

बैठक के दौरान मिश्रा ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में दक्षिण पूर्व रेलवे के माल और यात्री सेवा प्रदर्शन का विवरण प्रस्तुत किया। संसद सदस्यों ने ट्रेन सेवाओं को सुधारने के लिए सुझाव दिए, जिसमें नई ट्रेनों की मांग, अतिरिक्त स्टॉपेज, बेहतर समय पालन, और स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन की बातें की गईं। इसके अतिरिक्त, सांसदों ने नए रेलवे लाइनों, रोड ओवरब्रिज, अंडरपास और ट्रेन सेवाओं के विस्तार जैसी परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की बात की।

सांसदों ने दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रयासों की सराहना की और क्षेत्र में रेलवे नेटवर्क के सुचारू संचालन और विकास में अपना समर्थन व्यक्त किया।■

भारतीय रेल के विद्युतीकरण के 100 साल

डॉ जयदीप गुप्ता
(अपर सदस्य, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन, रेलवे बोर्ड

पहिए के अविष्कार के साथ ही दुनिया कई गुना तेजी से आगे बढ़ने लगी। इस रफ्तार को नई दिशा सितंबर 1825 में तब मिली, जब दुनिया की पहली ट्रेन ने अपनी यात्रा शुरू की। इसी क्रम में 28 साल बाद दिनांक 16 अप्रैल, 1853 को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब 72 वर्षों बाद दिनांक 3 फरवरी 1925 ने भारतीय रेल ने एक और अध्याय जोड़ते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) से कुर्ला, मुंबई तक बिजली से चलने वाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान रच दिया। अब साल 2025 भारत में रेल विद्युतीकरण के 100 साल पूरे के होने के साथ, भारत अपने ब्रॉड गेज नेटवर्क के 100% विद्युतीकरण के कगार पर है जो भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि भारत में पहली रेल यात्रा के समान ही ऐतिहासिक

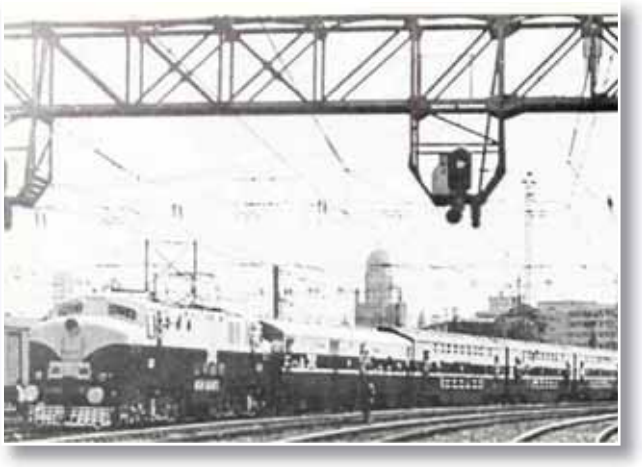


भारतीय रेल द्वारा पहली विद्युत चालित ट्रेन दिनांक 3 फरवरी, 1925 को तत्कालीन बॉम्बे वीटी अब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (मुंबई) से कुर्ला के बीच हार्बर लाइन पर चलाई गई थी

है तथा भारतीय रेल के विद्युतीकरण में एक सदी की प्रगति का प्रतीक है।

विद्युतीकरण की ओर : एक सदी का सफर

दुनिया में पहली बार रेल संचालन के केवल 28 वर्षों के भीतर भारत में भी रेलगाड़ियां दौड़ने लगीं। हालांकि, बिजली से चलने वाले इंजनों को अपनाने में भारत को अधिक समय लगा। वर्ष वर्ष 1879 में जर्मनी में पहली बार इलेक्ट्रिक यात्री ट्रेन चली, लेकिन भारत में यह तकनीक पहुँचने में 46 वर्षों का समय लगा। दुनिया की पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन वर्ष 1879 में चलाई गई, जबकि भारत ने 1925 में पहली बार इस सुविधा की शुरुआत की।



बिजली से चलने वाले इंजनों ने बहुत कम समय में अपनी उपयोगिता साबित करने में सफलता हासिल कर ली। ये इंजन अधिक ताकतवर, तेज और कुशल थे। कम रखरखाव के साथ ये प्रदूषण रहित थे एवं भारी-भरकम ट्रेनों को तीव्र ढलानों पर आसानी से खींच सकते थे। आरंभिक दिनों में विद्युतीकरण की लागत अधिक थी, लेकिन शहरी यातायात और मुंबई जैसे महानगरों के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हुई।

भारतीय रेल के ब्रॉड गेज नेटवर्क का 97 प्रतिशत



मुंबई में विद्युतीकरण : पहला कदम

20वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में मुंबई की तेजी से बढ़ती जनसंख्या के लिए यातायात के लिए एक प्रभावी और कुशल समाधान खोजना आवश्यक हो गया था। भाप इंजन पुणे और नासिक की ओर जाने वाले तीव्र ढलानों को संभालने में असमर्थ थे। इससे विद्युतीकरण की आवश्यकता और बढ़ गई।

वर्ष 1904 में बॉम्बे प्रेसीडेंसी सरकार के मुख्य अभियंता डब्ल्यू. एच. व्हाइट ने मुंबई में दो प्रमुख रेल नेटवर्क- ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे (GIP) और बॉम्बे बड़ौदा एंड सेंट्रल इंडिया रेलवे (BB&CI) को विद्युतीकृत करने का प्रस्ताव रखा। हालांकि प्रथम विश्व युद्ध की वजह से इस परियोजना को अस्थायी रूप से रोक दिया गया, लेकिन वर्ष 1920 तक बॉम्बे-पुणे, इगतपुरी और वसई लाइनों के विद्युतीकरण की योजनाओं को मंजूरी मिल गई।

दिनांक 3 फरवरी, 1925 को भारत की पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन ने 1500 वोल्ट डायरेक्ट करंट (DC) पर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और कुर्ला के बीच 16 कि.मी. की दूरी तय की। यह भारतीय रेल के स्वच्छ और आधुनिक परिवहन की शुरुआत का प्रतीक बनी। इस कदम के साथ, भारत दुनिया का 24वां और एशिया का तीसरा देश बन गया, जिसने इलेक्ट्रिक रेल सेवाएं संचालित कीं।



दक्षिण भारत में विद्युतीकरण

मुंबई के साथ-साथ दक्षिण भारत ने भी विद्युतीकरण की दिशा में कदम बढ़ाए। साउथ इंडियन रेलवे (SIR), जो दक्षिण भारत में प्रमुख रेलवे नेटवर्क थी। उसने अपने उपनगरीय नेटवर्क को 1500 वोल्ट DC सिस्टम पर विद्युतीकृत किया। मद्रास बीच (अब चेन्नई) से ताम्बरम तक की लाइन को 1931 तक पूरा कर लिया गया। यह खंड भारत के कुछ मीटर गेज विद्युतीकृत मार्गों में से एक है। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के समय तक, देश में मात्र 388 कि.मी. रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था, जो मुख्य रूप से मुंबई और मद्रास के आस-पास केंद्रित था।



पूर्वी भारत में विद्युतीकरण की शुरुआत

जहाँ मुंबई ने विद्युतीकरण में अग्रणी भूमिका निभाई, वहीं पूर्वी भारत में यह प्रक्रिया देरी से शुरू हुई। इसका मुख्य कारण विश्व युद्धों और वर्ष 1930 के दशक की महामंदी जैसी घटनाएँ थीं। वर्ष 1950 के दशक में कोलकाता (तब कलकत्ता) में विद्युतीकरण की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ी। वर्ष 1954 में, भारतीय रेल ने यूरोपीय विद्युतीकरण मॉडल का अध्ययन किया और, इस क्षेत्र के लिए 3000 वोल्ट DC सिस्टम को चुना। दिसंबर 1957 में हावड़ा और शियोराफुली के बीच पूर्वी भारत के पहले विद्युतीकृत ट्रैक का उद्घाटन हुआ।



वर्ष 2014 के बाद रेलवे विद्युतीकरण की प्रगति (दिनांक 31 दिसम्बर, 2024 तक) :

क्र.सं.	वर्ष	CORE द्वारा	कुल	कुल (संचयी)
1	मार्च 2014 तक	21388	21801	21801
2	2014-15	1097	1176	22977
3	2015-16	1174	1502	24479
4	2016-17	1004	1646	26125
5	2017-18	3155	4087	30212
6	2018-19	3614	5276	35488
7	2019-20	2606	4378	39866
8	2020-21	2861	6015	45881
9	2021-22	4283	6366	52247
10	2022-23	4770	6565	58812
11	2023-24	1971	4644	63456
12	2024-25	106	1091	64547
कुल		26641 (अंतिम 11 वर्ष)	42746 (अंतिम 11 वर्ष)	64547

नवंबर 1957 में भारतीय रेल ने 25 kV AC प्रणाली को विद्युतीकरण के लिए मानक के रूप में अपनाया इसी समय फ्रांस की SNCF ने 25,000 वोल्ट AC सिस्टम विकसित की, जिसे शुरू में संदेह की दृष्टि से देखा गया। वर्ष 1959 में राजखरसावन-डांगोपोसी खंड पर इस सिस्टम का सफल परीक्षण हुआ। नवंबर वर्ष 1957 में भारतीय रेल ने 25 kV AC प्रणाली को विद्युतीकरण के लिए मानक के रूप में अपनाया, जिससे भारत ऐसा करने वाला सोवियत संघ के बाद दूसरा देश बना।

स्वच्छ परिवहन की ओर एक सशक्त कदम : रेल विद्युतीकरण का राष्ट्र पर गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। यह परिवहन को स्वच्छ और हरित माध्यम प्रदान करता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। बेहतर ढुलाई क्षमता और लाइन हॉल लागत में सुधार के साथ, यह रेल नेटवर्क को और अधिक कुशल एवं किफायती बनाता है। इसके अलावा, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर यह सतत विकास में योगदान देता है। कच्चे तेल पर निर्भरता घटने से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत भी सुनिश्चित होती है, जिससे राष्ट्र की आर्थिक मजबूती सुनिश्चित होती है।

पूरे भारत में विद्युतीकरण : एक नया युग

वर्ष 1966 तक, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रीय रेलवे में माल परिवहन का आधे से अधिक हिस्सा इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन द्वारा संचालित होने लगा। हावड़ा, सियालदह और खड़गपुर मंडलों में उपनगरीय नेटवर्क तेजी से विद्युतीकृत हुआ। इलेक्ट्रिक ट्रेनों के लाभ, जैसे कि डीजल पर निर्भरता में कमी, अधिक दक्षता और पर्यावरण संरक्षण, ने विद्युतीकरण प्रक्रिया को और तेज किया। आने वाले दशकों में भारतीय रेल के विद्युतीकरण ने अभूतपूर्व गति पकड़ी।

राज्य-वार विद्युतीकृत नेटवर्क (RKM) (01.01.2025 तक)

क्र. सं.	राज्य	कुल ब्रॉडगेज रूट कि.मी.	ब्रॉडगेज विद्युतीकरण रूट कि.मी. 31.12.2024	शेष रूट कि.मी.	% विद्युतीकृत
1	आंध्र प्रदेश	3841	3841	0	100.00%
2	बिहार	3855	3855	0	100.00%
3	चंडीगढ़	6	16	0	100.00%
4	छत्तीसगढ़	1297	1297	0	100.00%
5	दिल्ली	83	183	0	100.00%
6	हरियाणा	1780	1780	0	100.00%
7	हिमांचल प्रदेश	7	67	0	100.00%
8	जम्मू एवं कश्मीर	396	396	0	100.00%
9	झारखंड	2577	2577	0	100.00%
10	केरल	1046	1046	0	100.00%
11	मध्य प्रदेश	4962	4962	0	100.00%
12	महाराष्ट्र	5815	5815	0	100.00%
13	मेघालय	9	9	0	100.00%
14	नागालैंड	11	11	0	100.00%
15	ओडिशा	2918	2918	0	100.00%
16	पुदुचेरी	1	21	0	100.00%
17	पंजाब	2288	2288	0	100.00%
18	तेलंगाना	1923	1923	0	100.00%
19	उत्तर प्रदेश	8546	8546	0	100.00%
20	उत्तराखंड	7	347	0	100.00%
21	पश्चिम बंगाल	4032	3977	55	98.64%
22	राजस्थान	5961	5805	156	97.38%
23	गुजरात	4087	3972	115	97.19%
24	कर्नाटक	3615	3488	127	96.49%
25	तमिलनाडु	3898	3659	239	93.87%
26	गोवा	6	164	22	88.17%
27	त्रिपुरा	7	153	114	57.30%
28	असम	2533	1431	1102	56.49%
29	अरुणांचल प्रदेश	12	0	12	0.00%
30	मणिपुर	3	0	13	0.00%
31	मिजोरम	2	0	2	0.00%
32	सिक्किम	0	0	0	0.00%
कुल		**66,504**	**64,547**	**1957**	**97.06%**

दिसम्बर, 2024 तक 12 क्षेत्रीय रेलवे यथा दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्व तट रेलवे, मध्य रेल, पूर्व रेलवे, कोंकण रेलवे कार्पो. लि., मेट्रो, दक्षिण पूर्व रेलवे एवं मध्य रेलवे पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुके है।

वर्ष 2014-15 के बीच हर दिन करीब 1.42 कि.मी. विद्युतीकरण किया जाता था। इस अवधि में भारतीय रेल ने ब्रॉड गेज नेटवर्क पर लगभग 45,200 रूट कि.मी. का विद्युतीकरण पूरा किया। वहीं वर्ष 2023-24 के दौरान प्रतिदिन करीब 19.7 कि.मी. विद्युतीकरण का रिकॉर्ड बना। 2014 तक देश में जहाँ 21801 RKM रहा वहीं वर्ष 2014-24 के बीच विद्युतीकरण में अभूतपूर्व प्रगति हुई और महज एक दशक में 44199 RKM किया गया। वर्ष 2025 में, जब भारत रेल विद्युतीकरण के 100 वर्षों का जश्न मनाएगा, यह उपलब्धि उस दूरदृष्टि और तकनीकी प्रगति की गवाही देगी, जिसने भारतीय रेल को दुनिया के सबसे बड़े और आधुनिक नेटवर्क में से एक बना दिया।



एलटीसी के तहत अब सरकारी कर्मचारी प्रीमियम ट्रेनों में कर सकेंगे यात्रा

सभी स्तरों के सरकारी कर्मचारी अब अत्याधुनिक वंदे भारत, तेजस और हमसफर एक्सप्रेस में विश्व स्तरीय यात्रा का अनुभव प्राप्त करते हुए अपने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) का लाभ उठा सकते हैं। भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने विभिन्न विभागों के अनुरोधों पर विचार करने के बाद इन विश्व स्तरीय ट्रेनों में गृहनगर के साथ-साथ भारत में कहीं भी एलटीसी उद्देश्य से रेल यात्रा की अनुमति दी है।

सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए शानदार यात्रा

इस निर्णय के साथ, केन्द्र सरकार के सभी कर्मचारी अब अपने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) का उपयोग करते हुए 241 अतिरिक्त ट्रेनों की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। अब वे 136 वंदे भारत, 97 हमसफर और 8 तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा कर सकते हैं। सरकारी कर्मचारी पहले से ही राजधानी, शताब्दी और दुरंतो शृंखला की श्रेणी में 144 मौजूदा हाई-एंड ट्रेनों में शानदार एसी यात्रा का लाभ उठा रहे हैं। इस निर्णय के साथ, देश के सभी क्षेत्रों में कुल 385 ट्रेनें होंगी जहाँ वे चल रही हैं, जिनमें सरकारी कर्मचारियों द्वारा एलटीसी यात्रा के लिए टिकट बुक किए जा सकते हैं।

वंदे भारत, तेजस और शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों में छोटी और मध्यम दूरी की रेल यात्रा में, कर्मचारी लेवल 11 तक की चेयर कार यात्रा का लाभ उठा सकते हैं। लेवल 12 और उससे ऊपर के कर्मचारी इन ट्रेनों में एग्जीक्यूटिव चेयर कार यात्रा के हकदार हैं। लंबी दूरी की यात्रा के लिए, जहाँ कोच में बर्थ होती है, जैसे राजधानी जैसी आलीशान ट्रेनें, लेवल 12 और उससे ऊपर के कर्मचारी एसी 2 क्लास में यात्रा कर सकते हैं। लेवल 6 से 11 तक, कर्मचारी एसी 2 क्लास में यात्रा कर सकते हैं, जबकि अन्य



सभी यानी लेवल 5 और उससे नीचे के कर्मचारी अपने एलटीसी के दौरान एसी 3 क्लास में यात्रा कर सकते हैं।

एलटीसी : सरकारी कर्मचारियों के लिए भारत घूमने के लिए रियायती यात्रा

एलटीसी (लीव ट्रैवल कंसेशन) सरकारी कर्मचारियों को दी जाने वाली रियायती यात्रा सुविधा है, जो उन्हें चार साल के ब्लॉक के दौरान अपने गृहनगर या भारत में किसी भी स्थान पर जाने की अनुमति देती है। कर्मचारी दो साल के ब्लॉक में दो बार गृहनगर एलटीसी का लाभ उठा सकते हैं, या वे चार साल के ब्लॉक के दौरान एक बार अपने गृहनगर और एक बार भारत में किसी भी स्थान पर जाने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।■



आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल, कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

सभी रेल सेवाओं हेतु सुपर एप

स्वरेल

जल्द होगा सभी के लिए लाँच

रेल मंत्रालय ने दिनांक 31 जनवरी, 2025 को सुपर ऐप 'स्वरेल' प्रस्तुत किया है, जो आम लोगों को व्यापक रेलवे सेवाएं प्रदान करने वाला वन-स्टॉप समाधान है। वर्तमान में बीटा परीक्षण में, ऐप गूगल प्ले स्टोर और एपल एप स्टोर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है। ऐप का मुख्य केंद्रबिंदु एक सहज और स्वच्छ उपयोगकर्ता इंटरफेस (यूआई) के साथ उपयोगकर्ता अनुभव को उन्नत बनाना है। यह विभिन्न रेलवे सेवाओं को एकीकृत करता है, जिससे कई अनुप्रयोगों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और उपयोगकर्ता उपकरणों पर स्थान की खपत में कमी आएगी।

रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) द्वारा विकसित सुपरऐप भारतीय रेल के सभी सार्वजनिक-संबंधी अनुप्रयोगों को एक ही स्थान पर एकीकृत करता है। यह ऐप उपयोगकर्ता की कई तरह की आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिनमें सम्मिलित हैं :

- आरक्षित टिकट बुकिंग
- अनारक्षित टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग
- पार्सल और माल ढुलाई संबंधी पूछताछ
- ट्रेन और पीएनआर स्थिति पूछताछ
- ट्रेनों में भोजन का ऑर्डर
- शिकायत प्रबंधन के लिए रेल मदद

भारतीय रेल का सुपर ऐप शीघ्र ही आम लोगों के लिए जारी किया जाएगा। भारतीय रेल द्वारा वर्तमान में अलग-अलग मोबाइल ऐप पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओं को यह ऐप एक ही यूजर इंटरफेस में एकीकृत करता है, जिससे सहज नेविगेशन सुनिश्चित होता है।

सुपरऐप की अनूठी विशेषताएं

- **सिंगल साइन-ऑन**- उपयोगकर्ता एक ही पहचान का प्रमाण का उपयोग करके सभी सेवाओं तक पहुँच सकेंगे। इसके अलावा, वही पहचान के प्रमाण मौजूदा भारतीय रेल ऐप जैसे आईआरसीटी रेलकनेक्ट, यूटीएस मोबाइल ऐप आदि में प्रयोग किए जाएँगे।
- **ऑल-इन-वन ऐप**- वर्तमान में, आरक्षित और अनारक्षित बुकिंग के लिए अलग-अलग ऐप उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, ट्रेन की आवाजाही और समयसारिणी की जाँच करने के लिए



एक अलग ऐप की आवश्यकता होती है। ये सभी सेवाएँ अब एकीकृत ऐप के माध्यम से उपलब्ध होंगी।

- **एकीकृत सेवाएँ**- विभिन्न स्रोतों से व्यापक जानकारी को सुसंगत और एकीकृत तरीके से प्रदान करने के लिए सेवाओं को एकीकृत किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, पीएनआर पूछताछ में सम्बन्धित ट्रेन की जानकारी भी प्रदर्शित होगी।
- **आसान ऑनबोर्डिंग/साइन-अप**- उपयोगकर्ता अपने मौजूदा रेलकनेक्ट या यूटीएस ऐप पहचान का प्रमाण का उपयोग करके सुपरऐप का प्रयोग कर सकते हैं। उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने और ऐप को आसानी से सुलभ बनाने के लिए साइन-अप प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।
- **लॉग इन करने में आसानी**- उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई लॉगिन विकल्प प्रदान किए गए हैं। एक बार लॉग इन करने के बाद, ऐप को एम-पिन या बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करके प्रयोग किया जा सकता है।

उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित

रेल मंत्रालय उपयोगकर्ताओं को इस बीटा चरण के दौरान सुपरऐप का अनुभव करने और इसके सुधार के लिए बहुमूल्य प्रतिक्रिया देने के लिए आमंत्रित करता है। यह पहल रेलवे उपयोगकर्ताओं

के लिए सुविधा बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। सुपरऐप भारतीय रेल सेवाओं तक अधिक तीव्र, सरल और अधिक कुशल पहुँच प्रदान करता है। उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया और सुझावों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए सीआरआईएस टीम द्वारा सुपरऐप बीटा परीक्षण चरण की बारीकी से निगरानी की जा रही है। गहन मूल्यांकन के बाद, मंत्रालय ऐप के बड़े पैमाने पर शुभारंभ की योजना बनाएगा।

ऐप का प्रयोग कैसे करें

- सीआरआईएस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ऐप डाउनलोड करें।
- रेलकनेक्ट या यूटीएस मोबाइल ऐप के मौजूदा उपयोगकर्ता अपने पहचान के प्रमाण के साथ सीधे लॉग इन कर सकते हैं।
- नये उपयोगकर्ता न्यूनतम डेटा प्रविष्टि आवश्यकताओं के साथ पंजीकरण कर सकते हैं।

सुपरऐप के बारे में

सुपरऐप एक वन-स्टॉप समाधान है जो भारतीय रेल की कई सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें आरक्षित और अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म और पार्सल बुकिंग, ट्रेन और पीएनआर पूछताछ और रेल मदद के माध्यम से सहायता शामिल है।

ऐप उपयोगकर्ताओं को अपने मौजूदा रेलकनेक्ट या यूटीएस ऑन मोबाइल पहचान के प्रमाण का उपयोग करके प्रयोग करने की अनुमति देता है। एक बार पंजीकृत होने के बाद, इन प्लेटफॉर्म पर समान पहचान के प्रमाण लागू होते हैं। सिंगल-साइन-ऑन सुविधा कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता को कम करती है।

पहले लॉग इन पर, टिकट बुकिंग की सुविधा के लिए प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए एक आर-वॉलेट बनाया जाता है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से मौजूदा आर-वॉलेट स्वचालित रूप से लिंक हो जाते हैं। ऐप एक संख्यात्मक एम-पिन का उपयोग करके एक सुरक्षित और सुविधाजनक लॉगिन विकल्प भी प्रदान करता है। पूछताछ के लिए, उपयोगकर्ता मोबाइल नंबर/ओटीपी के माध्यम से अतिथि के रूप में लॉग इन कर सकते हैं।■

रेल पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा
विगत 68 वर्षों से भी
अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं

अब
ई-पत्रिका
भी उपलब्ध



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें



Indian Railways
(English)

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

दरें एवं शर्तें लागू

सदस्य वित्त, रेलवे बोर्ड ने किया चिरेका का दौरा



दिनांक 12 जनवरी, 2025 को रूपा श्रीनिवासन, सदस्य वित्त, रेलवे बोर्ड ने चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) का दौरा किया। सदस्य ने वित्त वर्ष 2024-25 का चिरेका उत्पादित 500वाँ रेल इंजन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद विजय कुमार, महाप्रबंधक, चिरेका के साथ उनके कार्यालय में श्रीनिवासन ने बैठक कर विविध विषयों पर चर्चा की, जिसमें अंगशुमन सरकार, प्रमुख वित्त सलाहकार सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।■

सदस्य, कर्षण एवं चल स्टॉक, रेलवे बोर्ड ने आरडीएसओ का दौरा किया

आरडीएसओ में दिनांक 27 दिसम्बर, 2024 को बृज मोहन अग्रवाल, सदस्य, कर्षण एवं चल स्टॉक, रेलवे बोर्ड की अध्यक्षता में रेलवे बोर्ड, आरडीएसओ एवं पीएलडब्लू, पटियाला के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में इलेक्ट्रिक इंजनों एवं ट्रैक्शन इंस्टॉलेशन उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए आधुनिक एवं अभिनव प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने ट्रेक्शन रोलिंग स्टॉक के प्रोजेक्ट पर चर्चा की और वर्तमान समस्याओं को दूर करने के लिए किए जा रहे अभिनव प्रयास एवं विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए आवश्यक मदों पर भी विचार विमर्श किया। एमटीआरएस ने आरडीएसओ की सराहनीय भूमिका पर प्रकाश डाला और नवीनतम परिस्थितियों में आरडीएसओ को उचित डिज़ाइन स्पेसिफिकेशन बनाने के साथ



साथ गुणवत्ता ऑडिट करने पर भी जोर दिया, जिससे कि चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय रेल को विश्वसनीय एवं त्वरित सेवाएँ प्रदान की जा सकें।■

महानिदेशक, रेलवे स्वास्थ्य सेवा ने मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू परिसर का किया उद्घाटन



पेरम्बूर में नवनिर्मित दक्षिणी रेलवे मुख्यालय अस्पताल में अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर (एमओटी) और गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) परिसर का उद्घाटन दिनांक 3 जनवरी, 2025 को रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. मान सिंह ने दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर डॉ. मान सिंह ने अस्पताल की उन्नत क्षमताओं पर प्रकाश डाला और अस्पताल में स्नातकोत्तर संस्थान स्थापित करने की योजना साझा की। उन्होंने कॉर्पोरेट स्वास्थ्य मानकों से मेल खाने के लिए रोबोटिक सर्जरी शुरू करने की क्षमता पर भी जोर दिया। सिंह ने कहा कि नई सुविधा से कैंसर चिकित्सा के लिए रेलवे रोगियों को लाभ होगा और आम जनता का भी किफायती दर पर इलाज किया जा सकेगा।■

विशिष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मी राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर राष्ट्रपति ने विशिष्ट और सराहनीय सेवा के लिए आरपीएफ/आरपीएसएफ के निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम), सेवा के विशेष रूप से प्रतिष्ठित रिकॉर्ड के लिए तथा सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) से सम्मानित किया है

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक



अमिय नंदन सिन्हा
आईजी सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त,
उत्तर मध्य रेलवे

सराहनीय सेवा के लिए पदक



सचिन अशोक भलोदे
उप महानिरीक्षक,
उत्तर रेलवे



पी. वी. संथाराम
उप महानिरीक्षक,
दक्षिण पूर्व रेलवे



ए. इब्राहिम शेरिफ
उप महानिरीक्षक,
दक्षिण रेलवे



सुनील चंद
निरीक्षक, 9बीएन/रे.सु.वि.ब.



श्रीनिवास राव डोंथागानी
इंस्पेक्टर, दक्षिण मध्य रेलवे



चन्द्रकांत तिवारी
इंस्पेक्टर, 6बीएन/रे.सु.वि.ब.



कालू सेठी
निरीक्षक, पूर्व तट रेलवे



दिनेश चौधरी
सब इंस्पेक्टर, पूर्व मध्य रेलवे



गुरबिंदर सिंह
सब इंस्पेक्टर, 7बीएन/रे.सु.वि.ब.



रोहिताश आर्य
सब इंस्पेक्टर, 6बीएन/रे.सु.वि.ब.



महमूद हसन
सहायक सब इंस्पेक्टर, उत्तर रेलवे



आलोक रंजन मित्रा
सहायक सब इंस्पेक्टर, पूर्वी रेलवे



पुत्तूर रविचंद्रन
सहायक सब इंस्पेक्टर/चालक,
दक्षिण मध्य रेलवे



उत्तम कुमार ब्रह्मा
हेड कांस्टेबल, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे



आशा
महिला हेड कांस्टेबल, पूर्वोत्तर रेलवे

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024

दक्षिण मध्य, पश्चिम रेलवे और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री को किया गया सम्मानित

यह पुरस्कार समारोह दिनांक 14 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुआ, जिसमें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। श्रीपद नाइक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री के साथ, उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता के पुरस्कार और राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्रदान किए।



दक्षिण मध्य रेलवे

दक्षिण मध्य रेलवे को 6 राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्राप्त हुए। पुरस्कार निम्नलिखित हैं :

- प्रथम पुरस्कार- गुंटकल मंडल रेलवे अस्पताल (अस्पताल क्षेत्र)।
- प्रथम पुरस्कार- रेनिगुंटा रेलवे स्टेशन (रेलवे स्टेशन क्षेत्र)
- द्वितीय पुरस्कार- जामीकुंटा रेलवे स्टेशन (रेलवे स्टेशन क्षेत्र)
- प्रशस्ति पत्र- सेंट्रल हॉस्पिटल, लल्लागुड़ा (अस्पताल क्षेत्र)
- प्रशस्ति पत्र- हैदराबाद रेलवे स्टेशन (रेलवे स्टेशन क्षेत्र)।
- प्रशस्ति पत्र- निजामाबाद रेलवे स्टेशन (रेलवे स्टेशन क्षेत्र)

इन पुरस्कारों को दक्षिण मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता बृज मोहन मीना, मुख्य विद्युत अभियंता विष्णु कांत और गुंटकल मंडल के प्रबंधक एम. विजय कुमार ने प्राप्त किया। अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने सम्बन्धित ऊर्जा-सक्षम इकाइयों के लिए पुरस्कार ग्रहण किए।

पश्चिम रेलवे

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल को परिवहन क्षेत्र में 'अंडरगियर लाइट्स के स्वचालन' परियोजना के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह पुरस्कार रजनी यादव, वरिष्ठ DEE/राजकोट मंडल ने प्राप्त किया।



इंटीग्रल कोच फैक्ट्री

इंटीग्रल कोच फैक्ट्री को परिवहन क्षेत्र के तहत पेशेवरों के लिए नवाचार पुरस्कार श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार वंदे भारत ट्रेन सेट के निर्माण के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कार इंटीग्रल कोच फैक्ट्री के प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता सी.आर. हरीश ने प्राप्त किया।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024 ने भारतीय रेल की ऊर्जा दक्षता और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाया है।■



भारतीय रेल में उल्लासपूर्ण ढंग से

देश के 76वें गणतंत्र पर भारतीय रेल के सभी स्टेशन तिरंगा रंगों से सराबोर दिखे



जम्मूतवी, जम्मू एवं कश्मीर


दक्षिण रेलवे मुख्यालय चेन्नै, तमिलनाडु



मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन



वाराणसी, उत्तर प्रदेश

मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह



रेल निलयम दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय सिकंदराबाद, तेलंगाना



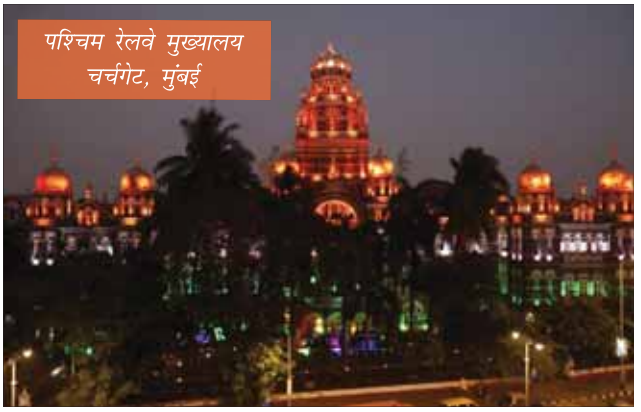
सिद्धरूढ़ स्वामीजी हुब्बलि जंक्शन, कर्नाटक



पूर्वोत्तर सीमा रेलवे मुख्यालय गुवाहाटी



नई दिल्ली



पश्चिम रेलवे मुख्यालय चर्चगेट, मुंबई



अयोध्या धाम जंक्शन, उत्तर प्रदेश

तरुण प्रकाश ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया



दिनांक 1 जनवरी, 2025 को तरुण प्रकाश ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया। इस नियुक्ति से पहले आप रेलवे बोर्ड में प्रधान कार्यकारी निदेशक (सिग्नल एवं दूरसंचार)/ विकास के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। प्रकाश भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरिंग सेवा (IRSSE) के 1988 बैच के अधिकारी हैं। इन्होंने आईआईटी रुड़की से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन में बी.टेक. और आईआईटी दिल्ली से कंप्यूटर साइंस में एम.टेक. की डिग्री प्राप्त की है। प्रबंधन क्षेत्र में इन्होंने बिकोन्नी मेलॉन और आईएसबी हैदराबाद से एवं मलेशिया तथा सिंगापुर जैसे देशों के ख्याति प्राप्त संस्थानों से अध्ययन और प्रशिक्षण प्राप्त किया है।■

अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) 2024 का मेट्रो रेलवे में समापन



अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) 2024 का आयोजन दिनांक 17 और 18 दिसंबर 2024 को मेट्रो रेलवे के बेलगछिया ऑडिटोरियम, कोलकाता में बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता में 18 क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों के 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी ने दीप प्रज्वलित कर किया। दिनांक 18 दिसंबर, 2024 को समापन समारोह के दौरान, रेड्डी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि यह आयोजन न केवल नई प्रतिभाओं को उजागर करेगा, बल्कि रेलवे कर्मचारियों के बीच आपसी मेलजोल को भी बढ़ावा देगा।

प्रतियोगिता के विजेता :

- भारतीय शास्त्रीय (गायन) : पहला स्थान- नाईक सौरभ राजकुमार (सवारी डिब्बा कारखाना), दूसरा स्थान- सुभाजीत पात्र (पूर्व रेलवे), तीसरा स्थान- राजेश्वरी पाटिल (दक्षिण पश्चिम रेलवे)।
- लाइट म्यूजिक (गायन) : पहला स्थान- धरिनी वीराराघवन (पश्चिम रेलवे), दूसरा स्थान- श्रुति गुप्ता (पूर्व रेलवे), तीसरा स्थान- संजीव कुमार सिन्हा (पश्चिम मध्य रेलवे)।
- भारतीय शास्त्रीय (वाद्य यंत्र) : पहला स्थान- सत्येंद्र सिंह सोलंकी (मध्य रेल), दूसरा स्थान- देवेंद्र कुमार श्रीवास (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे), तीसरा स्थान- रामेंद्र सिंह सोलंकी (पश्चिम मध्य रेलवे)।
- लाइट म्यूजिक (वाद्य यंत्र) : पहला स्थान- स्वरजीत गोपाल गुहा (पूर्व रेलवे), दूसरा स्थान- आराध्या प्रवीन (उत्तर रेलवे), तीसरा स्थान- संजीव कुमार सिन्हा (पश्चिम मध्य रेलवे)।■



खेलों में भारतीय रेल



भारतीय रेल के स्वप्निल कुसाले ने भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर प्रोन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।



बेंगलुरु में आयोजित सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय रेल के मिथुन मंजूनाथ ने पुरुष एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता।



भारतीय रेल की जसवीर कौर ने झारखंड में आयोजित 31वें एनटीपीसी सीनियर इंडियन राउंड, 44वें एनटीपीसी सीनियर रिकर्व और 20वें एनटीपीसी सीनियर कंपाउंड नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में कंपाउंड (रैंकिंग और व्यक्तिगत स्पर्धाओं) में कांस्य पदक हासिल किया।



भारतीय रेल पुरुषों की रिकर्व टीम ने जमशेदपुर, झारखंड में आयोजित 44 वीं एनटीपीसी सीनियर रिकर्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया।

भारतीय रेल की पुरुष मुक्केबाजी टीम उत्तर प्रदेश के बरेली में आयोजित 8वीं एलीट पुरुष मुक्केबाजी चैंपियनशिप में उपविजेता बनी।





कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित 16वीं सीनियर बॉडी बिल्डिंग और फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय रेल की टीम चैंपियनशिप जीतने में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए भारतीय रेल की बॉडी-बिल्डिंग टीम को सम्मानित किया गया।

दिनांक 19 से 26 जनवरी, 2025 तक सूरत, गुजरात में आयोजित सीनियर नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में रेलवे की महिला टीम ने चैंपियनशिप और पुरुष टीम ने उपविजेता ट्रॉफी हासिल की।







भारतीय रेल की महिला और पुरुष जिमनास्टिक टीम ने सूरत, गुजरात में आयोजित सीनियर नेशनल जिमनास्टिक चैंपियनशिप में आर्टिस्टिक जिमनास्टिक टीम चैंपियनशिप जीती। प्रणति नायक ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता, जबकि प्रणति दास और प्रोतिस्था सामंता ने व्यक्तिगत महिला स्पर्धाओं में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। सिद्धार्थ वर्मा और आदित्य सिंह राणा ने पुरुषों की ऑल अराउंड स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीते।

गोरखपुर स्टेशन का 140वां स्थापना दिवस सोल्लास आयोजित



दिनांक 15 जनवरी, 2025 को गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन का 140वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। गोरखपुर स्टेशन दिनांक 15 जनवरी, 1885 को अस्तित्व में आया, जब सोनपुर से मनकापुर तक वाया छपरा, सिवान एवं गोरखपुर के मध्य बी.एन.डब्ल्यू द्वारा एक रेल लाइन चालू की गई थी। वर्तमान में गोरखपुर जं. स्टेशन पर विश्व का दूसरा सबसे लम्बा प्लेटफॉर्म है।

वर्ष 1900 में गोरखपुर स्टेशन

तमिलनाडु का अरंथांगी रेलवे स्टेशन 121 शानदार वर्षों का जश्न मना रहा है



दिनांक 2 जनवरी, 2025 को तमिलनाडु का अरनथांगी रेलवे स्टेशन का 212वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्टेशन परिसर में आयोजित विविध कार्यक्रमों में यात्रियों तथा रेल कर्मियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

2 जनवरी, 2025

अमृत भारत स्टेशन योजना

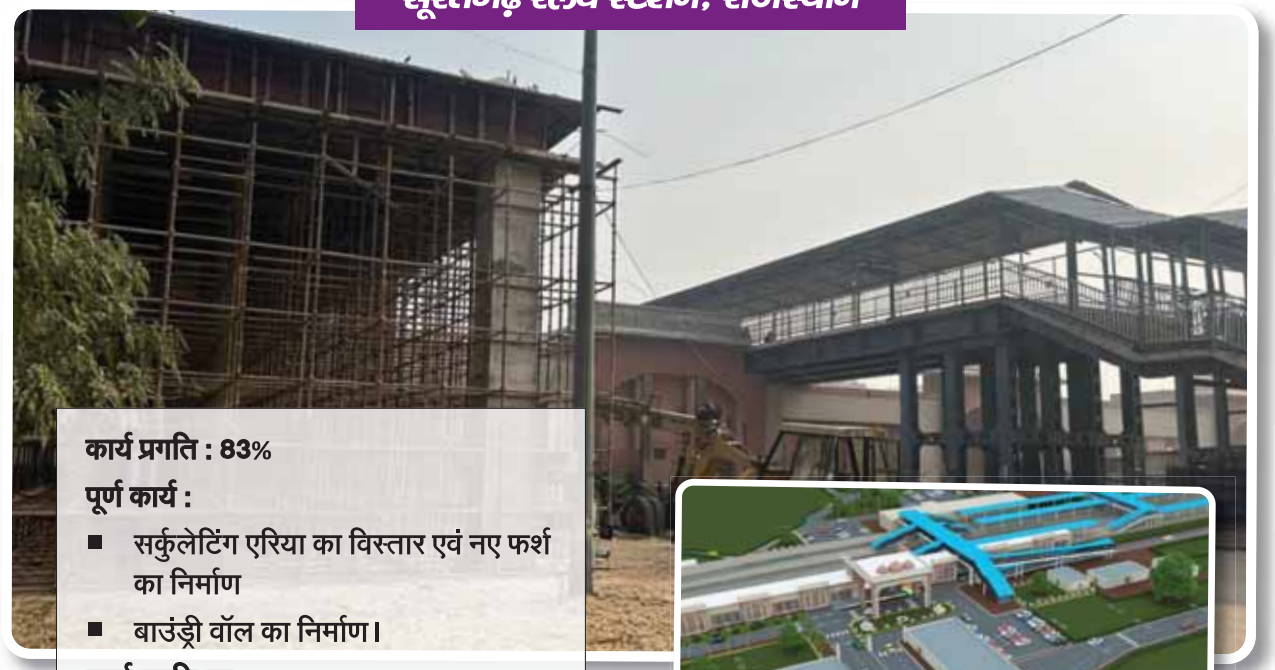
सूबेदारगंज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश



प्रयागराज में पुनर्विकसित स्टेशन सूबेदारगंज – तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए तैयार है

8 जनवरी, 2025

सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन, राजस्थान



कार्य प्रगति : 83%

पूर्ण कार्य :

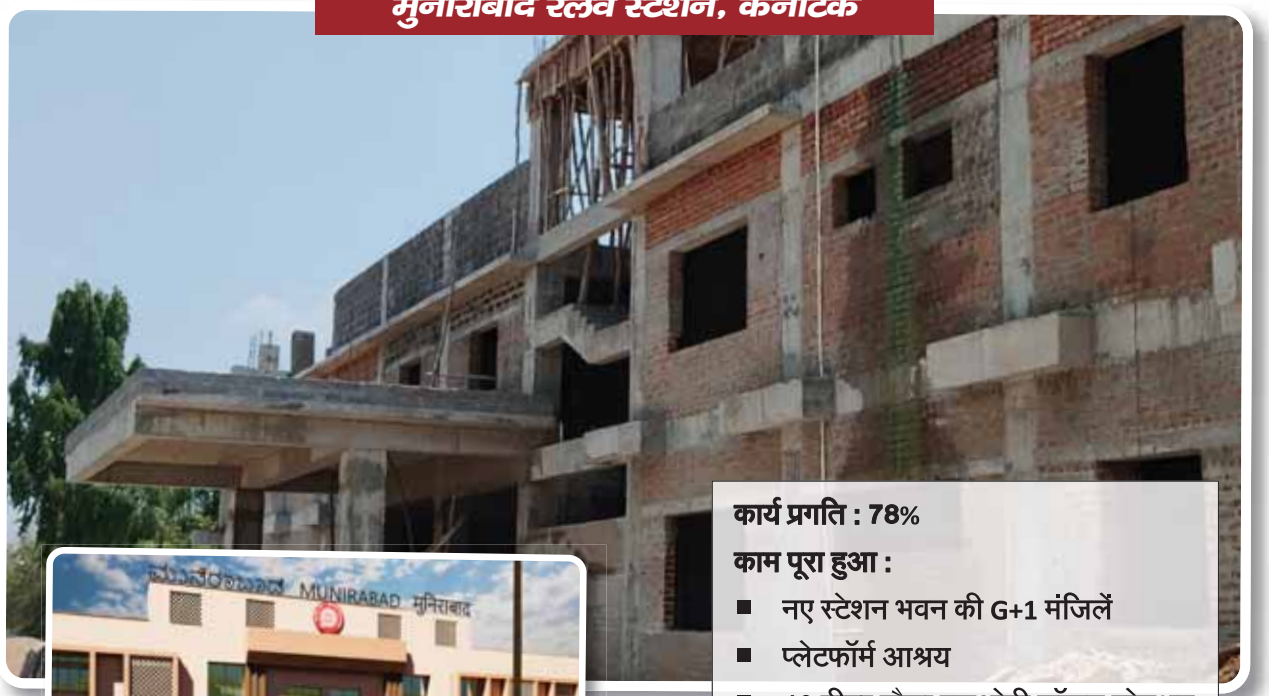
- सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार एवं नए फर्श का निर्माण
- बाउंड्री वॉल का निर्माण।

कार्य प्रगति पर :

- स्टेशन भवन की फिनिशिंग
- नई पार्किंग, लिफ्ट और रैंप का निर्माण

28 दिसम्बर, 2024

मुनीराबाद रेलवे स्टेशन, कर्नाटक





24 दिसम्बर, 2024

कार्य प्रगति : 78%

काम पूरा हुआ :

- नए स्टेशन भवन की G+1 मंजिलें
- प्लेटफॉर्म आश्रय
- 12 मीटर चौड़ा एफओबी कॉलम इरेक्शन
- लिफ्ट और एस्केलेटर नींव

कार्य प्रगति पर है :

- सीढ़ी का मामला और फर्श का काम

चंडीगढ़ जंक्शन





22 दिसम्बर, 2024

समग्र प्रगति : 75%

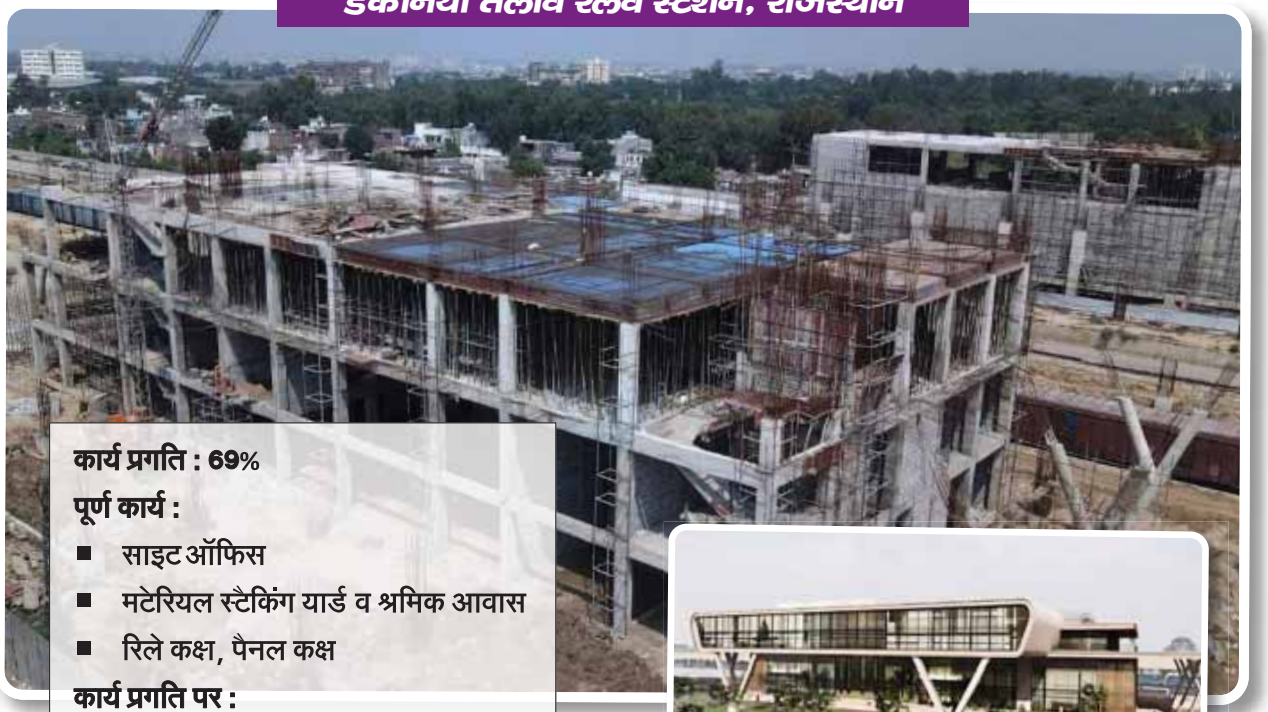
काम पूरा हुआ :

- पंचकूला साइड और चंडीगढ़ साइड स्टेशन बिल्डिंग पर प्रमुख कार्य
- एयर कॉन्कोर्स और एफओबी का निर्माण कार्य

कार्य प्रगति पर है :

- कॉन्कोर्स और एफओबी का निर्माण

डकनिया तलाव रेलवे स्टेशन, राजस्थान



कार्य प्रगति : 69%

पूर्ण कार्य :

- साइट ऑफिस
- मटेरियल स्टैकिंग यार्ड व श्रमिक आवास
- रिले कक्ष, पैनल कक्ष

कार्य प्रगति पर :

- फ्रंट स्टेशन बिल्डिंग
- विद्युत सबस्टेशन
- आरपीएफ कार्यालय, पार्सल कार्यालय

30 दिसम्बर, 2024

बालोतरा रेलवे स्टेशन, राजस्थान



कार्य प्रगति : 65%

पूर्ण कार्य :

- द्वितीय प्रवेश द्वार पर विभिन्न कमरों का सौंदर्यीकरण
- मुख्य भवन में सर्कुलेटिंग एरिया का निर्माण

कार्य प्रगति पर :

- स्टेशन भवन की फिनिशिंग
- नई पार्किंग, फर्श और सीढ़ी का निर्माण

30 दिसम्बर, 2024

कामारेड्डी रेलवे स्टेशन, तेलंगाना



समग्र प्रगति : 33%

कार्य प्रगति पर है :

- स्टेशन भवन और परिसंचारी क्षेत्र में सुधार
- द्वितीय प्रवेश कार्य और मौजूदा शेड को बुकिंग कार्यालय में बदलना
- 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का निर्माण

26 दिसम्बर, 2024

बादशाह नगर रेलवे स्टेशन, उत्तर प्रदेश



31 दिसम्बर, 2024

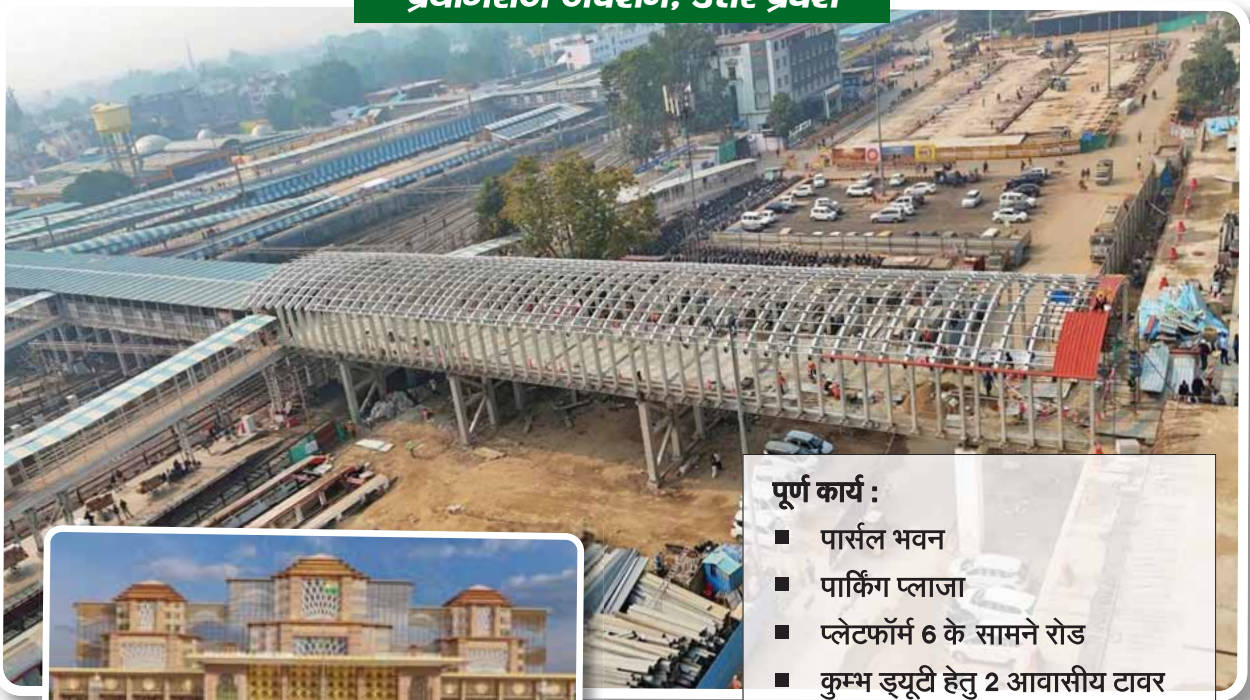
पूर्ण कार्य :

- दूसरे प्रवेश द्वार पर पोर्च, सर्कुलेटिंग एरिया रोड, पार्किंग, प्रतीक्षालय और शौचालय
- मुख्य भवन में सर्कुलेटिंग एरिया का निर्माण

कार्य प्रगति पर :

- प्लेटफॉर्म सरफेसिंग और शेल्टर लगाने का कार्य

प्रयागराज जंक्शन, उत्तर प्रदेश



पूर्ण कार्य :

- पार्सल भवन
- पार्किंग प्लाजा
- प्लेटफॉर्म 6 के सामने रोड
- कुम्भ ड्यूटी हेतु 2 आवासीय टावर

कार्य प्रगति पर :

- स्टेशन भवन के 3 तक व 4जी फ्लोर
- एफओबी रूफ शेड कार्य

7 जनवरी, 2025

मदुरै जंक्शन, तमिलनाडु



काम पूरा हुआ :

- सबस्टेशन भवन
- ईस्ट टर्मिनल बिल्डिंग Seg-1 ग्राउंडवर्क और संरचना

कार्य प्रगति पर है :

- आरपीएफ कैंटीन
- कंक्रीट और स्टील एफओबी
- एयर कॉन्कोर्स
- मल्टी–लेवल पार्किंग

1 जनवरी, 2025

बजट 2025-26 से भारतीय रेल को मिलेगी नयी शक्ति और गति

प्रदीप सरदाना
वरिष्ठ पत्रकार

संसद में इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब वित्त वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत कर रही थीं तो इस बात की संभावना तो थी कि यह बजट कुछ अलग होगा। लेकिन यह बजट इतना शानदार और उम्मीदों से भी ऊपर होगा ऐसी आशंका शायद किसी को नहीं थी। इस बजट ने लगभग सभी वर्ग की झोलियाँ तो भरी ही हैं साथ ही सभी मंत्रालयों को इतना कुछ दिया है कि उनकी पुरानी योजनाएँ तो अविरल चलती ही रहेंगी, साथ ही नया कुछ भी इतना होगा जो देश को विकसित भारत बनाने के साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में भी सहायक रहेगा।

इधर रेल मंत्रालय की बात करें तो यह मंत्रालय देश के लिए ब्रिटिश राज से ही बेहद अहम रहा है। अंग्रेज सरकार में पहले रेल मंत्रालय का बजट आम बजट का हिस्सा था। लेकिन देश में रेल की अहम भूमिका देखकर वर्ष 1921 में तत्कालीन 'ईस्ट इंडिया रेलवे कमेटी' के अध्यक्ष विलियम एक्वर्थ ने रेलवे के विकास के लिए, रेलवे को अपना बजट, अपने वित्तीय प्रबंध अलग से तैयार करने की सिफारिश की। तत्पश्चात वर्ष 1924 से भारत का रेल बजट अलग से प्रस्तुत करने की ऐसी शुरुआत हुई जो वर्ष 2016 तक चलती रही।

हालांकि वर्ष 1950 में भारत का अपना संविधान लागू होने के बाद जब फिर यह प्रश्न उठा कि रेल मंत्रालय का बजट अन्य मंत्रालयों से अलग क्यों रखा जाये तब भी पहली पंचवर्षीय योजना के लिए रेल बजट अलग रखने पर सहमति हुई। लेकिन उसके बाद इसे आम बजट में ही सम्मिलित करने का निर्णय भी हुआ। लेकिन यह परंपरा देश में मोदी सरकार आने के बाद 2016 तक चलती रही। मोदी सरकार में पहले तत्कालीन रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने और फिर पीयूष गोयल ने वर्ष 2016 में अंतिम बार रेल बजट पेश किया। रेल बजट को 92 वर्ष तक अलग पेश करने की परंपरा तब टूटी जब वर्ष 2017 में वित्त मंत्री अरुण जेटली ने रेल बजट का आम बजट में विलय कर इसे एक कर दिया।





भारत में वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही भारतीय रेल का काया पलट करने के लिए, जिस तरह का कृत संकल्प लिया, वह अद्भुत था। रेलवे के प्रति उस तरह का बड़ा और भव्य सपना उनसे पूर्व शायद किसी ने नहीं देखा होगा। उसकी मिसाल इस बात से भी मिलती है कि मोदी सरकार से पहले भारतीय रेल अपनी स्थापना के 160 साल बाद भी उस गंतव्य पर नहीं पहुँच सकी जहाँ उसे पहुँचना चाहिए था। हालांकि ऐसा नहीं कि पूर्व वर्षों में भारतीय रेल में कुछ विकास नहीं हुआ। कई बड़े काम, बदलाव, सुधार और विकास हुए। लेकिन वैश्विक स्तर पर कुछ यूरोपीय देशों के साथ जापान और चीन जैसे देशों ने रेल परिवहन को जो शिखर दिया, उसके सामने हम बहुत पिछड़े रहे।

मिसाल के तौर पर देश में बिजली से चलने वाली पहली रेल आज से 100 साल पहले दिनांक 3 फरवरी, 1925 को चल गयी थी। लेकिन आज तक भारतीय रेल में शत प्रतिशत विद्युतीकरण नहीं हो सका है। मोदी सरकार ने अपने पिछले 10 साल के कार्यकाल में रेल के आधुनिकीकरण के अन्य बहुत से कार्यों के साथ भारतीय रेल को 97 प्रतिशत विद्युतीकरण के स्तर पर तो पहुँचा दिया है। कुछ ही साल में शत-प्रतिशत हो जाएगा।

असल में भारतीय रेल के विद्युतीकरण में 100 बरस से भी ज्यादा लंबा समय लगने के तीन बड़े कारण रहे। रेलवे का कई बरस उपेक्षित रहना। दूसरा बिजली का अपेक्षित उत्पादन न होना। बिजली की पहली जरूरत उद्योग धंधों और घरों के लिए थी। इसलिए जब वहाँ के लिए ही पर्याप्त बिजली नहीं है, तो रेल को बिजली कहाँ से देते। तीसरा रेल के लिए बजट भी इतना कम रहा कि नयी रेलगाड़ियाँ चलाने, पटरियाँ बिछाने और रेल संरक्षा के लिए ही धन संसाधन बहुत कम थे तो विद्युतीकरण के लिए धन कहाँ से आता।

देश स्वतंत्र होने के बाद वित्त वर्ष 1947-48 के लिए देश के प्रथम रेल मंत्री जॉन मथाई ने जो पहला रेल बजट पेश किया उसमें रेलवे को ₹14 करोड़ 28 लाख आवंटित किए गए।

उधर यदि मोदी सरकार से पूर्व के कुछ वर्षों में यूपीए की बात करें तो रेलवे का बजट मात्र 20 से 25 हजार करोड़ होता था। मनमोहन सरकार के वित्त वर्ष 2013-2014 के रेल बजट में भी तत्कालीन रेल मंत्री पवन कुमार बंसल ने कुल ₹63,363 करोड़ के योजना खर्च का प्रस्ताव रखा था। जिसमें सकल बजटीय सहायता तो सिर्फ 26 हजार करोड़ रुपये की थी। करीब 14 हजार करोड़ आंतरिक संसाधनों से जुटाने, 15 हजार करोड़ बाजार से उधार लेने और ₹6 हजार करोड़ सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से एकत्र करने की योजना उसमें थी।

इधर इस बरस मोदी सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रेल मंत्रालय को ₹2 लाख 52000 हजार करोड़ की राशि आवंटित कर स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय रेल का भविष्य और भी उज्ज्वल है। इतने बड़े बजट से भारतीय रेल जल्द ही विश्व रेल परिवहन में अपनी बड़ी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए अत्यंत तीव्र गति से बढ़ सकेगी।

हालांकि यहाँ एक सवाल यह भी है कि गत वर्ष भी वित्त मंत्रालय ने रेल के लिए इतनी ही धन राशि आवंटित की थी तो इस बरस समय के साथ यह राशि और बढ़ी क्यों नहीं? क्या पूर्व आवंटित राशि रेल मंत्रालय खर्च नहीं कर सका? इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपनी एक बातचीत में स्पष्ट किया है कि पूर्व वर्ष में आवंटित राशि का 80 प्रतिशत तो जनवरी 2025 तक व्यय हो चुका है। जाहिर है अब बाकी दो महीनों में इस राशि से और भी खर्च होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस बजट को लेकर यह भी कहते हैं- यह एक ड्रीम बजट है। जो बजट के अब तक के भारतीय इतिहास के शानदार बजट में एक है। इसमें भविष्य की प्रगति की आधारशिला भी है तो आज की आवश्यकताओं के लिए राहत भी। इसे रेलवे के आधुनिकीकरण और डिजिटल व्यवस्था को बढ़ोतरी के साथ, रेलवे संरक्षा के लिए भी काम सुगमता से हो सकेंगे। फिर नयी रेलगाड़ियाँ चलाने के साथ बुलेट ट्रेन को जल्द पटरी पर चलाने का काम भी जल्द पूरा हो सकेगा।

गत वर्ष की भांति इस बार भी वही बजट देने का अभिप्राय यह भी है कि रेल परियोजनाओं में कितनी भी तेजी लायी जाए फिर भी वह कुछ समय तो लेती ही हैं। रेलवे को पटरियाँ बिछाने, ट्रैक का विद्युतीकरण करने, संरक्षा प्रबंध करने, कोच बनाने यहाँ तक रेलवे स्टेशन बनाने, रेल टिकट के लिए केंद्र बनाने सहित सभी कार्य भी स्वयं रेलवे को करने हैं। इसलिए रेल परियोजनाओं में समय भी लगता है और उस पर खर्च की गयी लागत एक मुश्त न होकर अलग अलग चरणों में होती है। इसलिए रेल को बजट में प्रति वर्ष अच्छी बड़ी धन राशि मिलती रहे तो परियोजनाएं रुकती नहीं।

इधर इस बरस रेल को ₹2 लाख 52 हजार की राशि तो बजट से आवंटित हुई है, साथ ही ₹10 हजार करोड़ अतिरिक्त संसाधनों से जुटाने का प्रावधान भी है। जिससे यह बजटीय राशि बढ़कर 2 लाख 62 हजार करोड़ हो जाएगी। फिर भारतीय रेल अपने आंतरिक संसाधनों से भी ₹3 हजार करोड़ और भी एकत्र कर सकेगी।

नयी वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत की मिलेगी सौगात

देश में आधुनिक वंदे भारत रेलगाड़ियाँ चलने से रेल परिवहन एक नए युग में पहुँच गया है। वंदे भारत का आकर्षण यात्रियों में तो है ही साथ ही बहुत से सांसद भी चाहते हैं कि उनके क्षेत्र में अधिक से अधिक वंदे भारत चलें। इसलिए वंदे भारत रेल की मांग बहुत बढ़ गयी है। अभी दिसंबर 2024 तक 136 वंदे भारत देश भर में चल रही हैं। जिसमें 62 ऐसी ट्रेनें सिर्फ 2024 में शुरू हुईं। लेकिन इस बजट के बाद देश में 200 और वंदे भारत चलाने की योजना साकार रूप ले सकेगी।

इसी के साथ भारतीय रेल की एक और परियोजना 'अमृत भारत' इस वर्ष नए आयाम बना सकती है। रेल मंत्रालय 100 अमृत



भारत रेल चलाने की योजना को साकार रूप देने में जुट गया है। देश में अभी दो 'अमृत भारत' रेल चल रही हैं। आनंद विहार दिल्ली से दरभंगा और दूसरी मालदा से बेंगलुरु जो दिनांक 30 दिसंबर, 2023 को शुरू हुई थीं। ये 'अमृत भारत' निम्न आयवर्ग और श्रमिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। ये अभी गैर वातानुकूलित ट्रेनें हैं। लेकिन इनमें लगभग वे तमाम सुविधाएँ हैं जो वंदेभारत जैसी आधुनिक रेल में हैं। लेकिन इनका किराया एक हजार कि.मी. का सिर्फ ₹450 है। जिससे लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह आदर्श रेल है।

इधर अब 200-250 कि.मी. अर्थात कम दूरी की यात्रा के लिए रेल मंत्रालय नमो भारत रैपिड रेल पर भी फोकस कर रही है। देश में जल्द 50 नमो भारत रैपिड ट्रेन भी जल्द शुरू हो सकेंगी। पहली नमो भारत रेपिड रेल अहमदाबाद और भुज के बीच दिनांक 17 सितंबर, 2024 को आरंभ हुई थी। इस सबसे भारतीय रेल को 17 हजार 500 नए सामान्य कोच और मिल सकेंगे।



इस बजट से अब देश में 1,300 नए आधुनिक रेलवे स्टेशन बनकर उनके शुरू होने का सिलसिला चल निकलेगा। एक हजार नए फ्लाईओवर्स और अंडरपास बनेंगे। गत वर्ष भी एक हजार

फ्लाईओवर्स और अंडरपास बनाने का रिकॉर्ड भारतीय रेल पहले ही बना चुकी है। वहाँ अब 7,500 कि.मी. के पुराने ट्रैक बदलने और नए ट्रैक बनने का बड़ा काम भी होने जा रहा है। इस बजट में जो एक बड़ा काम और हो सकेगा वह है रेलवे की वर्क शॉप के आधुनिकीकरण का। जिसके लिए ₹25 हजार करोड़ का विशेष प्रावधान है। वर्कशॉप के नवीनीकरण से भी भारतीय रेल को निश्चय ही एक नयी चमक मिलेगी।



उधर रेल यात्रा की संरक्षाओं को लेकर बरसों से उठते सवाल भी अब करीब करीब बंद हो सकेंगे। हालांकि दस-बीस साल पहले के मुकाबले में अब रेल दुर्घटनाएँ बहुत ही कम हो गयी हैं। कवच 4.0 प्रणाली पर बहुत ही संजीदगी और तेजी से काम शुरू हो गया है। गत जुलाई में कवच को स्वीकृति मिल चुकी है। अब 10 हजार नए कवच लगाने का प्रावधान है। रेल संरक्षा के लिए इस बजट में एक लाख 16 हजार करोड़ रुपये मिले हैं। कवच जल्द लग सकें इसके लिए रेल ट्रैक के साथ बोगियों में भी बदलाव की जरूरत होती है। साथ ही प्रशिक्षित व्यक्तियों की भी। इधर अब जहाँ रेल मंत्रालय ने 12 हजार व्यक्तियों को प्रशिक्षित कर व्यवस्था को और मजबूत और बेहतर करने में सफलता पायी है।

बुलेट ट्रेन का सपना भी होगा साकार

इन सभी योजनाओं के अतिरिक्त देश दुनिया की नजर हमारे बुलेट ट्रेन के प्रोजेक्ट पर भी लगी हैं। मुंबई से अहमदाबाद मार्ग की देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का काम जापान के सहयोग से बहुत तेजी से चल रहा है। जिसमें 245 कि.मी. से अधिक मार्ग सेतु का निर्माण पूरा हो चुका है। साथ ही 352 कि.मी. पियर का और 362 कि.मी. पियर फाउंडेशन का कार्य भी पूरा हो गया है। इसके लिए 13 नदियों पर पुल बनाए गए हैं। समुद्र के नीचे सुरंग बनाकर भी रेल पटरियाँ बिछाई जा रही हैं। देश में हवा से बातें करती बुलेट ट्रेन को शुरू करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी पुराना स्वप्न है। इसके शुरू होने से मुंबई से अहमदाबाद का सफर करीब ढाई घंटे में पूरा हो सकेगा। ये नयी परियोजनाएं और बुलेट ट्रेन भारतीय रेल जगत को विश्व में एक नए शिखर पर ले जाएंगी।■

हम सभी का **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

अपना ज्ञान टटोलें

1. हाल ही में प्रधानमंत्री ने किस क्षेत्रीय रेलवे के मुख्यालय का शिलान्यास किया है ?

(क) पश्चिम तट रेलवे ☐ (ख) दक्षिण तट रेलवे ☐

(ग) पूर्व तट रेलवे ☐ (घ) उत्तर तट रेलवे ☐

2. प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन में किस ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया ?

(क) प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस ☐ (ख) विदेशी भारतीय एक्सप्रेस ☐

(ग) गौरव भारतीय एक्सप्रेस ☐ (घ) भारतीय एक्सप्रेस ☐

3. भारतीय रेल के कितने खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार 2024 दिया गया ?

(क) 8 ☐ (ख) 6 ☐

(ग) 5 ☐ (घ) 9 ☐

4. हाल ही में रेल मंत्री ने कौन-से ट्रेनसेट के संशोधित संस्करण 2.0 का निरीक्षण किया ?

(क) वंदे भारत ☐ (ख) अमृत भारत ☐

(ग) नमो भारत ☐ (घ) तेजस ☐

5. वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट का कितनी अधिकतम गति से सफल परीक्षण किया गया ?

(क) 180 कि.मी. प्रति घंटा ☐ (ख) 160 कि.मी. प्रति घंटा ☐

(ग) 170 कि.मी. प्रति घंटा ☐ (घ) 150 कि.मी. प्रति घंटा ☐

6. भारतीय रेल के विद्युतीकरण के कितने वर्ष पूर्ण हुए है ?

(क) 50 ☐ (ख) 25 ☐

(ग) 75 ☐ (घ) 100 ☐

7. वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजीगत आवंटन का जनवरी तक कितना प्रतिशत खर्च किया गया ?

(क) 80% ☐ (ख) 65% ☐

(ग) 76% ☐ (घ) 68% ☐

8. उत्तर रेलवे में कौन-सा मंडल नया बना है ?

(क) जम्मू ☐ (ख) रायगड़ा ☐

(ग) पठानकोट ☐ (घ) बटाला ☐

9. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट परियोजना में समुद्र के नीचे कितने कि.मी. की सुरंग बनाई जा रही है ?

(क) 10 कि.मी. ☐ (ख) 8 कि.मी. ☐

(ग) 9 कि.मी. ☐ (घ) 7 कि.मी. ☐

10. आगामी दो वर्षों में कितने अमृत भारत ट्रेनसेट बनाने का लक्ष्य रखा गया है ?

(क) 40 ☐ (ख) 50 ☐

(ग) 60 ☐ (घ) 70 ☐

1. (घ) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ) 5. (क) 6. (ग) 7. (ग) 8. (क) 9. (ख) 10. (घ)

सही उत्तर

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिंदी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में)

नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी, आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथवा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार

28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र

23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें:

व्यापार प्रबंधक

310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,

टेलीफोन : 011- 47845378, 23382531

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए
रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता
अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

अब ई-पत्रिका भी उपलब्ध

क्यू आर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ई-मैग्ज़ीन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-	10
एक प्रति (विशेषांक)		70	-	40
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263	130
	दो वर्ष	460	483	230
	तीन वर्ष	675	709	340
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210	100
	दो वर्ष	370	389	190
	तीन वर्ष	540	567	270
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313	----
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625	----

(सदस्यता शुल्क में वार्षिक विशेषांक भी शामिल है।)

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

पहचान पत्र संख्या (यदि रेल कर्मचारी है तो): ..... वैधता की तारीख .....

ऑफलाइन भुगतान का माध्यम

I) एम.ओ./आई.पी.ओ/डी.डी. व्यापार प्रबंधक के पक्ष में कमरा नं0 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001
II) नगद जमा कराने हेतू : कमरा नं0 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेल) **bmpr310rb@gmail.com**

IRIS Certification
AAR M-1003
Daulat Ram ENGINEERING

PRIME MOVERS FOR RAIL, MINING & URBAN MOBILITY

- Traction Motors / Alternators
- Air Conditioners
- Cooling Fans / Blowers
- Dynamic Brake Resistors
- Pantographs
- E- Buses
- Auxiliary Generators



10/2, NH-12, Simrai, Post Obedullahganj, Distt. Raisen, Near Bhopal, 464993, India
+91 7480 350001 to 350030 +91 8889983336 info@daulatram.org www.daulatram.com

FLUID CONTROLS®

ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



HIGH PERFORMANCE PRODUCTS. ON TIME. EVERY TIME.

Fluid Controls Limited has 50 years of experience in Engineering Connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS-ISO/TS 22163:2017), and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing, and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

- 50 YEARS OF HERITAGE
- IRIS & NABL CERTIFIED
- IN-HOUSE R&D
- OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
- APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS



+91-22-68238000 | railways@fluidcontrols.com | fluidcontrols.com

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2024-25-2026
आर.एन.आई रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
ISSN 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

Across Borders, Beyond Limits
Our CNC Wheel Lathes, a Symbol of Railway Excellence Worldwide


CNC Portal Wheel Lathe


CNC Underfloor Wheel Lathe


CNC Vertical Turning & Boring Lathe

Malaysia Sri Lanka Turkey Gabon India
France Thailand Ghana Senegal South Africa

hyt

HYT ENGINEERING COMPANY PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **ललित कुमार धनकड़** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., सी-66/3, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**